



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25] नई दिल्ली, शनिवार, जून 18, 1983 (ज्येष्ठ 28, 1905)
No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 18, 1983 (JYAISTHA 28, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मई 1983

सं० ए० 11016/1/83-प्रशा०-II—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित महायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	पदोन्नति की अवधि
----------	-----	------------------

सर्व श्री :

- | | |
|-------------------|-----------------------|
| 1. राज कुमार | 1-5-83 से 25-5-83 तक |
| 2. गुरदास | 7-5-83 से 31-5-83 तक |
| 3. डी० पी० अरोड़ा | 6-4-83 से 31-5-83 तक |
| 4. भगवती चरण | 26-3-83 से 27-5-83 तक |
| 5. एस० के० बंसल | 1-5-83 से 28-5-83 तक |

सं० ए० 11016/1/83-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों के राष्ट्रपति 1-116G1/83

द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

- | क्र० सं० | नाम | अवधि |
|----------------------------|--------------------------------------------------|------|
| 1. श्री कृष्ण कुमार | 1-5-83 से 25-5-83 तक | |
| 2. श्री एन० एम० एल० भटनागर | 26-3-83 से 4-4-83 तक
तथा 6-4-83 से 31-5-83 तक | |
| 3. श्री के० पी० अय्यर | 18-4-83 से 31-5-83 तक | |

उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० 12/1/74 सी० एस० (1), दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार र० 75/-प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे ।

य० रा० गांधी
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
का० एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1983

सं० एन०/2/70-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, तमिलनाडु पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त, श्री एन० एल० रामनाथन, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं, दिनांक 30 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से तमिलनाडु सरकार को सौंप दी गईं।

सं० ए०/19036/6/83-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा केरल राज्य पुलिस के पुलिस निरीक्षक श्री एस० सोमशेखरन नायर को दिनांक 30 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से श्रमले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-20024/2/83-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री महन्द्र प्रताप सिंह को दिनांक 30 अप्रैल 1983 के पूर्वाह्न से सहायक लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

दिनांक 28 मई 1983

सं० 1-27/81-सी० एफ० एस० एल०/4517—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की अधिसूचना संख्या 1-27/81-सी० एफ० एस० एल० केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के दिनांक 22-9-1982 के क्रम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैद्यक प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक डा० एस० के० लहरी (झूठ अभिज्ञापक) को 19-2-83 (पूर्वाह्न) से सी० बी० आई० नई दिल्ली, को केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-II (झूठ अभिज्ञापक) के पद पर तदर्थ आधार पर 30-6-83 तक और या पद के स्थायी रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

आर० एस० नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी, सी० बी० आई०

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 6 मई 1983

सं० 2/7/81-स्थापना—कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग (गृह मंत्रालय), नई दिल्ली के अधिसूचना सं० 13019 3/78-प्रशि० दिनांक 17 मार्च, 1982 में आंशिक संशोधन करते हुए, श्रीमती मंजुलिका सिंह, हिन्दी अनुदेशक, ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में दिनांक 1 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से सहायक प्राचार्य, हिन्दी का पद भार ग्रहण कर लिया है।

ए० के० दास
उप निदेशक

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1983

सं० डी० 1-17/81-स्था०-I—श्री एस० पी० सिंह, कमिश्नर (सहायक निदेशक (ट्रेनिंग) II, महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल भारत पर्यटन विकास निगम लि० में जनरल मैनेजर (विजिलेंस) की प्रतिनियुक्ति के कारण दिनांक 26-4-83 (अपराह्न) को अपने कार्यभार से विमुक्त हो गये हैं।

ए० के० सूरि

सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 मई 1983

सं० 10/29/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में तारीख 31 अगस्त, 1983 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	कर्मचारी का नाम	कार्यालय जहाँ कार्यरत हैं	विहित मुख्यालय
1	2	3	4
सर्व श्री			
1.	ओ० पी० आहूजा	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	नई दिल्ली
2.	एस० आर० गर्ग	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।	नई दिल्ली
3.	के० बी० रोहतगी	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।	नई दिल्ली
4.	पी० एन० बबेजा	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।	नई दिल्ली
5.	आर० एन० पोंगुर-लेकर	जनगणना कार्य निदेशक, महाराष्ट्र।	बम्बई
6.	ए० वी० बल्लिनाथन्	जनगणना कार्य निदेशक, तमिलनाडु।	मद्रास
7.	जी० डी० अग्रवाल	जनगणना कार्य निदेशक, राजस्थान।	जयपुर
8.	जी० सी० मिश्र	जनगणना कार्य निदेशक, बिहार।	पटना
9.	एम० एम० ए० बेग	जनगणना कार्य निदेशक, उत्तर प्रदेश।	लखनऊ
10.	बी० एम० पटेल	जनगणना कार्य निदेशक, अहमदाबाद गुजरात।	

1	2	3	4
सर्वश्री			
11. ए० जी० ओक	जनगणना कार्य निदेशक,	भोपाल	
	मध्य प्रदेश।		
12. आर० त्राई० रेवाशेट्टी	जनगणना कार्य निदेशक, कर्णाटक।	बंगलूर	
13. एल० सी० शर्मा	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।	नई दिल्ली	
14. एन० के० भटनागर	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।	नई दिल्ली	
15. के० बी० लखनपाल	जनगणना कार्य निदेशक, संघ राज्य क्षेत्र, चण्डीगढ़।	चण्डीगढ़	
16. एन० के० पुरोहित	जनगणना कार्य निदेशक, राजस्थान।	जयपुर	
17. चि० पी० सी० राव	जनगणना कार्य निदेशक, आंध्र प्रदेश।	हैदराबाद	
18. के० के० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक, आंध्र प्रदेश।	हैदराबाद	
19. डी० पी० चटर्जी	जनगणना कार्य निदेशक, पश्चिम बंगाल।	कलकत्ता	
20. एस० जयशंकर	जनगणना कार्य निदेशक, केरल।	त्रिवेन्द्रम	
21. ए० एस० डिल्लन	जनगणना कार्य निदेशक, गुजरात।	अहमदाबाद	
22. पी० के० रीत	जनगणना कार्य निदेशक, उड़ीसा।	भुवनेश्वर	
23. जे० थोमस मकाडो	जनगणना कार्य निदेशक, महाराष्ट्र।	बम्बई	

सं० 11/11/82-प्रशा०-1-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के अन्वेषक (सामाजिक अध्ययन) श्री एम० विद्यासागर को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्यालय में तारीख 30 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री विद्यासागर का मुख्यालय भोपाल में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1983

सं० 8 वि० आ० 2 (32)-ए/82-सरकारी उच्चम कार्यालय, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर केन्द्रीय सचि-

वालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड "ख" आशुलिपिक श्री चमन लाल को 11 मई, 1983 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक रु० 650-1040 के वेतनमान में आठवें वित्त आयोग में आशुलिपिक ग्रेड "ख" नियुक्त किया गया है।

मुखवासी लाल माथुर
अवर सचिव

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महा लेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1983

सं० वा० ले० प० I/64-70-महालेखाकार कर्नाटक, बंगलूर के कार्यालय में कार्यरत श्री एम० एम० रामा राव, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवाषिता आयु प्राप्त करने पर 31-3-83 (आराह्न) में सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए।

एम० एम० सोमेश्वर राव
संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1983

सं० का० आ० सं० प्रशा०-11/रा० एक० बी० यू०-265/1467-केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) का अनुसरण करते हुए श्री बी० एस० मिनहास लेखापरीक्षक की सेवाएं समाप्त करने का एक नोटिस जिस तारीख को नोटिस तामो र किया गया, या दिया गया जाय भी सामना हो उस तारीख से एक माह को अवधि की समाप्ति पर जारी किया गया था। डाक-प्राधिकार द्वारा बिना सुपुर्दगी के नोटिस दिनांक 30-12-1982 को इस टिप्पण के साथ "लेने से इंकार दिल्ली वापिस कर दो" वापिस कर दिया था।

अब श्री बी० एस० मिनहास को पूर्व नोटिस देने की तारीख 30-12-82 को ध्यान में रखते हुए अओहस्ताक्षरी एतद् द्वारा श्री बी० एस० मिनहास को सेवाएं दिनांक 30-12-1982 को तारीख से एक माह की अवधि की समाप्ति पर दिनांक 29-1-83 (पूर्वाह्न) से समाप्त की जाती हैं।

(ह०) अपठनीय
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा

स्थान :- नई दिल्ली

दिनांक 25-3-83

सेवा में

श्री बी० एस० मिनहास,
भूतपूर्व लेखापरीक्षक, गाँव तथा
डा० मुरादपुर नारयेल, बारास्ता बुल हीबल
जिला होशियारपुर (पंजाब)।

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक
नई, दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1983

सं० प्रशा०/11/2606/83-1—निम्नलिखित लेखा अधिकारी, वार्षिक निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, प्रत्येक के समक्ष दर्शायी गई तारीखों के अवराल्ल से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिए गए :—

क्रम सं०	नाम रोस्टर सं० सहित	ग्रेड	तारीख जिस से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत किये गये	संगठन
1	2	3	4	5
राज्यश्री				
1.	ओ मप्रकाश कपूर (पी०/254)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू
2.	एम० आर० बालासुन्दरम (पी०/17)	—तथैव—	31-01-83	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना
3.	विद्यासागर (पी०/336)	—तथैव—	31-01-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ
4.	जसबन्त सिंह (पी०/195)	—तथैव—	31-01-83	—तथैव—
5.	एस० डी० शर्मा (पी०/147)	—तथैव—	31-01-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून
6.	पी० के० नारायण स्वामी (पी०/157)	—तथैव—	31-01-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे
7.	टी० एस० वेंकटरामन (ओ०/184)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-01-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास
8.	के० सी० डोले (पी०/199)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-01-83	—तथैव—
9.	के० एल० शर्मा (ओ०/83)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-01-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (मुख्यालय) नई दिल्ली
10.	के० वी० नटराजन (ओ०/82)	—तथैव—	31-01-83	लेखा नियंत्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता
11.	एम० सी० सर्वज्ञ (पी०/328)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-01-83	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
12.	के० वी० कार्तिकेयन (पी०/13)	—तथैव—	31-01-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई
13.	पी० अन्ताजी राव (पी०/160)	—तथैव—	28-02-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास
14.	डी० के० मुखर्जी (ओ०/394)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-02-83	कलकत्ता
15.	आर० सुब्राह्मण्यन (पी०/163)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-02-83	—तथैव—
16.	वी० पी० भगत (पी०/112)	—तथैव—	28-02-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून

1	2	3	4	5
सर्वश्री				
17.	के० बी० लाहिरी (पी०/130)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-02-83	रक्षा लेखा नियन्त्रण (वायु-सेना) देहरादून
18.	आर० एल० बोहरा	—तथैव—	31-3-83	—तथैव—
19.	आर० पी० मेहता (ओ०/532)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-83	—तथैव—
20.	सन्तोखसिंह (पी०/47)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-83	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद
21.	जी० विष्वनाथन (पी०/164)	—तथैव—	31-3-83	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना
22.	नित्यानन्द चक्रवर्ती (ओ०/330)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-83	लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
23.	आर० के० शर्मा (ओ०/79)	—तथैव—	31-3-38	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ
24.	एन० एन० गोंसाई (ओ०/702)	—तथैव—	31-3-83	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ
25.	सी० एल० चोपड़ा (ओ०/400)	—तथैव—	31-3-83	रक्षा लेखा नियन्त्रक पश्चिमी कमान, चंडीगढ़
26.	सत्य देव शर्मा (पी०/141)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-83	—तथैव—
27.	बी० एस० त्रिखा (पी०/90)	—तथैव—	28-2-83	—तथैव—
28.	एस० पी० गौतम (ओ०/408)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-83	—तथैव—
29.	के० आर० वेंकटरामन (ओ०/64)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-83	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) मध्य. नागपुर

“रक्षा लेखा महानियन्त्रक, निम्नलिखित लेखा अधिकारी की मृत्यु, खेद के साथ अधिसूचित करते हैं:—

क्र० सं०	नाम रोस्टर सं० सहित	ग्रेड	मृत्यु की तारीख	संख्या बल से निकासने की तारीख	संगठन
सर्व श्री					
1.	चेरियन जचारिया (ओ०/78)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	9-3-83	10-3-83	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पूर्वाक्त) (नौसेना) बम्बई

ए० के० घोष
रक्षा लेखा उप महानियन्त्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्म्मेन्स फैक्टरियां सेवा
आर्म्मेन्स फैक्टरी बोर्ड

कनकता-16, 25 मई, 1983

शुद्धि-पत्र

सं० 1297/ए/जी—सर्वश्री ओ०पी० मेहरोत्रा, और ए० के० दाम, महा प्रबन्धक, (एस० जी०)/डो० डो० जी० ओ० एफ० स्तर-II, की नियुक्ति के सम्बन्ध में ओ० एफ० बोर्ड, गजट अधिसूचना संख्या 47/जी०/81, दिनांक 2-12-81 में निम्न-लिखित संशोधन किया जाता है :—

वास्ते—पहली नवम्बर, 1981

पढ़ा जाये :—दूसरी नवम्बर, 1981।

सं० 23/जी०/83—राष्ट्रपति महोदय, ने श्री एन० डी० जोशा, स्थानापन्न डी० ए० डी० जो०ओ० एफ० (स्थायी टी० एस० ओ०/ए० एम०), का आई० ओ० एफ० एस० से त्यागपत्र दिनांक 17 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्न) अर्थात् उत्तर प्रदेश, डेवलपमेंट मिस्टम कार्पोरेशन लिमिटेड, लखनऊ में उनके स्थायी समावेशन की तारीख से स्वीकार किया।

बी० के० मेहता
निदेशक/स्थापना

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र,
महा निदेशालय

बम्बई, दिनांक 19 मई 1983

सं० 5/3/82-स्थापना—महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थायी रूप में अपर सहायक निदेशक (गोदी सुरक्षा) के पद पर उनके सामने दर्शाई गयी तारीख से इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान महानिदेशालय, में नियुक्त करते हैं।

श्री ए० सी० कार० 7-12-81

श्री के० नरसिंहम् 31-12-81

डा० एस० एस० रामस्वामी
महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्यनियन्त्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई, 1983

आयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण,
(स्थापना)

सं० 6/1062/74-प्रशासन 'राज/3008—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर इस कार्यालय के श्री के० एल० दूबे, कनिष्ठ विश्लेषक को 30 अप्रैल, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

दिनांक 23 मई, 1983

सं० 6/1385/82-प्रशासन 'राज/3923—श्री बी० के० भाटिया, केन्द्रीय मन्त्रालय सेवा के ग्रेड-IV के अधिकारी तथा इस कार्यालय के नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात का 21-4-1983 को देहान्त हो गया।

बी० के० मेहता

उप मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात
छूते मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1983

सं० 12(447)/64-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (ल० उ०) कार्यालय, नई दिल्ली के उप निदेशक (ओ० प्र० एवं प्रशि०) श्री एन० एस० नायर को एफ० आर० 56 (के) के अन्तर्गत 31 मई, 1983 के अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई, 1983

सं० प्र-6/247(514)—बम्बई स्थित निरीक्षण निदेशक के कार्यालय में स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री आर० सम्पथ, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम, 48 ए की शर्तों के अनुसार दिनांक 7 मई, 1983 के अपराह्न से स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 24 मई 1983

सं० प्र०-6/247(428) —राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक बर्णपुर के कार्यालय के सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) श्री बी० एल० रे को दिनांक 28 अप्रैल 1983 पूर्वाह्न से बर्णपुर निरीक्षणालय के अधीन निरीक्षण उप-निदेशक (धातु) दुर्गापुर के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रसायन) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" धातु-रसायन शाखा के ग्रेड-III) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री रे ने दिनांक 27-4-83 के अपराह्न से सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) बर्णपुर के पद का कार्य भार छोड़ दिया तथा दिनांक 28-4-1983 के पूर्वाह्न से दुर्गापुर में सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु-रसायन) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० एल० कपूर,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 मई 1983

सं० 4679 बी/19012(4-जे० एस० बी०)/82-19बी०—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री जसवीर सिंह बावा को ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 23 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 27 मई 1983

सं० 4792 बी०/ए०-19012 (के०पी०जी०)/82-19ए० —श्री के० पी० गौतम को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-740-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता आगामी आदेश होने तक 5-5-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 23 मई 1983

सं० ए०-19011(110)/75 : स्था० ए०—अत्यंत खेद के साथ सूचित किया जाता है कि श्री ए०पी० देऊस्कर, उप खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) का दिनांक 15 मार्च 1983 के पूर्वाह्न में सड़क दुर्घटना के कारण दुःखद निधन हो गया। अतएव भारतीय खान ब्यूरो के अधिकारियों की सूची में से उनका नाम निकाल दिया गया है।

सं० ए०-19012(161)/82-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री के० नागराज, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू-विज्ञान), भारतीय खान ब्यूरो को इस विभाग में सहायक खनन भू-विज्ञानी, ग्रुप "बी" के पद पर, 29 अप्रैल 1983 (अपराह्न) से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप में पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए०-19012(171)/83-स्था० ए० —विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्रीमती एम०एन० गायक-बाड़, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अ०प्र०) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर दिनांक 29 अप्रैल 1983 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए०-19012(167)/83-स्था० ए० —विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एस० कृष्णमूर्ती, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन अभियंता/चयन श्रेणी) को दिनांक 27-4-1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ब" के पद में स्थानापन्न सहायक खनन अभियंता के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए०-19012(170)/83-स्था० ए० —विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री वाय० के० शर्मा, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अ०प्र०) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर दिनांक 29 अप्रैल 1983 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिनांक 28 मई 1983

सं० ए०-19012(162)/82-स्था० ए० —विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री जी०एम० करकरे, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू-विज्ञान), भारतीय खान ब्यूरो को इस विभाग में सहायक खनन भू-विज्ञानी, ग्रुप "बी", के पद पर, 29 अप्रैल 1983 (अपराह्न) से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप में पदोन्नति प्रदान की गई है।

ब०च० मिश्र,
कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून-248001, दिनांक 23 मई 1983

सं० सी०-5954/718ए० —इस कार्यालय की दिनांक 19 मार्च, 1983 की अधिसूचना संख्या सी०-5928/718-ए के अन्तर्गत अधिसूचित श्री ए० बी० सरकार, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, सं० 102 (पी० एल० ओ०) मुद्रण वर्ग (पू०स०) कलिकाता की तदर्थ नियुक्ति, श्री जी०सी० अड्डी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी द्वारा छुट्टी बढ़ाने के फलस्वरूप उनके स्थान पर, दिनांक 15-2-83 से 1-4-83 तक की अवधि के लिए और बढ़ाई जाती है।

सं० सी०-5955/718-ए० —श्री आर० एन० शर्मा, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय दिनांक 31-3-83 (अपराह्न) से स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा०सि० सेवा ग्रुप "बी") के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में पश्चिमोत्तर सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, चण्डीगढ़ में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

सं० सी०-5956/707 —निम्नलिखित अधिकारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी" पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40 1000- द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में पूर्ण तथा तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए जाते हैं :—

क्र०सं० नाम और पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1. श्री योगेश्वर दयाल, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 47 पार्टी (स०प्र०स०) देहराबाद-1	27-1-83 (पूर्वाह्न)
2. श्री हीरा मणि, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 44 पार्टी (म०स०) इन्दौर-1	21-2-83 (पूर्वाह्न)

जी० सी० अग्रवाल
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

आकाशवाणी

मंगलूर-575004, दिनांक 25 मई 1983

केन्द्रीय सिविल अस्थाई सेवा नियम 1965 के द्वारा जारी की गई सेवा समापन सूचना।

पत्रांक एम०ए०एन०-21(155)/83-एस०/7110 — केन्द्रीय सिविल सेवा, (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम-5 के उपनियम-1 के अनुसरण में मैं एस०आर० पावन मूर्ति, केन्द्र अभियंता, आकाशवाणी, मंगलूर, श्री के० अबूबकर, तकनीकियन, आकाशवाणी, मंगलूर (बृहत्मावर) को यह

सूचना देता हूँ कि उनकी सेवाएं इस सूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन होने के दिनांक से एक महीने के समापन के बाद समाप्त होगी।

एस० आर० पावन मूर्ति,
केन्द्र अभियंता,

परमाणु उर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कुलपाक्कम-603102, दिनांक 25 मई 1983

सं० एम० ए० पी० पी०/आई (9)/82 भर्ती—सहायक कामिक अधिकारी के नियुक्ति के चयन हेतु, श्री आर० ताण्डवकुण्णन् एक स्थाई प्रवरण क्रम लिपिक, मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना कल्पाक्कम को अस्थाई रूप से सहायक कामिक अधिकारी के पद दिनांक 30 अप्रैल 1983 मध्याह्न से नियुक्त किया जाता है।

टी० रामानुजम,
प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 24 मई 1983

सं० प०ख०प्र०-16/3/82-भर्ती I—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक, श्री ओ० भार्थन को उसी प्रभाग में श्री पी०ओ० कृष्णाकरण, सहायक कामिक अधिकारी, जिन्हें प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है, के स्थान पर 2 मई, 1983 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे
वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना

डाक-न० प० वि० प० कालोनी-दिनांक 30 मई 1983

क्र० न० प० वि० प०/प्रशा०/ 1 (167)/83-एस०— प्रतिनियुक्त की अवधि समाप्त होने पर, महानियन्त्रक रक्षा लेखा कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एम० एम० शर्मा जो नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, ने मई 16, 1983 के पूर्वाह्न में अपने पूर्व विभाग को प्रत्यावर्तन पर अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

आर० के० बाली,
प्रशासन अधिकारी-III

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी० ठाणे, दिनांक 20 मई, 1983

सं० टी० ए०पी०एस०/1/18(3)/77-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु खनिज प्रभाग में स्थायी आशुलिपिक और स्थानापन्न बरिष्ठ आशुलिपिक श्री जी० सुरेन्द्रन को 10 मई, 1983 की पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक के लिए तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड में (र० 650-30-740-35-880-२० रो०-40-960) में एक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

व० वि० मरक्के
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 13 मई, 1983

सं० आर० आर० सी०/ए० 32023/1/77-आर०/7126—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, अनुसंधान केन्द्र की दिनांक 25-1-83 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, मन्नास परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री बाबिबेल बेम्बियन की उसी केन्द्र में तत्काल आधार पर सहायक प्रशासन-अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से की गई पदोन्नति की अवधि को 13-2-83 से 28-4-83 तक बढ़ाते हैं।

एस० वेंकटरामन
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 31 मई, 1983

सं० ए० 38019/1/77-ई०(1)—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, अपने नामों के सामने दी गई तारीख को वार्षिक आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

क्र० सं०	नाम	पदनाम	दिनांक जिसको अधिकारी ने निवृत्तन आयु प्राप्त की
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	टी० बी० बार्दाजन	सहायक मौसम विज्ञानी	31-3-83
2.	एच०एल० चक्रवर्ती	—वही—	—वही—
3.	ए० के० दास	—वही—	—वही—

1	2	3	4
4.	पी० एस० नायर	सहायक मौसम विज्ञानी	31-3-83
5.	के० सुब्रम (सेवा वृद्धि की समाप्ति पर)	—वही—	—वही—
6.	ईशर दास	—वही—	वही
7.	एन० कृष्णामूर्ति	—वही—	30-4-83
8.	आर० के० दास	—वही—	—वही—
9.	के० धानिकावलन	—वही—	—वही—

के० मुखर्जी
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1983

सं० 1/453/83-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री रा० प्र० राय, केन्द्रीय आरक्षित पुलिस बल के उप निरीक्षक को प्रतिनियुक्ति के आधार पर दिनांक 30 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मुख्यालय बम्बई में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर
निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1983

सं० ए० 32014/7/82-ई०सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति और आगे दिनांक 30-6-1983 तक की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दी है:—

क्र० सं०	नाम
1.	श्री एच० आर० कुन्दरा
2.	श्री एम० सी० डे० भौमिक
3.	श्री बी० के० भसीन
4.	श्री एस० रामास्वामी
5.	श्री एस० एन० सेन गुप्ता
6.	श्री ए० सी० दत्ता
7.	श्री एम० एन० धसमाना
8.	एच० एन० अधिकारी
9.	श्री एस० एन० आर्यंगर

क्र० सं०	नाम	क्र० सं०	नाम
10.	श्री आर० एस० रंधावा	57.	श्री के० के० सक्सेना
11.	श्री बी० सी० कुलश्रेष्ठ	58.	श्री बी० जी० बंगाली
12.	श्री विश्वन्त दत्ता	59.	श्री एन० जयरामन
13.	श्री हरिपाद घोष	60.	श्री पी० एस० सगारा
14.	श्री जोगधन रस्तोगी	61.	श्री विश्वम्भर लाल
15.	श्री पी० टी० गुजराती	62.	श्री ए० के० अभयंकर
16.	श्री के० के० शान्धिल्य	63.	श्री अरविन्दर सिंह
17.	श्री एस० एस० कांग	64.	श्री एम० के० परदेसी
18.	श्री एच० एस० दुआ	65.	श्री जोगिन्दर पाल सिंह
19.	श्री करन सागर देवनाथ	66.	श्री एम० एल० सेनी
20.	श्री एम० वी० नम्बिर	67.	श्री एन० डी० कपूर
21.	श्री योगेश कुमार कौशिक	68.	श्री एल० आर० सचदेव
22.	श्री गोपाल मिश्रा	69.	श्री जे० आर० सेठी
23.	श्री रामशरण सिंह लोटा	70.	श्री के० वी० जी० राव
24.	श्री के० के० गंडोत्रा	71.	श्री लक्ष्मण राम
25.	श्री के० एल० भाटिया	72.	श्री पी० एम० गुप्ता
26.	श्री एम० के० गुप्ता	73.	श्री सी० एस० प्रसाद
27.	श्री के० एम० सूर्यनारायण	74.	श्री प्रीतपाल सिंह जौली
28.	श्री के० वेंकटरमन	75.	श्री वोट सिंह
29.	श्री ए० एम० गुप्ता	76.	श्री जे० एस० डिल्लों
30.	श्री नाग नारायण सिंह	77.	श्री के० के० भनोट
31.	श्री ए० एन० परांजपे	78.	श्री के० सी० वर्मा
32.	श्री एम० एम० चक्रवर्ती	79.	श्री वी० वी० कृष्णामूर्ति
33.	श्री एम० एम० चौहान	80.	श्री एम० डी० घोर
34.	रामनाथ	81.	श्री के० के० श्रीमाली
35.	श्री डी० एस० जागीरदार	82.	श्री एस० सी० गोपीनाथ
36.	श्री जगजीत सिंह	83.	श्री एस० बी० पिल्लै
37.	श्री वी० एस० खुम्मान	84.	श्री पी० एस० शेखन
38.	श्री के० सी० गोस्वामी	85.	श्री वी० आर० के० शर्मा
39.	श्री पी० के० कार्कारिया	86.	श्री एम० सी० शर्मा
40.	श्री अमलेन्दु दत्त	87.	श्री वी० एस० नन्दा
41.	श्री डी० के० तनेजा	88.	श्री सी० जे० आदेशी
42.	श्री एच० सी० सचदेव	89.	श्री एस० सी० दत्ता
43.	श्री हरकिशन सिंह भाटिया	90.	श्री एस० आर० कालिया
44.	श्री एम० के० नरसिम्हा आयरंगर	91.	श्री के० एस० तावर
45.	श्री एम० ए० एस० प्रकाश राव	92.	श्री ई० के० बी० बाबू
46.	श्री ए० एन० भाटिया	93.	श्री एन० वेंकटरामन
47.	श्री मोहम्मद मंजूर अली	94.	श्री टी० के० घोषाल
48.	श्री श्री एस० पी० डल	95.	श्री भोजराज
49.	श्री जी० डी० दुबे	96.	श्री के० एल० बजाज
50.	श्री एस० एन० गुप्ता	97.	श्री जगन सिंह
51.	श्री के० के० नम्बूदरी	98.	श्री पी० किशन
52.	श्री हरभजन सिंह	99.	श्री एम एस० वारियर
53.	श्री टी० एस० धन्ना	100.	श्री एस० वी० सुब्बाराव
54.	श्री रूप नारायण मेहता	101.	श्री के० अंजनयुसु
55.	श्री पी० के० सरकार	102.	श्री एम० पूरन चन्द्र राव
56.	श्री जी० एन० साहा	103.	श्री एस० कृष्णन

क्र० सं०	नाम
104.	श्री रमेश चन्द्र
105.	श्री यू० के० यादव
106.	श्री मृण्मय मलिक
107.	श्री पी० विश्वनाथन्
108.	श्री बी० एस० जुजुहा
109.	श्री ए० श्रीनिवासन
110.	श्री पी० के० के० नायर
111.	श्री सी० के० डे०
112.	श्री टी० एस० नायर
113.	श्री वी० श्रीनिवासन
114.	श्री एस० डी० कुलकर्णी
115.	श्री ओंकार सिंह
116.	श्री डी० एल० एम० मूर्ति
117.	श्री पी० वी० राव
118.	श्री ओ० पी० खुराना
119.	श्री एम० एस० मोतवानी
120.	श्री ए० एस० बोलके
121.	श्री ए० वी० सेनगुप्ता
122.	श्री डी० के० गुप्ता
123.	श्री अविनाश चन्द्र
124.	श्री के० पी० जार्ज
125.	श्री जे० एस० सैब
126.	श्री आर० के० बर्मा
127.	श्री ए० वी० कुलकर्णी
128.	श्री एन. तुलसी रमन
129.	श्री ए० एस० कालेर
130.	श्री स्वर्ण सिंह
131.	श्री एच० एस० धालीवाल
132.	श्री जे० के० नाथ
133.	श्री सी० एम० गैरोला
134.	श्री आर० के० देशपाण्डे
135.	श्री आर० ओ० रगुआल
136.	श्री एस० के० एन पिल्लै
137.	श्री एम० टी० रजनी
138.	श्री ए० के० नारंग
139.	श्री के० वी० बर्वे

ओ० पी० अग्रवाल
सहायक निदेशक प्रशासन
क्षेत्र महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1983

सं० ए०-38013/1/83-ई०ए०—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय के श्री एम० एन० के० मनन, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी निर्वहन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-4-83 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 25 मई, 1983

सं० ए०-32014/2/82-ई०सी० (खण्ड III)—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के श्री जी० एस० बागडे संचार सहायक को दिनांक 10 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए रु० 650-1200 के वेतनमान में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा वैमानिक संचार स्टेशन बंगलौर में तैनात किया है।

ओ० पी० अग्रवाल
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1983

सं० ए० 32014/3/83-ई०एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री डी० एस० धुर्वे, भंडार सहायक की भंडार अधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को सामान्य शर्तों पर आगे 9-7-83 तक की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

जे० सी० गर्ग
सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई, 1983

सी० सं० 1041/41/83/12/83—श्री वाई० एल० मलिक ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय दिल्ली में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 26-4-83 के आदेश सं० 73/83 के (फा० सं० ए० 22012/23/83-प्रशा० II) द्वारा स्थानान्तरित होने पर, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्य कार्यालय में, दिनांक 2-5-83 (पूर्वाह्न) से, सहायक निदेशक (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सी० सं० 1046/39/83 [सं० 13/83]—श्री के. एस० एस० चावला ने, जो पहले निवारक संकार्य निदेशालय, दिल्ली में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद पर कार्यरत थे निदेशालय के दिनांक 27-4-83 के पत्र सी० सं० 1041/50/82 के अनुसार दिनांक 30-4-83 के (अपराह्न) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सी० सं० 1041/40/83 [सं० 14/83]—श्री एस० सी० सिबल ने, जो पहले नयी दिल्ली स्थित प्रशिक्षण निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप "ख" के अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के दिनांक 27-4-83 के पत्र सं० 1041/

50/82 के अनुसरण में निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 2-5-83 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी, ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 24 मई 1983

सं० 15/83—श्री एम० एल० बेरी ने, जो पहले सहायक सहायक नारकोटिक्स आयुक्त के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 6-12-82 के आदेश सं० 207/82 (फा० सं० ए०-32012/8/82-प्रशा० II) द्वारा अपीलीय अधिकरण सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क व स्वर्ण नियंत्रक, दिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानांतरण होने पर, दिनांक 9-5-83 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि, ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ब० च० रस्तोगी,
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1983

सं० 3 (डी० ए०)/28/82-प्रशा० छः/स्था० छः/—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5 के उप-नियम (I) के अनुसरण में मैं, आर० बी० शाह, सचिव, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री मोहम्मद आसिफ अभिकल्प सहायक को सूचित करता हूँ कि इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन हो जाने तारीख से एक माह की अवधि समाप्त होने की तारीख से उनकी सेवाएं समाप्त हो जायेगी।

आर० बी० शाह,
सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1983

सं० ए०-19012/1029-83-स्था०-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री सतीश कुमार अरोड़ा, अभिकल्प सहायक की अतिरिक्त सहायक देशक/सहायक अभियंता (इंजि०) के पद पर पूर्णतया अस्थाई और तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से एक वर्ष के लिए अथवा इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 मई 1983

सं० ए०-19012/910/81-स्था०-पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० सी० मिश्र जो इस समय केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर कार्य कर

रहे हैं, को उसी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियमित आधार पर 1-3-1982 की पूर्वाह्न से अन्य आवेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० सी० मिश्र, केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपर्युक्त तारीख से दो वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

सं० ए०-19012/1030/83-स्था०-पांच, —अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री विनोद चन्द्र गुप्ता, अभिकल्प सहायक को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 20-5-83 की पूर्वाह्न से एक वर्ष के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (यांत्रिकी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

राजा राम अरविंद,
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

विधि, व्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कोम्बलीन, दिनांक 30 अप्रैल 1983

सं० 963 /लिक्वि/560(4)/आर-2773/83—यतः पैनीयर चिटफण्ड प्राइवेट लिमिटेड लिक्विडेशन में जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय त्रिवेन्द्रम में है, का समापन किया जा रहा है। और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्त युक्त हैतुक रखता है कि कोई समापन कार्य नहीं रहा है और यह कि स्टेटमेंट्स आफ एकाउंट्स समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है/छह क्रमवती मास के लिए नहीं दी गई है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पैनीयर चिटफण्ड प्राइवेट लिमिटेड कि (लिक्विडेशन में) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हैतुक दशित नहीं किया जाता है तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कोम्बलीन, दिनांक 2 मई 1983

सं० 427/लिक्वि/560(4) आर० 2776/83—यतः हाजि वि० एम० सैयद मोहम्मद रावुधर एण्ड संस प्राइवेट लिमिटेड (लिक्विडेशन में) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय कांजि-रापल्ली में है, का समापन किया जा रहा है और यतः अधोहस्ताक्षरित, यह विश्वास करने का युक्ति-युक्ति हैतुक रखता है कि कोई समापन कार्य नहीं है/रहा है और यह कि स्टेट्समेंट आफ एकाउन्ट्स समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है छह क्रमवती मास के लिए नहीं दी गई है।

अतः अन्न कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हाजि वि० एम० सैय्यद मोहम्मद राबुय्यर एण्ड संस प्राइवेट लिमिटेड (लिक्वीडेशन में) का नाम यही इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पम्प्रापकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
केरल।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं अकबर नाविर ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में)

बम्बई, दिनांक 23 मई, 1983

सं० 647/19969/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अकबर नाविर ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र, बम्बई।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री राम लक्ष्मण मिस्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 25 मई, 1983

सं० 2496/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री रामलक्ष्मण मिस्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नई इण्डिया ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 25 मई, 1983

सं० 1850/560/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नई इण्डिया ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० के० रमणी
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० एम० 802/82/एक्यू०/मंसूरी—अतः मुझे,
विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० छपि भूमि है तथा जो कुआन वाला देहरादून
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंसूरी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 14 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) श्री मुल्कराज बत्ता एवं पुत्रगण
चन्द्र भारत भूषण बत्ता,
व जगत भूषण बत्ता
निवासी निरंजन पुर
जिला देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) मै० शकुन्त पेपर्स प्रा० लि०
डी० 1/11
अशोक विहार-II
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित कुआनवाला जिला देहरादून ।

विवेक बनर्जी

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 4-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन., एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 29 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० आर०-62/36317/82-83/एक्वी०/बी०—

अतः मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना 2 नया 2103 है तथा जो ओल्ड
मण्डी पेट तुमकूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय तुमकूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नं० 3733/82-83 तारीख 15
नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से श्रुत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्धित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
मूर्तिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एच० विनालासि
के०/आफ श्री टी० एस० मल्लिकार्जुनय्या,
सोमेश्वरा एक्स्टेंशन,
तुमकूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एम० शिवानन्द,
पुत्र सी० आर० मरुलप्पा,
गांधी नगर,
तुमकूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2733/82-83 ता० 15-1119-82) ।

सभी संपत्ति जिसकी सं० 2103 (पुराना नं० 2-
1799), ओल्ड मंडीपेट, तुमकूर ।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 29-4-1983

मोहर :

प्रकट आहट.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निवेश सं० सी० आर०-62/35957/82-83/एकी०/बी--

अतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1561 है, तथा जो वनशंकरी-1, स्टेज II,
ब्लाक, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवन
गुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 1843/82-83 तारीख 1 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिए न कम कराने या उससे बढ़ाने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एम० अभिमन्यु राव
नं० 1561 वनशंकरी,
I स्टेज, II ब्लाक,
बंगलूर-50 ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० हरिश्चन्द्र और
श्रीमती जी० लक्ष्मी,
नं० 791, 5 ब्लाक,
राजाजी नगर,
बंगलूर-10 ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(वस्तावेज नं० 1843/82-83 ता० 1-9-1982) ।

सभी संपत्ति जिसका नं० है 1561 वनशंकरी, 1 स्टेज,
II ब्लाक, बंगलूर-50

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 12-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 मई 1983

निदेश सं० सी० आर०-62/36670/82-83/एक्वी०/बी-

यतः मुझे, मंजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 398 है, तथा जो वेस्ट आफ कनकपुर रोड
7 ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1644/82-83
2 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गन्धापूत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
हायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-116GI/83

(1) श्री के० एस० कृष्णप्पा,
नं० 124,
इन्फन्ट्री रोड,
बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ए० वनीता,
नं० 296, ईस्ट सर्कल रोड,
बी० वी० पुरम्
बेंगलूर-4।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1644/82-83 ता० 2-9-82)।

सभी संपत्ति जिसकी सं० 398 VII ब्लाक, वेस्ट
आफ कनकपुर रोड, जयनगर, बेंगलूर-11।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 3-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 35972/82-83— यतः मुझे,
मंजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है।

श्रीर जिसका सं० 589 है, तथा जो 80 फीट रोड II ब्लाक
राजाजी नगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 सितम्बर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती एम० एल० सलित्ता,
59/1, 80 फीट रोड,
II ब्लाक, राजाजीनगर,
बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अकरोल फातिमा,
46/1, श्रीराम मंदिर रोड,
वसन्तगुडी,
बेंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2345/82-83 ता० 12-9-82)।
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 589 जो 80 फीट रोड,
II ब्लाक, राजाजी नगर, बेंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज, बेंगलूर

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्रमुख भाई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 36097/82-83--अतः मुझे,
मंजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/15 है, तथा जो डा० बी० आर० अम्बेडकर
रोड, डिबीजन नं० 48, सिविल स्टेशन बेंगलूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दालित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० ए० लतीफ और कुछ लोग
नं० 7, मालिका मंजिल,
कलासिपालयम एमस्टेशन,
बेंगलूर-2 ।

(अन्तरक)

(2) श्री सयद नूर महमद,
नं० 5/2, चित्रस्वामी मुदलियार, रोड,
तास्कर टाऊन,
बेंगलूर-51 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1879/82-83 ता० सितम्बर, 82) ।

सब संपत्ति है जिसका सं० 3/15, जो डा० बी० आर०
अम्बेडकर रोड, डिबीजन नं० 48, सिविल स्टेशन बंगलूर
में स्थित है ।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 12-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 35932/82-83—अतः मुझे

मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

'और जिसकी सं० सर्वे सं० 108, 106/7, 106/4, 107/4 और 106/5 है तथा जो गारागदूर विलेज, सोमवारपेट तालुक, कोडगु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोमवारपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री काबिरा अप्पय्या
सन आफ देवय्या,
सोमवारपेट टाकन,
कोडगु डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वी० मोड्डू,
सन आफ महमूद हाजी,
विराजपेट कोडगु,
श्रीमती नेफीसा बैक आफ
श्री इब्नाहीम
सुटिकोप्पा,
कोडगु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तर्हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 663/82-83 ता० 22-9-82) ।

सब सम्पत्ति है जिसका सं० सर्वे सं० 108, 106/7, 106/4, 106/6, 107/4, और 106/5 जो गारागदूर विलेज सोमवारपेट तालुक, कोडगु में स्थित है ।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 12-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री के० एस० राजेन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एस० जगन्नाथा और श्री के० एस०
नन्दिनाथ कोलार में रहते हैं।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

(2) श्री जी० आर० लक्ष्मीनारायणन नं० 394, सी०
एम० एच० रोड II स्टेज, इन्दिरानगर,
बंगलूर-38

(अन्तरिती)

निर्देश सं० नोटिस नं० 36072/82-83—यतः मुझे,
मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 253/ए है, तथा जो II स्टेज, इन्दिरानगर
बंगलूर-58 में स्थित है (और इसमें उपबाज अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवा-
जीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 6-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 1926/82-83 ता० 6-9-82)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 253/ए० जो II स्टेज, इन्दिरा-
नगर, बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-5-83

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 मई 1983

निर्देश सं० नोटिफ नं० 36063/82-83---यतः मुझे,
मंजु माधवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23/2 है, तथा जो रिचमंड रोड, बंगलूर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
20-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुशीला मेरी आलबुकरक
जी० पी० ए० होल्डर
श्री लूयीस आगान्स
21/12, एम० जी० रोड,
बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाज हनीफ
3205, अचिगेट
लसकर मोहल्ला,
मैसूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1822/82-83 ता० 20-9-82)
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 23/2 जो रिचमंड रोड, बेंगलूर
में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 2-5-83
सांहर :

प्रकृष्ट भाई, टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 मई, 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 62/36074/82-83-यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 4 में विभाग पुराना नं० 7 है, तथा जो देवीस रोड, रिचरडस टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री एस० गणेश राव और कुछ लोग
नं० 63, जी० नं० 10 स्ट्रीट अन्नमूर,
बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री एम० अहमद हुसैन
नं० 14-15, बोर बैंक रोड
बेनसुन टाउन,
बेंगलूर-46

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास भिन्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1924/82-83 ता० सितम्बर 1982)

सम्पत्ति है जिसका सं० 4 में विभाग (पुराना सं० 7) जो देवीस रोड, रिचरडस टाउन बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 3-5-1983
मोहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 35930/82-83—मतः मुझे,
मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 394 है, तथा जो IX क्रॉस I ब्लॉक जयनगर बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 16-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० नुरुखा राव

केयर आफ श्री बी० वेंकटाचलया

सूरज ट्रेडिंग कम्पनी

गीता रोड, राबर्टसनगुट

के० जो० एफ० 563122

(अन्तरक)

(2) श्री के० एम्० रमेश

394/73, IX क्रॉस

1 ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-II

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2045/82-83 तारीख 16-9-82)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 394 जो IX क्रॉस, 1 ब्लॉक, जयनगर बंगलूर-11

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 4-5-83

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० सी० आर०/62/36206/82-83/अक्वी/बी—
यत, मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 237, 238/2, और 238/1 है, जो
बाडगा वणगला ग्राम अम्मती नाड, दक्षिण कोडगु में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्-
ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वीराजपेट में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 379/82-83
30-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए समर्पित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गण्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—116GI/83

(1) श्रीमती मुखनाड भाचय्या अक्कवा
वाईफ/आफ लेट एम० डी० माचय्या
होलमाला एस्टेट
पोलीबेट्टा एस्टेट
कोडगु

(अन्तरक)

(2) श्री मुखनाड एम० गणपति
सन आफ लेट एम० डी० माचय्या
होलमाला एस्टेट
पोलीबेट्टा, कोडगु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 379/82-83 तारीख 30-9-82)

सभी सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० है।

237—5.87 एकर

238/2—4.68 ,,

238/1—8.11 ,,

बाडगा—वणगला ग्राम

अम्मती नाड, दक्षिण कोडगु

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 12-5-83

सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मई, 1983

निर्देश सं० नोटिस सं० 35931/82-83—यतः, मुझे,

मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 1679-ए 1 टी० एस० नं०

(2) है, तथा जो कसबा बजार, विलेज मंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) श्री बी० श्रीनिवासा राव
- (2) श्री मनमोहन राव
- (3) श्री बी० नागराज राव
- (4) श्री बी० श्रीहरी राव
- (5) श्री बी० किशोरकुमार

अशोकनगर, मंगलूर-575006

(अन्तरक)

2 मैसर्स सेंट्रल अरेकानट

मार्केटिंग और प्रासेसिंग कोआपरेटिव लिमिटेड,

सहकारी महल, बन्दर, मंगलूर-575001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 428/82-83 ता० 23-9-82)

सब संपत्ति है जिसका सं० आर० एस० नं० 179-ए

1 (टी० एस० नं० 13-2) जो कसबा बजार विलेज, मंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 12-5-83

सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 35954/82-83—यतः मुझे, मंजू,
माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं०-3 नया नं० 58 है, तथा जो कनकापुरा
रोड, बसवनगुडी बेंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण में अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 10-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० आनन्दा राव
नं० 58, कनकापुरा रोड
बसवनगुडी, बेंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री आर० रंगनाथ
सन आफ श्री के० रामलिंगम
नं० 70, हेष्० बी० समाजा रोड
बसवनगुडी, बेंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहाँ उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1996/82-83 ता० 10-9-82)
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 58 और 58/1 में विभाग जो
कनकापुरा रोड, बसवनगुडी, बेंगलूर-4 में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, बेंगलूर।

तारीख : 12-5-83
मोहर :

प्रारूप ० आई० टी० एन० १५०- - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36108/82-83—यतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 631 ब्लाक सं० 39 है, तथा जो
हारोहल्ली विलेज, वाराणा होबली मैसूर तालुक में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री वेंकटप्पा

सन/आफ मल्लप्पा,

डी० नं० 1712, 1 कास

चिक्कावोक्कलिगेरी, मंडी मोहल्ला

मैसूर

(अन्तरक)

(2) श्री रेवेरेंड फादर एम० ग्रेगोरियस,

अशोका रोड,

लसकर मोहल्ला,

मैसूर

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के
विवेक कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेश के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि में जो भी व्यक्ति या सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 446/82-83 तारीख 30-9-82)

सब सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 631 जो हारोहल्ली विलेज,
वासाना होबली मैसूर तालुक

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर-1

तारीख : 12-5-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० सी० आर० 62/37552/82-83/अक्वी/बी०

—यतः, मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 440, 441/2, 414/11, 438/2
और 437 है, तथा जो बाडगा ग्राम, दक्षिण कोडगु में स्थित है
और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कारि अधिनियम के कार्यालय नॉडिकेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 21/82-83 13-9-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर के गई है और पक्ष यह विश्वास करने
का कारण है कि इस पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबतत्व से कमी
करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) -एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बी० एम० माचय्या

सन आफ लेट मुदुप्पा

बाडगा ग्राम

कुट्टा दक्षिण कोडगु

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० उत्तप्पा

सन आफ लेट मुदुप्पा

पालपाने एस्टेट

बाडगा ग्राम

कुट्टा, दक्षिण कोडगु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की प्राप्ति के पश्चात् 45 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 21/82-83 ता० 13-9-82)

सभी संपत्ति जिसका सर्वे नं० है 440, 441/2, 414/11,
438 और 437 बाडगा ग्राम, कुट्टा, दक्षिण कोडगु

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 12-5-83

मोहर :

प्ररूप. बाई. टी. एन. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-

बंगलूर, दिनांक 16 मई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 62/36104/82-83—यतः, मुझे,

मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 71 पुराना नं० 62 है, तथा जो
भीमाकुप्पे, केगेरी होब्ली बंगलूर सौत तालुक में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर सौत तालुक में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
22-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तिम्मय्या
भीमकुप्पे, केगेरी होब्ली
बंगलूर सौत तालुक

(अन्तरक)

(2) श्री रामदास एम० कामत
नं० 25, ओकलीपुरम
बंगलूर-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3710/82-83 ता० 22-9-82)

सब सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 71 (पुराना सं० 62)
जो भीमकुप्पे केगेरी होब्ली बंगलूर सौत तालुक में स्थित है।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 12-5-83

मोहुर ३

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० सी० आर० 62/36042/82-83/अकवी/

बी०—यतः मुझे संजु साधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 78/10 है, तथा जो 3 फ़ास 2 ब्लॉक, जय
नगर बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 1-9-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी० गंगम्मा
वाईफ़ आफ़ बी० अरपट्टय
अलीयास : महूरप्पा
नं० 78, 3 फ़ास,
कनकनपालया,
बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वेंकटस्वामी
सन आफ़ मुनिवेंकटप्पा
स्टेट बैंक आफ़ मैसूर
बेंगलूर शाखा
बेंगलूर-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1854/82-83 ता० 1-9-1982)

सब सम्पत्ति है, जिसका संख्या 78/10, 3 फ़ास, 2 ब्लॉक
जयनगर, बेंगलूर-2

संजु साधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर।

तारीख : 12-5-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36013/82-83—यत, मुझे,
मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 4 (पुराना सं० 7) है, तथा जो दिविस रोड
रिचरडस टाउन, बेंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधीनता० सितम्बर 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच होने अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उन्में बढ़ने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) एम० गणेश राव और दो लोग
नं० 63, जी० नं० 10 स्ट्रीट
अनुसर, बेंगलूर-8

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सलीमा महमूद जानू
नं० 22/1, विवियानी रोड रिचरडस टाउन
बेंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1 25/82-83 ता० सितम्बर 82)

सब संपत्ति है जिसका सं० 7 पुराना सं० 7 जो देवीस रोड
रिचरडस टाउन बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीख : 3-5-83
मोहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 183/83-84— यतः, मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-1-104 है, जो पद्माराव नगर है,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—116GI/83

(1) श्री नारायणा रावचुग,
6-1-104,
पद्माराव नगर,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० मानिक राव और अन्य,
बी० एच० ई० एल०,
रामचन्द्रापुरम,
हैदराबाद ।
6-1-104,
पद्माराव नगर,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 6-1-104 पद्माराव नगर, सिकन्दराबाद में
विस्तीर्ण 1400 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6431/82
रजिस्ट्रीकृता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

प्रमाण नम्बर डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 184/82-83—यतः, मुझे
एम० जेगन मोहन;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16-7-436 है, तथा जो आजामपुरा,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आजामपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अभिहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री खुरशीद बेगम और अन्य,
जी० पी० ए० मोहम्मद
हमीदुद्दीन खान,
16-7-436,
आजामपुरा,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोबादेव पति माहावीर प्रसाद
और 2 अन्य,
21-1-311,
रिकाब गंज,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 16-7-436, विस्तीर्ण 1671 चतुर गज,
आजामपुरा, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3022/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आजामपुरा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 185/82-83—यतः, मुझे
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-493, 493/ए है, तथा जो हिमायत
नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चक्काडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
बाबत में कभी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती एम० मनोरमा देव और अन्य,
3-6-493,
हिमायत नगर,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

- (2) मै० पटेल इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड,
बी० बी० एस० रेड्डी,
5-9-30/1/17,
बशीर बाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-493 और 493/ए, विस्तीर्ण चतुर गज
हिमायत नगर, हैदराबाद रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 921/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 186/83-84—यतः
मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 174, 176 है, जो बोल्लारम नरसा-
पुर तालुक में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नरसापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती टी० चन्द्राम्मा,
श्री टी० प्रभाकर रेड्डी,
बोल्लारम विलेज,
नरसापुर तालुक, मेदक जिल्ला।

(अन्तरक)

(2) मै० एस० एस० सदरन फार्मेट्स (प्रा०) लि०,
1-120, तारनाका,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सुखी जमीन विस्तीर्ण 10 एकड़ सर्वे नं० 174, 176
बोल्लारम गांव नरसापुर तालुक मेदक जिला रजिस्ट्रीकृत,
विलेख नं० 1425/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नरसापुर।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 187/83-84—अतः मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
अभरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो अल्लापुर गांव रंगारेड्डी
जिल्ला स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी
जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गोदावरी बाई और अन्य,
जी० पी० ए० श्री प्रकाश बाराक,
बेगम बाजार,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मै० हरी कोआपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड,
बी० एस० भास्कर राव,
अशोक नगर,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 29, विस्तीर्ण 3 एकड़ 32 गुंटास,
अल्लापुर गांव, राजेंद्र नगर, तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 7009/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983
मोहर ।

मुख्य कार्य, टी. एम्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 188/83-84—अतः
मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो गांधी नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्काडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० लक्ष्माय्या,
पिता पी० वेंकाम्या,
सी-30,
ए-11-541 (1-1-541),
बाकारम,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० कृष्णामूर्ति,
पिता यादागिरी,
1-1-385/31,
गांधी नगर,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर गांधी नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 936 चतुर गज
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 870/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
चिक्काडपल्ली

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 189/83-84—अतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेड नं० 164 है, तथा जो जीडिमेटला,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मेडचेल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ए० पी० इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर
कारपोरेशन लिमिटेड,
5-9758/बी, 6 मंजिल,
परिश्रमा भवन,
फते मैदान रोड,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मै० बालाजी पेपर प्रोडक्ट्स,
डी०-164, 3 फेस "ए० डी० ए०",
जी०डि० मेटला,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शेड नं० 164 विस्तीर्ण 0.33 सेंट्स, 3 फेज, इंडस्ट्रियल
डेवलपमेंट एरिया जीडीमेटला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
4418/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मेडचेल ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983
मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 190/83-84—अतः मुझे,
एम० जगन मोहन;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके
पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वाभार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-3-497/1 है, तथा जो रिसाला अब्दुल्ला,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को प्रस्तुत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किमा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रवृत्त में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :-

- (1) श्री एम० राधिका,
पिता एम० हरी दर्शन,
गारडियन : एम० सुवर्णा,
16-11-18/19,
मालकपेट,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

- (2) श्री भगवान लाल,
पिता मेग राज,
5-2-687,
रिसाला अब्दुल्ला,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करती हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वाभार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, सम्बोद्धस्वाभारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित
है, वही अर्थ होया, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 5-3-497/1, रिसाला अब्दुल्ला, विस्तीर्ण 150
चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6517/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 191/83-84— अतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० नं० 6 ए है, तथा जो जिल्लारेड्डी गूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—116 GI/83

(1) मं० एन० वनसीमल इण्डिया,
पार्टनर : प्रकाश धरमदास हरजानी,
681/बी०/2/8/74,
रोड नं० 12,
बजारा हिल्स,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्रा नारायण अस्ताना,
41-55/3 आर० टी०,
संजीवा रेड्डी नगर,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6-ए और 6-बी० विस्तीर्ण 40 चतुर गज सर्वे
नं० 127 यैल्लारेड्डी गूडा, अमीरपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 6454/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

प्रसंग आर.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० 192/83-84—अतः, मुझे,

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो बशीर भाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/वा.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती लीला देवी,
पति टी० नारायणारेड्डी,
3-4-457,
नारायणगुडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० रामालक्ष्मी,
पती राजेंसनर राव,
पवरपेटा, येलूर,
वेस्ट गोवावरी जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1006 मुनिसिपल नं० 5-9-59, बशीर भाग,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 1020 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 6381/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

मोहुर

प्रकरण बार्डो टी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 193/83-84— यतः, मुझे,

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो शाजाहान अपार्टमेंट्स हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाणख अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) म० शाजाहान अपार्टमेंट्स,
6-2-974,
कैराताबाद,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अखिला कुमर,
पति डा० गेंक ए० कुमर,
8-3-1007,
श्रीनगर कालोनी,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

प्लॉट नं० 606, 6 मंजिल में और गारेज नं० 15
शाजाहान अपार्टमेंट्स मुनिसिपल नं० 6/2/974, कैराताबाद,
हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6665/82 और 6666/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कैराताबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 194/83-84-- अतः मुझे,

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो अत्तावाली, रंगारेड्डी
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मंड्चेल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की नावत्, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० अत्तापाल्नी फारस प्राइवेट लिमिटेड,
23, लाल बहादुर स्टैडियम,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० भानुमाती
पति रघुनाथा राव,
प्लॉट नं० 57,
श्रीनगर कालोनी,
येलारेड्डी गूडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 6 एकड़ 31 गुंटास, अत्तावाली गांव
मंड्चेल तालुक, रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
4765/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मंड्चेल ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 195/83-84—अतः, मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो हफीज पेटगांव, आर० आर०
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) यद्यपि से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन० लाराहारी,
पिता वीरा मल्लाय्या,
1-55 हफीजपेट गांव,
राजेन्द्र नगर तालुक,
आर० आर० जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मजहारुल हक और अन्य,
10-3-12/बी,
हुमायूं नगर,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 82, विस्तीर्ण 2 एकड़ 29 गुंठास
हफीज पेट गांव, राजेन्द्र नगर तालुक रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 7520/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी
जिला ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 196/83-84—अतः, मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो मादाम्नापाल्लीशेषाबाद
तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आर०आर० जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कांता देवी,
23-8-42,
बेगम बाजार
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

- (2) श्री एम० तुलजाराम,
14-9-833,
लोवर धूलपेट,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन अंगूर भाग के सात सर्वे नं० 77 मदनापल्लीगांव,
शेषाबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7568/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, रंगारेड्डी जिला (विस्तीर्ण 6 एकड़ 21
गुंटास) ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 150/83-84—प्रतः, मुझे,
एम० जगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० -- है, तथा जो मुशीराबाद, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० भाग्या नगर स्टूडियोस प्राइवेट लि०,
1-1-79,
आर० टी० सी० कांस रोड्स,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रंगा प्रसाद राव,
3-6-312/1,
हैदरगुडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० मुशीराबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 628 चतुर
फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6818/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्ररूप जारी. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 151/83-84—प्रतः, मझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो मुशीराबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० भाग्या नगर स्टूडियोस प्राइवेट लिमिटेड,
1-1-79, आर० टी० सी० क्रॉस रोड्स,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कमला देवी,
पिता राणावाराव,
3-6-312/1,
हैदराबाद,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० मुशीराबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 535
चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत प्लेख नं० 6817/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 152/83-84.—अतः मुझे
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मुशिराबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—116GI/83

(1) मैसर्स भाग्यानगर स्टूडियोस प्राइवेट लिमिटेड
1-1-79, आर० टी० सी० क्रॉस रोड, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री पी० प्रभाकर, 5-1-237/1, जामबाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० मुरादाबाद, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1170
चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6538/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप आर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 153/83 84—प्रतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मुशीराबाद में स्थित है (और
इससे उपाय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

- (1) मैसर्स. भाग्यनगर स्टूडियोस प्राइवेट लिमिटेड
1-1-79, आर० टी० सी० क्रॉसरोड हैदराबाद
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती कोमालारामास्वामी, पती एस० वी० रामास्वामी
1-1-79, आर० टी० सी० क्रॉसरोड हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट मुशीराबाद, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1170 चतुर फीट है
रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 6842/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 154/83-84—यतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 1 है, जो मुशीराबाद हैदरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स भाग्यानगर बिल्डर्स, बै० के० बी० रंगारेड्डी
1-1-79 आर०टी०सी० कॉंसरोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० ये० लक्ष्मी, पत्नी तारायनाराव, प्लॉट नं०
93, तारानाका, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम० नं० 1-1-79, मुशीराबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण
1170 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6752/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 155/83-84—यतः, मुझे,

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० है, जो मुशीराबाद
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स भाग्यानगर बिल्डर्स, बै० के० वी० रंगारेड्डी
1-1-79, आर०टी०सी० कासरोड्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती साराला राती, पत्नी शशिकांत, 5-1-708,
पुतलीबाली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 153 एम० नं० 1-1-79, मुशीराबाद, हैदराबाद
विस्तीर्ण 25345 चतुर फीट रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 6770/
82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 156/83-84—यतः मुझे
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है, जो यूनिटी हौस, आबिद
रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, यूनिटी हौस आबिद रोड,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री पी० रामाकिशना नं० 1, 4 मंजिल, यूनिटी हौस,
आबिद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1 यूनिटी हौस में आबिद रोड, हैदराबाद
विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 6445/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983.

मोहर :

प्रकट जाहूँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 157/83-84.—यतः मुझे
एम० जगन मोहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो यूनिटी हौस, अबिद रोड
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स, हिन्दुस्तान बिल्डर्स, यूनिटी हौस, आबिद रोड,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री पी० रामाकृष्णा, नं० 2, 4 मंजिल, यूनिटी
बिल्डिंग्स, आबिद रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाहोसूची--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 यूनिटी हौस में आबिद रोड हैदराबाद विस्तीर्ण
242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6446/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 158/83-84.—यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो यूनिटी हाँस, अबिद रोड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हिन्दुस्थान बिलडर्स, यूनिटी हाँस अबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ये० पूरना चंद्राव, नं० 4, 4 मंजिल, यूनिटी हाँस अबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4 यूनिटी हाँस में अबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6415/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5 1983

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 159/83-84—यत मुझे:
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट है, जो यूनिटी होस, अबिद रोड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में औ. पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हिन्दुस्तान बिलडरस, युनिटी होस अबिद रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पी० नारासिंहाराव, नं० 7, 4 मंजिल, यूनिटी होस, अबिद रोड हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7 यूनिटी होस में अबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6404/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-83

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. ए. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 160/83-84.—यतः मुझे,

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो यूनिटी होस आबिद रोड,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें कटने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

8-116GI/83

(1) मर्सेस हिन्दुस्तान बिलडरस, यूनिटी होस,
आबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पी० नारासिंहराव, नं० 6, 4 मंजिला
में, यूनिटी होस, आबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करवाएं ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6 यूनिटी होस, आबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण
242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6405/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 161/83-84—यत, मुझे,
एम० जगन मोहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो यूनिटी हौस आबिद रोड,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैस्टरस हिन्दुस्तान बिलडर्स, यूनिटी हौस,
आबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पूरना चंद्राबाब, नं० 3, 4 मंजिला,
यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं 3 यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण
242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6414/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

साहू :

प्रमुख कार्य-डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सं० नं० 162/83-84.—यतः,

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है जो यूनिटी होस आबिद रोड,
हैदराबाद में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) मैस्टरस हिन्दुस्तान बिलडर्स, यूनिटी होस,
आबिद रोड हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० श्रीनिवास, 16/5 मेरी हास्टल, काकासीया
मेडिकल, बरंगल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताकारी
के पास निश्चित पैसे किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त
पञ्चांग में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5 यूनिटी होस, आबिद रोड, हैदराबाद
विस्तीर्ण 242 घनुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6398/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्रमुख आर्ष. टी. एम्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 163/83-84—यतः, मुझे,
एम० जगन मोहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लॉट है, जो यूनिटी हास आबिद रोड,
हैदराबाद में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि वा नवा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स यूनिटी हास,
आबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री लालचंद मूलचंद मीरचंदानी, 5-9-22/78,
आदरश नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 24 यूनिटी हास, आबिद रोड, हैदराबाद
विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6672/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्रत्युक्त आर्. टी. एन. एल. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ये० सी० नं० 164/83-84—यतः मुझे

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो यूनिटी हास आबिद रोड,
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16 के अधीन 19 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैस्टरस हिन्दूस्ता बिल्डरस, आबिद रोड,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2) लालचंद मूलचंद मीरचंदानी, 5-9-22/78
श्रावर्षा नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 23 यूनिटी हास, आबिद रोड, हैदराबाद
विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेक नं० 6671/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ;

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्रारूप भाग टी. एन. ए. 22-22-22

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ये० सी० नं० 165/83-84—यतः मुझे

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है, जो यूनिटी हौस आबिद रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982 हैदराबाद

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सांस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स, हिन्दुस्तान बिल्डर्स, आबिद रोड, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री वी० एम० मीरवंदानी, 5-9-78 आदर्श नगर,
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 9, यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण
242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6409/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर०ए० सी० नं० 166/83-84—यतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या दफ्तर 20 - है, जो यूनिटी हास में स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आबिद रोड, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक
सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैस्सरस हिन्दुस्तान बिलडरस, आबिद रोड,
हैदराबाद ।
(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० मीरचंदानी, 5-9-78 आदर्श
नगर हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दफ्तर नं० 10 यूनिटी हास, आबिद रोड, हैदराबाद
विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6498/82
अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्रमुख बाह्य.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1983

निदेश संख्या आर० ए० सी० नं० 167/83-84.--यतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-8-42 है, जो फतेसुलतान लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स नवानम अपार्टमेंट्स, 5-8-42 फतेसुलतान लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० रामाचंदर, 5-8-658, स्टेशन रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए० 201, मुनिसिफल नं० 5-8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6438/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 168/83-84—यतः मूखे,
एम० जेगेन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-82 है, जो फतेसुलतान लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1892

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—116GI/83

(1) मैसर्स नंदानम अपार्टमेंट्स, 5-8-42 फतेसुलतान हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ए० खान आसिफनगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी० 401/29 मुनिसिफल नं० 5-8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6439/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगेन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

माहूर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

(1) मैसर्स नंदानम अपार्टमेंट्स, 5-8-42
फलेसुलतान लेन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती के० अरुना पति के० बातिनीडु,
5-4-405/ए० नामपल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 169/83-84—यतः मुझ,
एम० जेगन मोहनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 5-8-92 है, जो फलेसुलतान लेन हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी० 102/34 मुनिसिपल नं० 5-8-42,
फलेसुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1200 चतुर
फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6440/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 170/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-92 है, जो फलेसुलतान लेन हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स नवानम अपार्टमेंट्स, 5-8-42
फलेसुलतान लेन, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री के० विभीषणा रेड्डी, पिता के० हनुमंता-
रेड्डी, 5-5-731 कलीलवाडी, निजामाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी 804/78 मुनिसिपल नं० 5-8-42
फलेसुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चतुर फीट
रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 6441/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983.
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ये० सी० नं० 171/83-84—यतः मुझे एम०

जगन मोहन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सञ्चन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-8-42 है, जो फतेसुलतान लेन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नंदानम अपार्टमेंट्स, 5-8-42 फतेसुलतान
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. वाल्नाभवास, नं० 4-4-2, सुलतान बाजार, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० B403/31 मुनिसिपल नं० 5-8-42, फतेसुलतान लेन
हैदराबाद विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
6457/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 172/83-84—यतः मुझे, एम०
 जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-8-92 है, जो फतेसुलतान लेन हैदराबाद में
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स संदानम अपार्टमेंट्स, 5-8-92 फतेसुलतान लेन,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन० बी० दोमाडिया, घर नं० 5-2-976,
 एन० एस० रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी304/38 मुनिसिपल नं० 5-8-42, फतेसुलतान
 लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विनोद नं०
 6458/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983
 मोहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11-5-83

सं० आर० ए० सी० नं० 173/83-84-यतः मुझे एम०

जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-9-82 है, जो फतेसुलतान लेन हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स, नंदानम अपार्टमेंट्स, 5-9-42 फतेसुलतान लेन,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री अजय सी० सांगवी, एफ० नं० बी-301/25-3 मंजिल
घर नं० 5-8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी 301/25 म्युनिसिपल नं० 5-8-42, फतेसुलतान
लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
6459/82 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 174/83-84—यतः मुझे, एम०

जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-8-92 है, जो फतेसुलतान लेन हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स नंदानम अपार्टमेंट्स, 5-8-42 फतेसुलतान लेन,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री जी० सी० शा, पिता चगनलाल शा, ईसामिया बाजार,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाह्यताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-302/26 म्युनिसिपल नं० 5-9-92 फतेसुलतान
लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 6460/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11-5-83

सं० आर० ए० सी० नं० 175/83-84—यतः मुझे एम०

जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो फतेसुलतान लेन, हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नंदानम अपार्टमेंट्स 5-8-92, फतेसुलतान लेन,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० विवुक्षी, अरंडलपेट, गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी० 203/23 एम० नं० 5-8-42, फतेसुलतान
लेन, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 6670/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सूक्ष्म अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

माहुर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 176/83-84—यतः मुझे एम०,

जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है, जो फतेसुलतान लेन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-115 3/83

1. मैसर्स मंत्रानम अपार्टमेंट्स 5-8-92, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. कुमारी कुसुमा कुमारी, 3-4-376/10112, लिगम-पाल्सी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सुजी

प्लॉट नं० ए 102/2, एम० नं० 5-8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6689/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्रमुख आर्क्ष. टी. एम. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 177/83-84—यतः मुझे, एम०

जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है, जो फतेसुलतान लेन, हैदराबाद में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैक्स नंदानम अपार्टमेंट्स 5-8-92, फतेसुलतान लेन,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री संपतलान जंग, 5-7-579, नामपल्ली बाजार,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्रिदबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी० 404/32, एम० नं० 5-8-42, फतेसुलतान
लेन, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत बिलेख
नं० 6668/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० यें० सी० नं० 178/83-84---यतः मुझे

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो फतेहूलतान लेन हैदराबाद
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मिनम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
भारतरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री कामिनेनी ब्रिलडरस 4-1-1064 तिलक
रोड हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० अनूरादा, पिता जी० नारायाना राव,
1-4-879/78, गांधीनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम० नं० 1-8-556 हैदराबाद में विस्तीर्ण
950 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विखेक नं० 6535/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1983

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी. नं० 179/83-84 —यतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है जो फतेमुल्लतान लेन हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से केचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री महमद अब्दुल खादर किंग कोटी हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजानी गुप्ता, और अन्य, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 36 एम नं० यूनिटी हौल हैदराबाद में विस्तीर्ण
346 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विखेक नं० 6642/82 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एल.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11-5-83

सं० आर० ए० सी० नं० 180/83-84—यन: मुझे, एम०

जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-512 जब 518-4-47, अबिद रोड
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पावती अगरवाल, पिता भारत कुमार, 21-1-
773 से 775, पटेल मार्केट, पत्तरमट्टी, हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. डाक्टर अजमत आली खान, पिता इशरत आली खान घर
नं० 386/स्पेशल बी०, आगापुरा, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 47, अबिडस शापिंग सेंटर, चिराग आलानेत
हैदराबाद विस्तीर्ण 220 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख
6478/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्रम्प आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 181/83-84—यतः मुझे

एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. चिरागआली लेन है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डाक्टर हैदरआली कादरी, चिराग आली लेन हैदराबाद । (अन्तरक)

2. डाक्टर जाहीर इकबाल, पिता सैय्यद मुजीबुद्दीन मल्ले-पाल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

शाप नं० 4, कजानो अपार्टमेंट्स में विस्तीर्ण 276 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विन्लेख नं० 6849/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 182/83-84—यतः मुझे एम० जगन
मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० है, जो मुशीराबाद, हैदराबाद में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, विधानों में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैसर्स भाग्यनगर विल्डर्स, वी० के० वी० रंगारेड्डी
1-1-79, आर०टी०सी० रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० सागरावती, पति के० राणाचाराव, 3-6-
312/1, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम० नं० 1-1-79, मुशीराबाद, हैदराबाद
विस्तीर्ण 535 चतुर फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6819/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/3637—अतः मुक्त
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो ग्राम मालनपुर परगना गोहद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-10-1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम सिंह, महेन्द्र सिंह, पुत्र प्यारे लाल मु० रामकसी
देवा तोताराम, मुकेश अंब० श० नावा० पुत्र तोताराम
नावा० सं० रामसिंह पुत्र प्यारेलाल निवासी मालनपुर
परगना गोहद (म० प्र०)।

(अन्तरक)

2. श्री हरीश कुमार साह पुत्र विश्वनाथ सिंह 31-ए, नेपेन्सी
रोड, बम्बई-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि रकबा 1.025 हेक्टेयर जो कि ग्राम मालनपुर परगना
गोहद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 19-5-1983

मोहर :

प्रमुख आह, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3638—अतः मुझे
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो ग्राम मालनपुर परगना गोहद
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
21-10-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अभिष्ट नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बाप की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

11-116 GI/83

1. श्री हुकुम सिंह पुत्र वारेलाल
नियासी मालनपुर तहसील गोहद।

(अन्तरक)

2. ग्वालियर पोली पाइप्स लिमिटेड, 1, न्यू खेरापति
कानोनी ग्वालियर द्वारा डायरेक्टर हरीश कुमार पुत्र
श्री विश्वनाथ सिंह निवासी 31-ए-नेपे-मी रोड, बम्बई-6।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि रकबा 1-316 हेक्टर जो ग्राम मालनपुर तहसील गोहद
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी
मंजिल, टी० टी० नगर,
भोपाल

तारीख : 19-5-1983

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी/ अर्जन /भोपाल/3639--

अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो ग्राम मालनपुर परगना गोहद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती रामवती बेसा कलियान, धर्मवीर, लक्ष्मी नारायण पुत्र कलियान, निवासी मालनपुर जिला भिण्ड (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री काजल एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर हरिबाबू पुत्र विश्वनाथ सिंह निवासी 31-ए० नेपेन्सी रोड बम्बई -6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रकबा 2.100 हेक्टर जो कि ग्राम मालनपुर तह० गोहद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख : 19-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3640—अतः मुझे
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या भवन क्रमांक 80 है, तथा जो वार्ड क्रमांक 6
रामबाग, कालौनी शिन्दे की छावनी लक्ष्मर ग्वालियर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1982.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्दू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री कृष्णरत्न शर्मा निवासी
तारागंज लक्ष्मर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. श्री जीवनदास खटोड़ पुत्र बिट्ठलदास खटोड़ निवासी
पारख जी का बाड़ा लक्ष्मर, ग्वालियर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भवन क्रमांक 80 वार्ड क्रमांक 6 स्थित रामबाग कालौनी,
शिन्दे की छावनी लक्ष्मर ग्वालियर (म० प्र०)।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी
मंजिल टी० टी०
नगर, भोपाल

तारीख : 19-5-1983

मोहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मई 1983

निर्देश संख्या आई. ए. सी. /अर्जन/भोपाल/3641—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सम्पत्ति नं० नि० नम्बर 42/385 है, तथा जो लाला का बाजार लक्ष्कर ग्वालियर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रभूदास पुत्र निहाल चन्द निवासी लाला का बाजार, लक्ष्कर ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जानकी देवी पत्नी निहालचन्द निवासी लाला का बाजार, लक्ष्कर ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित लाला का बाजार लक्ष्कर-ग्वालियर नि० नं० 42/385।

देवीप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर भोपाल

तारीख : 19 मई, 1983

मोहर

प्रकृष आई. टी. एन. एन. —-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल; दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन /भोपाल/3586—यतः

मझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 382 है, तथा जो ग्राम पिगडम्बर तह० महू में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महू में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ऐसे के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतनलाल पिता मांगीलालजी कुलमी, निवासी
ग्राम राज तह० व जिला इंदौर

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वैभव लेण्ड डेवलपमेंट कंपनी, भागीदार फर्म
24/5, लक्ष्मी वार्ड नगर, किला मैदान, इंदौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासंशः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 382, ग्राम पिगडम्बर तह० महू जिला
इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मजिल

टी० टी० नगर,

भोपाल

तारीख :- 3-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3587—यतः

मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नंबर 363 है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम नं० 44 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरमंदर सिंह पिता श्री संतोष सिंह होरा,
निवासी पूनम कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
4/2, गंजी कंपाउंड, इंदौर

(अन्तरक)

(2) श्री इकबाल सिंह पिता श्री दर्शनसिंहजी
निवासी - 6 ए प्रेमनगर कालोनी, इंदौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 363, इंदौर विकास प्राधिकरण, स्कीम
नंबर 44, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल,

टी० डी० नगर, भोपाल

तारीख : 3-5-1983

मोहर :।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/3588—

अतः मुझे देवप्रियपन्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नम्बर 365 व उस पर बना हुआ गैरेज, तथा जो खातीचला टैंक पर स्कीम नं० 44, इंदौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रकाश पिता श्री गुलाबराय रामचंदासी
निवासी- म० नं० 70 साठकाना नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री रवीन्द्र सिंह पिता श्री दर्शन सिंह
निवासी-म० नं० 6 ए प्रेम नगर इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 365 व उस पर बना हुआ गैरेज, खाती वाला टैंक, स्कीम नं० 44 इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल
गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल।

तारीख : 3 मई, 1983
मोहर :

प्रकृप. आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3589---यत :मुझे

देव प्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नंबर आर-356 व उसमें निर्मित
ग्यारेज है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण योजना नंबर
44 (खातीवाला टैंक) में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता,
अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केवल्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नरेन्द्र कुमार खन्ना पिता श्री तेजमानजी
खन्ना, निवासी -27, सियारगंज इंदौर
(अन्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह पिता दर्शन सिंह
निवासी - 6 ए० प्रेमनगर, इंदौर.
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नंबर आर-356 व उस पर निर्मित अपूर्ण
ग्यारेज, इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 44
(खातीवाला टैंक) इंदौर में स्थित है

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-5-1983

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3590—यतः मुझे
देव प्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि सर्वे नं० 83, 84/2 है, तथा
जो गुलसरे, धामनोद में स्थित है (और इससे उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, धरमपुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिन, 2 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाजत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—116GI/83

(1) श्री 1. बालू पिता नारायण 2. चम्पालाल पिता
सीताराम 3. ओकार पिता सीताराम 4. दगड़ी
बाई वि० तुलसीराम 5. भगवान पिता जगनाथ
6. नथू पिता जगनाथ 7. राधेश्याम पिता
जगनाथ 8. गेंदा बाई वि० जगनाथ पाटीदार
गुलसरा पो० धामनोद

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शेलेन्द्र काटन जितीना एण्ड प्रेसिन्हा फेक्टरी
धामनोद जिला धार तरफें भागीदार शेलेन्द्र
कुमार अग्रवाल इंदौर साउथ तुकोगंज, इंदौर.
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नंबर 83, 84/2, गुलसरे, धामनोद में स्थित
है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-3-1983

मोहर

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रामेश्वर पिता कन्हैयालाल 2. मुरलीधर पिता रामेश्वर 3. विष्णु प्रसाद पिता रामेश्वर आदि, निवासी धामनोद, जिला धार.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शैलन्द काटन जिनीना धामनोद, 4 साउथ तुकोगंज, इंदौर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अप्रैल 1983

सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3591---यतः

मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 83 है, तथा जो गुलझरे धामनोद में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धरमपुरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 83 गुलझरे धामनोद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-4-1983

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983

सं० आई० ए० सी०/ अर्जन/ भोपाल/ 3592—यतः

मुझे देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 87/2 है, तथा जो
ग्राम बिलावली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, देवास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जगन्नाथ पिता चैनसिंह,
निवासी ग्राम बिलावली,

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश पिता लक्ष्मणजी चौहान,
निवासी-58 खारी बावड़ी, मोहल्ला देवास,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नंबर 87/2, ग्राम बिलावली में स्थित है।

देवप्रिय पत्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983

सं० आई० ए० सी०/ अर्जन/भोपाल/ 3593—यतः

मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 87/2 है, तथा जो ग्राम बिलावली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किवा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हिरासिंग 2. बापूसिंग पिता चैनसिंह
निवासी—ग्राम बिलावली, तह० देवास ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश पिता लक्ष्मणजी
निवासी—58, खारी बाबड़ी, तह० देवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 87/2, ग्राम बिलावली तह० देवास में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/359.1--यतः मुझे
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ख० नं० 87/2 है तथा जो ग्राम बिलावली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
मोहर :

1. श्री 1. जगन्नाथ
2. हिरासिंग
3. बापूसिंह
पिता चैनसिंह
निवासी--ग्राम बिलावली, तहसील देवास।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश पिता लक्ष्मणजी चौहान
निवासी--58 खारी बावड़ी,
मोहिल्ला देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नम्बर 87/2, ग्राम बिलावली में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-4-1983

मोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3595—अतः

मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 120 है तथा जो बिहारीलाल मार्ग,
(श्रीमालीवास) रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 6 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मीकान्त त्रिवेदी पिता श्री गनेशीलाल त्रिवेदी,
निवासी-19 महारानी रोड, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामप्यारी बाई 2. बासंती बाई पत्नी

श्री मांगीलालजी, निवासी-120,

बिहारीलाल मार्ग (श्रीमालीवास) रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नंबर 120, बिहारीलाल मार्ग (श्रीमालीवास) रतलाम
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3596—अतः

देवप्रिय पंत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नंबर 22 पर बना एक मकान है तथा जो
बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 22 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हाजी मोहम्मद सला उद्दीन या मोहम्मद अलाउद्दीन उर्फ
ओलिया साहेब, निवासी—खानकाह बुरहानपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री बाबूभाई या अम्बालाल पटल,
निवासी—रनोली, जिला बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला पक्का मकान, प्लॉट नंबर 31, प्लॉट नंबर 22
वार्ड नं० 23 पर बना हुआ है । खानकाह बुरहानपुर जिला बुरहान-
पुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-5-1983
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3597—अतः मुझे
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट, शीट नंबर 10, सर्वे नंबर 472, शीट
नंबर 20/1 है, जो सदर बाजार, धमतरी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, धमतरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रताप कोठारी आत्मज गंगाराम
खास मु० वास्ते जमनादास पिता खीमजी
मालिक खीमजी नागजी एण्ड कंपनी
बम्बई हाल मुकाम मोटर स्टेन्ड वार्ड,
धमतरी।

(अन्तरक)

2. श्री किशोर कुमार पिता सुगनमल
2. शांतिलाल पिता सुगनमल अज्ञान
पालक बली पिता सुगनामल वल्द
वसुमल जसूजा, मोटर बस स्टेन्ड वार्ड,
धमतरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट, शीट नंबर 10, सर्वे नंबर 472, शीट नंबर 20/1,
सदर बाजार, धमतरी में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त

[अर्जुन रंज, भोपाल]

तारीख : 4-5-1983

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश संख्या आई.टी.एन.एस./अर्जन/भोपाल/3598—अतः मुझे
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट, शीट नम्बर 10, सर्वे नंबर 572, शीट नंबर 20/1 है, तथा जो सदर बाजार धमतरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धमतरी जिला रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—116GI/83

1. श्री प्रताप कोठारी पिता गंगाराम कोठारी
निवासी—मकेश्वर पारा वार्ड धमतरी
वास्ते खास मुखत्यार
श्री जमनादास पिता खीमजी पार्टेनर
मैसर्स खीमजी नागजी एंड कंपनी बम्बई
हाल निवासी—सदर बाजार, धमतरी।

(अन्तरक)

2. श्री भीमनदास पिता गेहीमल सिन्धी
निवासी—रिसाईपारा, धमतरी।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट, शीट नंबर 10, सर्वे नंबर 572, शीट नंबर 20/1,
सदर बाजार, धमतरी में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 3-5-1983

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3599—प्रतः मुझे
वेवप्रिय पत्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खुला प्लॉट, खसरा नंबर 80/8 का टुकड़ा
है, तथा जो ग्राम पिठियास्र तहसील, महासमुन्द में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महासमुन्द में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री 1. गोवर्धन बल्द नारायण
2. राजकुंवर बंवा नारायण चन्द्राकर निवासी
पठियास्र तहसील महासमुन्द ।
(अन्तरक)
2. श्री फर्म खेमराज नेमीचंद श्री श्रीमाल एंड
कंपनी निवासी—गांधी चौक महासमुन्द
तहसील महासमुन्द जिला रायपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधिकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुला प्लॉट, खसरा नंबर 80/8, का टुकड़ा ग्राम पिठियास्र
तहसील महासमुन्द जिला रायपुर में स्थित है ।

वेवप्रिय पत्र

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख : 3-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3600—अतः सुमे
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खं० नंबर 80/8 का टुकड़ा खुला प्लाट
है, तथा जो ग्राम पिठियाझर तहसील महासमुन्द में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, महासमुन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 3 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री 1. गोवर्धन बल्द नारायण
2. राजकुंवर बेवा नारायण चन्द्राकर
निवासी पठियाझर तहसील
महासमुन्द जिला रायपुर।

(अन्तरक)

2. फर्मे खमराज नेमीचंद श्री श्रीपाल एंड कंपनी
निवासी—गांधी चौक महासमुन्द जिला रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खं० नंबर 80/8 का टुकड़ा, खुला प्लाट, ग्राम पिठियाझर
तहसील महासमुन्द जिला रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख : 3-5-1983

माहुर :

सकल भागों में प्रकाशित

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सकल भागों में प्रकाशित

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3601—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारियों को यह सूचना देने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खं० नं० 190/1 का भाग प्लॉट नंबर 4 है, तथा जो पंडरी तराई, रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण लाल भसीन बल्लु सेवकराम भसीन, बंगलौर द्वारा मु० आम चन्द्र प्रकाश टंडन निवासी—कंकालीपारा, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मंगल शाह बल्लु अमरनाथ सोनी, निवासी कंकालीपारा, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खं० नंबर 190/1, का भाग प्लॉट नंबर 4, मोजा पंडरी तराई, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

टी टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3 मई, 1983

मोहूर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

1. श्री ई० रामेन्द्रराव आत्मज स्व० श्री ई० नागेरन्धराव निवासी; गोडपारा बिलासपुर।

(अन्तरक)

2. श्री योगेश प्रताप सिंह आत्मज स्व० श्री चन्द्रभूषण सिंह निवासी—मसानगंज, बिलासपुर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3602—अतः मुझे देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नंबर 41, 40/2, 42 है, तथा जो मसानगंज, बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 1961 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नंबर 40/2, 41, 42, मसानगंज बिलासपुर में स्थित।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख : 3 मई 1983
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3603—यतः मुझे
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नंबर 1374/1 है, तथा जो दुर्ग
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29
सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

2. श्री न्यास श्री लक्ष्मी नारायण महाराज किला
मंदिर दुर्ग द्वारा श्री विनोद कुमार अग्रवाल ।
(अन्तरक)

2. श्री जगतपाल आत्मज हरनारायण सिंह,
दुर्ग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि खसरा नंबर 1374/1, दुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल ।

दिनांक 3 मई, 1983
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल/3604—यतः मुझे
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नंबर 1373/1, 1374/1 है,
तथा जो दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 29 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री न्यास श्री लक्ष्मी नारायण महाराज
निवासी—किला मंदिर दुर्ग द्वारा
विनोद कुमार अग्रवाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला बाईजी पत्नी श्री मधूलाल
निवासी—दुर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि खसरा नंबर 1373/1, 1374/1, दुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 4 मई 1983
मोहर :

प्रमाण नम्बर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3605—अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, बहु विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विज्ञान बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नंबर 1374/1 है, तथा जो दुर्ग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री न्यास श्री लक्ष्मी नारायण महाराज किला मंदिर दुर्ग द्वारा प्रधान न्यास श्री विनोद अग्रवाल। (अन्तरक)

2. श्री उस्मान गनी पिता मोहम्मद उमर दुर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाबोबा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नंबर 1374/1, दुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3 मई 1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3606:—अतः मुझे

देव प्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-अ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

आर जिसकी सं० प्लॉट खसरा नंबर 438/29 एवं मकान 1
है, तथा जो पंडरी तराई जिला रायपुरी में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 3 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—116GI/83

(1) श्री राम मनोहर लाल पिता राम स्वरूप लाल मु०
ग्राम श्री भजनलाल पिता राममनोहर लाल निवासी
शान्तिनगर, रायपुर (अन्तरक)

(2) श्री अर्जन कुमार पिता नेमामल वगैरह निवासी—
जवाहर नगर, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट (खसरा नम्बर 438/29) एवं मकान पंडरी तराई,
रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-5-1983

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा-269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं. आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3607—यसः,
मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० मकान नंबर 2181 है तथा जो सुभाष नगर राईट टाउन वार्ड जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी वन या अन्य आस्ति को जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती त्रिवेणी बाई वेवा प्रेम नारायण सक्सेना मकान नम्बर 2181, राईट टाउन जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शैल कुमारी जोर्ज रबीशचन्द्र अग्रवाल, निवासी—237 नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें वर्णित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 2181, शीट नम्बर 153 सी, प्लॉट नम्बर 500 का प्लॉट नम्बर 71, सुभाष नगर, राईट टाउन वार्ड, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3608—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 844 ब्लॉक नम्बर 3, प्लॉट
नम्बर 9 है तथा जो नार्थ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित
है (और इससे उपायानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है): रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आग की भांति उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक से दायित्व में कमी
करो या उससे बचो में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कमी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ई० पी० ओ० छुछले सुलेवान पिता स्व० श्री जे०
सी० पिस्टो मकान नम्बर 844 नार्थ सिविल लाइन्स,
जबलपुर ।

(अन्तरक)

2. कैथोलिक चर्च जो कि डियोसेसन कारपोरेशन जबलपुर
के नाम तथा प्रकार में इन कारपोरेट है द्वारा विणर्प
यियोफेन ओ० पारेम पुत्र श्री चाकू निवासी—
जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नम्बर 844, ब्लॉक नम्बर 3 प्लॉट नम्बर 9,
नार्थ सिविल लाइन्स, जबलपुर ।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983

माहूर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3609—अतः

मूझे, देवप्रिय पन्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्युनिसिपल नम्बर 42 है तथा जो नेताजी
सुभाष मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य जास्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री कृष्णा पिता शंकर निवासी—200/सी राजेन्द्र
नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) प्रेमचन्द पिता मोतीलाल
(2) श्रीमती यशोदाबाई पत्नी प्रेमचन्द
निवासी—20, भोई मोहल्ला, इन्दौर

(अन्तरिती)

3. श्रीमती धनवाई बाले 42, नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

म्युनिसिपल नम्बर 42, नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर में
स्थित मकान।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/3610—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 260 है, तथा जो श्रीनगर
एक्स्टेंशन कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची से और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजेश सरदारो लाल खन्ना,
निवासी 33,
प्लाउडन रोड,
महू ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री रामचन्द्र सोहन लाल
2. गीता देवी सोहन लाल
3. कलावती देवी शिवरतन,
निवासी 27/1,
शंकर बाग कालोनी,
इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 260, श्रीनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/3611--अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 261 है, तथा जो श्रीनगर
एक्स्टेंशन कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24 सितम्बर,
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती नीरा खन्ना पति राजेश,
निवासी 33, प्लाउडन,
रोड, महु।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती चन्दा देवी
2. रमेश कुमार सोहन लाल
3. भगवान सोहन लाल
निवासी 27/1,
शंकर बाग कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 261, श्रीनगर एक्स्टेंशन कालोनी, इंदौर में
स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983
मोहुर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/3612--अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 29 है, तथा जो संविद नगर, साकेत रोड, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० गणेशन,
निवासी 29/4,
संविद नगर,
साकेत रोड,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रावलमूदड़ा पत्नी
स्व० श्री बद्री नारायण मूदड़ा,
2. श्रीमती कुसुमलता पत्नी
श्री ईश्वर मूदड़ा,
निवासी 87,
कैलाश पार्क,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 29, संविद नगर, साकेत रोड, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3613--अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 23 है तथा जो प्रिस यशवन्त रोड, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 गतम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माधुरी पति कमल चुग,
निवासी 87 त्रिवेणी कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नवनिदवाई पति बंसीलालजी,
निवासी 23,
प्रिस यशवन्त रोड कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 23, प्रिस यशवन्त रोड, कालोनी इंदौर में स्थित है (एक भाग)।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3614— अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 307 है, तथा जो विष्णुपुरी
एनेक्स कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपान में मूँवना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15-116GI/83

(1) श्री सरदार अमरजीत सिंह
पिता आत्मा सिंह,
निवासी मकान नं० 65,
रेडियो कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० माणकबाई पति
राजेन्द्र कुमार दगदी,
निवासी 77,
राधानगर कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरिती)

क यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 307, विष्णुपुरी एनेक्स कालोनी, इंदौर में
स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जुन/भोपाल/3615—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सं० खसरा नं० 803 है, तथा जो जूनियर देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौत पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान दृश्यमान प्रतिफल के लिए अल्पविक्री की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) 1. श्री रामचन्द्र पिता लक्ष्मण
 2. जगदीश पिता लक्ष्मण
 3. मनीबाई पत्नी फकीरचन्द
 4. कमला बाई पत्नी शिवलाल
 5. प्रेम कुमार पिता फकीर चन्द
- नम्बर 1 से 5 तक के आम मु०
फकीर चन्द पिता सिद्ध नाथ जी माली
निवासी-आनन्द पुरा, देवास।

(अन्तरक)

- (2) श्री कुन्वन लाल पिता तोताराम जी,
निवासी-28,
गोधा कालोनी,
देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 803, जूनियर देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983

मोहुर :

प्रकाश जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3616—अतः

भूमे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 803 है, तथा जो देवास
जूनियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) 1. श्री रामचन्द्र पिता लक्ष्मण
2. जगदीश पिता लक्ष्मण
3. मनी बाई पति फकीरचन्द
4. कमला बाई पति शिवलाल
5. प्रेमकुमार पिता फकीरचन्द
निवासी-देवास तर्फे आम मु०
फकीरचन्द पिता सिद्धनाथ जी माली,
निवासी-आनन्दपुरा,
देवास।

(अन्तरक)

- (2) श्री कुन्दन लाल पिता तोता राम जी,
28, गोवा कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 803, जूनियर देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3617---अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 402/2, एवं 402/3 एवं प्लॉट नं० 4/1 का हिस्सा, ब्लॉक नं० 33 है, तथा जो साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती पद्मा बिनाती फेमली ट्रस्ट द्वारा
चन्द्र मोहन ट्रस्टी
राजा गोकल दास पैलेस
हनुमान ताल,
जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री व्योहार राम प्रताप सिन्हा,
श्रीमती सावित्री सिन्हा,
साधिया कुआ,
जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 402/2, 402/3, प्लॉट नं० 4/1 का हिस्सा
ब्लॉक नं० 33 साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-5-1983
मोहर :

प्रमाण आर्ट टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3618—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4/1 का छठा हिस्सा, ब्लॉक नं० 33 है, तथा जो साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थाद :—

(1) श्रीमती पद्मा विनायकी फेमली ट्रस्ट इस्टेट,
हनुमानताल,
जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला सिंह,
साउथ सिविल लाइन्स,
जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4/1 का हिस्सा, ब्लॉक नं० 33, साउथ सिविल लाइन्स जबलपुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3619—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त
धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नंबर 26 का हिस्सा है, तथा जो मौजा आमनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री सरदार अवतार सिंह
2. श्री त्रिलोचन सिंह
पिता सरदार राम सिंह
निवासी नोपपर टाऊन,
जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र कुमार चौकसे आत्मज
श्री सहदेव चौकसे,
निवासी राईट टाऊन,
जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्येष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 26 का हिस्सा, खसरा नं० 69/4, शीट नं० 9, मौजा आमनपुर नरसिंह बाई, जिला जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-5-1982
मोहर :

प्रारूप आदेश टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3620—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट नं० 69/4 का हिस्सा है, तथा
जो आमनपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) 1. श्री सरदार अवतार सिंह,
2. सरदार त्रिलोचन सिंह
पिता राम सिंह,
निवासी नेपियर टाउन,
जबलपुर।

(अन्तरक)

- (2) श्री गोविन्द कुमार चौकसे आत्मज
श्री सहदेव चौकसे,
निवासी नेपियर टाउन,
जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 69/4 का हिस्सा, प्लॉट नं० 9 प्लॉट
नम्बर 26 का हिस्सा मौजा आमनपुर, नरसिंह वाई, जबलपुर
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. डी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3621—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट ख० नं० 69/4 है, तथा जो मोजा आमनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. सरदार अवतार सिंह
2. सरदार त्रिलोचन सिंह पिता
सरदार रामसिंह,
निवासी नेपियर टाऊन,
जबलपुर।

(अन्तरक)

- (2) श्री अरविन्द कुमार चौकसे आत्मज
श्री सहदेव चौकसे,
निवासी राइट टाऊन,
जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट ख० नं० 69/4 का हिस्सा, शीट नं० प्लॉट नं० 26 का हिस्सा मोजा आमनपुर, नरसिंह बाड़े, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-5-1983
सांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3622—अतः

मुझे, देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट खसरा नं० 69/4 का हिस्सा
है, तथा जो मौजा आमनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मासित व्यक्तियों, अर्थात्:—

16—J16GI/83

(1) सरदार अवतार सिंह

2. सरदार त्रिलोचन सिंह

पिता सरदार राम सिंह,

निवासी नेपियर टाऊन,

जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सहदेव चौकसे आत्मज

स्व० नन्हें लाल चौकसे,

निवासी राइट टाऊन,

जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट खसरा नम्बर 69/4 का हिस्सा, शीट नं० 9,
प्लॉट नं० 26 मौजा आमनपुर, नरसिंह वार्ड, जिला जबलपुर
में स्थित है।

देवप्रिय पत्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3623—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 463, 464, 465/3 है, तथा जो ग्राम बावजिया कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री रघुनाथ वल्द
भैरो लाल,
निवासी ग्राम बावजिया कला,
जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) अल्प आय शासकीय कर्मचारी गृह सहकारी
समिति मयादित भोपाल द्वारा अध्यक्ष रामधनजी
भगवान छोला हनुमान मंदिर परिसर,
भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोए:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 463, 464, 465/3 ग्राम बावजिया
कला, तहसील हजूर, जिला भोपाल में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-5-1983

मोहर :--

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/3624-अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 104, 105 है, तथा जो
ग्राम आदमपुर छावनी में स्थित है (और इसमें उपान्वद्ध
अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जिला भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 सितम्बर,
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक
रूप से कांथत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण सं० हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, 'जिन्हें' भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री केशर सिंह वत्स
कमल सिंह
निवासी आदमपुर छावनी
तहसील हजूर
जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) डा० राजकुमार बिसाया आत्मज
श्री राधेबिहारी लाल
निवासी एन-5/24
कस्तूरबा अस्पताल
भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 104, 105, ग्राम आदमपुर छावनी
तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं ।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3625/ अतः

मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 69 है तथा जो अमानी तहसील हजूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्ड में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री फजलुख मियां वल्द
श्री शाहमोहम्मद याकूब,
2. मोहम्मद मसूद वल्द
मोहम्मद अय्यूब,
निवासी ग्राम आमोनी,
तहसील हजूर,
जिला भोपाल।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री जवाहर सिंह वल्द
श्री दौलत सिंह
2. श्री ज्ञान सिंह वल्द
दौलत सिंह,
द्वारा बली संरक्षक जवाहर सिंह वल्द
श्री दौलत सिंह,
निवासी करहोदकला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 69, ग्राम अमोनी, तहसील हजूर,
जिला भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3626—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० प्लॉट नं० 6 है, तथा जो नादिर कालोनी ग्रामला हिल्स, भोपाल में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) 1. श्री साहिबजादा यादवर रशीद
पिता श्री नवाबजादा रशीदुज्जफर साहब
आ० मु० वास्ते
2. बेगम सुरध्या रशीद पत्नी
श्री नवाबजादा रशीदुज्जफर खां
3. साहिबजादी महबानों पिता
नवाबजादा रशीदुज्जफर
4. साहिबजादी नीलोफर
पिता नवाबजादा रशीदुज्जफर
5. साहिबजादा नादिर रशीद
पिता नवाबजादा रशीदुज्जफर
निवासी शिमला कोठी,
भोपाल ।

(अन्तरक)

- (2) श्री काजिम अली खान पिता
श्री साहिबजादा साजिद अली
निवासी शिमला कोठी,
भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि प्लॉट नं० 6, नादिर कालोनी, ग्रामला हिल्स, भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3627—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 222, ई-3 है, तथा जो
अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री योगेन्द्र पाल सिंह,
आत्मज श्री सुरेन्द्र पाल सिंह,
निवासी ई-53/144,
अरेरा कालोनी,
भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र कुमार जैन आत्मज
श्री नन्नू लाल जन,
निवासी साउथ टी० टी० नगर,
भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 222, ई-3, अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित
है

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-5-1983

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3628—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 21 है तथा जो ग्राम अगरिया चोपड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायसेन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 मिनम्बर

1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा आत्मज
श्री गोपाल शर्मा,
निवासी 155 ई-1
अरेरा कालोनी
भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भागवती भारद्वाज पत्नी
स्व० श्री एस० के० भारद्वाज
निवासी 22 एन०,
5 हवीव गंज,
भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जमोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमें जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 21, ग्राम अगरिया चोपड़ा, तहसील व जिन्ना रायसेन में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3629—अनः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 25 है, तथा जो ग्राम
अगरिया चौपड़ा तहसील रायसेन में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रायसेन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 सितम्बर
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दयाराम आत्मज
श्री गोपाल राम शर्मा,
निवासी-ई-1/155,
अरेरा कालोनी,
भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवती देवी भारद्वाज पत्नी
श्री स्व० श्री एस० के० भारद्वाज,
निवासी-22 एन०-5,
हबीबगंज,
भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 25, ग्राम अगरिया चौपड़ा तह० व जिला
रायसेन में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3630 अतः

मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो टैगोर कालोनी, खंडवा में
स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खंडवा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
4 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-116GI/83

(1) श्री वसन्त भसई पिता
नानाभाई ठक्कर,
निवासी—टैगोर कालोनी,
खंडवा।

(अन्तरक)

(2) खंडवा कालोनाइजर्स खंडवा के भागीदारान
अमरचन्द व फूलचन्द कटारिया,
राधाकृष्ण मंशाराम मैथिल,
अनिल कुमार, सुरेन्द्र कुमार, जैन
तथा सौ० मुशीला पति
राधेश्यामलाल खंडेलवाल,
खंडवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट, खसरा नं० 425/2, 425/1 सी जो शीट नं० 8,
ब्लाक नं० 1 : ब : प्लॉट नं० 44, टैगोर कालोनी, खंडवा
में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-5-1983

सोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/3631—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 104 है, तथा जो श्रीनगर
एक्सटेंशन कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की धारण उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रभादेवी जय पति
श्री देवी दास जी जय,
निवासी—सागर बिहार,
28 अब्दुल गफार खान रोड़,
बम्बई-28 तरफे खास मुखत्यार
सीताराम जोशी पिता
श्री वसंत जोशी,
निवासी—78, बीमा नगर,
इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रज्जवचन्द सकलेचा पिता
श्री पृथ्वीराजजी सकलेचा,
निवासी—ग्राम मेघनगर,
जिला खड़वा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 104, श्रीनगर एक्सटेंशन कालोनी, इंदौर में
स्थित है ।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-5-1983
मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3632--अतः

मुझे, देवप्रिय पंत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्राम मंगलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) सेंट्रल एब्रोस्टोन लिमिटेड,
3/1, मनोरमा गंज
इंदौर तरफे डायरेक्टर
मोहन प्रकाश खंडेलवाल।

(अन्तरक)

(2) कोहिनूर इलेक्ट्रानिक लिमिटेड, इंदौर
तरफे डायरेक्टर श्री नवीनचन्द्र जैन,
पिता श्री जोधराज जैन,
निवासी--सीता बिहिङ्ग,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व मकान, ग्राम मांगल्या तहसील सावेर में है।

देवप्रिय पंत

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

प्ररूप आर्डर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3633—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 120 है, तथा जो ग्राम कालूखेड़ी, तहसील देवास में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दा प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मात्रा, उक्त अधिनियम के अधीन करने की अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, अर्जन/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम सिंह पिता
लाल जी कलौसा,
निवासी ग्राम कालूखेड़ी,
तहसील देवास।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स देवास मेटल सेक्शन प्राइवेट लि०,
देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 120, ग्राम कालूखेड़ी, तहसील देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निदेश में आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3634—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 54/3 है तथा जो ग्राम कालूखेड़ी, तहसील देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात्त :—

- (1) 1. श्री चैन सिंह
2. श्री गंगा राम
3. श्री दौलत सिंह
4. श्री हरी सिंह
पुत्रगण राम रतन कलौता
5. गट्टवाई विधवा रामरतन कलौता
निवासी-कालूखेड़ी,
तहसील देवास।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स स्टील ट्यूब्स आफ इंडिया लि०
पंजीयन कार्यालय स्टील ट्यूब रोड,
देवास म० प्र०।
तरफे मैनेजर श्री ए० सी० जायसवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 54/3, ग्राम कालूखेड़ी, तहसील देवास
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-5-1983
मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/3635—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,
भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 14 है, तथा जो ग्राम बंभाड़ा, तहसील बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 सितम्बर, 1982 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनैक धन्व बल्द
मोती लाल जैन,
निवासी-सनवारा,
तहसील बुरहानपुर

(अन्तरक)

(1) 1. रतीराम
2. शालिग्राम बल्द
काशी राम महाजन,
निवासी बैलसवाड़ी,
पोस्ट पिपरीनांदू,
जिल जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 14, ग्राम बंभाड़ा तह० बुरहानपुर में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म 37-जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3636--अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खेत जिसका नया नम्बर 131 है तथा जो
ग्राम महमदपुरा, तह० बुरहानपुर में स्थित है (और इससे
उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 सितम्बर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री सोहन लाल पितांबर दास शाह

2. चन्द्र कांत पिता सोहन लाल शाह,

गुजराती मोड़,

निवासी सीलिमपुरा वार्ड,

णिकारपुरा,

बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती छाया देवी पत्नी ठा० महेन्द्र सिंह

2. संध्या देवी पत्नी

ठाकुर चन्द्र प्रकाश सिंह,

निवासी-मोमिनपुरा,

बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेत, जिसका नया नंबर 131 है, ग्राम महमदपुरा तहसील
बुरहानपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/861/एस० आर० बम्बई/83-84-

अतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17 हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा नं०

4 भेतगुलडगांव तालुका महाबलेश्वर कर्वे रोड है तथा जो जिला
सातारा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम
निबंधक, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) इंडियन एग्री फार्मस्,
6/1, सैननाम अपार्टमेंट्स,
कफे परेड,
बम्बई-400005 ।

(अन्तरक)

(2) श्री काशी प्रसाद चिरंजी लाल मोरारका,
42, गौतम अपार्टमेंट्स,
जुहू रोड,
साताक्रुज (वेस्ट),
यगोरे रोड कार्नेर,
बम्बई-400005 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूची

भूमि सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा
नं० 4, भेतगुलडगांव, तालुका महाबलेश्वर जिला सातारा ।
क्षेत्र 2 हेक्टेयर 42 आर० और 2 हेक्टेयर 48 आर०
में जमीन का 1/8 भाग । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
क्रम 2009 तारीख 7-9-1982 को दुय्यम निबंधक वॉम्बे के दफ्तर
में लिखा है ।)

शशिकान्त कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-4-1983
मोहर

प्रारूप आर्द्ध. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/859/एस० आर० बम्बई-83-84-

अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा
नं० 4, मेनगुलडगांव है तथा जो जिला सातारा में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, बम्बई में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-116G1/83

(1) इन्डियन एगो कार्मस्
6/1, सतनाम अपार्टमेंट्स,
कफे परेड,
बम्बई-400005 ।

(अन्तरक)

(2) श्री कमलेश विजय कुमार गनेरी बाला,
श्री बिल्डिंग, एस० व्ही० रोड,
और जुहू रोड,
सांताक्रुज (वेस्ट),
बम्बई-400005 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची ।

भूमि सर्वे नं० 17 हिस्सा नं० 3 और सर्वे नं० 18
हिस्सा नं० 4 मेगुलडगांव तालुका महाबलेश्वर, जिला सातारा
जिसका क्षेत्र 2 हेक्टेयर 42 आर० और 2 हेक्टेयर 48
आर० में जमीन का 1/8 हिस्सा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम 2012 तारीख
7-9-1982 को दुय्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा
है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना,

तारीख : 30-4-1983

मोहर :

प्रकृष भार्. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/862/एस० आर० बम्बई/83-84-

अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेलगुताड, तालुका महाबलेश्वर में है तथा
जो जिला सतारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नर पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व वं कती करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, रिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मैसर्स इंडियन एगो फार्मर्स,
6/1, सतनाग अपार्टमेंट्स,
कफे पराड,
बम्बई-400005

(अन्तरक)

(2) श्री चिरंजीनाल
युधिष्ठिर प्रसाद सिधानिया,
डी-1/26, खीरा नगर,
सांताक्रुज (वेस्ट),
बम्बई-400054

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 17 हिस्सा नं० 3 और सर्वे नं० 18
हिस्सा नं० 4, मेलगुताड, तालुका महाबलेश्वर, जिला
सतारा।

क्षेत्र 2 हेक्टेयर 42 आर० और 2 हेक्टेयर 48 आर०
में जमीन का 1/8 भाग।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम 2010 तारीख
7-9-1982 को मुख्य निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा
है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-4-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सी० ए०-5/860/एस० आर० बम्बई/83-
84--अन: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेतगुटाड तालुका महाबलेश्वर है, तथा जो
जिला सितारा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई, दुय्यम निबंधक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) इंडियन एग्रो फार्मस, 6/1
सतनाम अपार्टमेंट्स,
कफे पराडे,
बम्बई-400005

(अन्तरक)

(2) सत्यभामा विजय कुमार गनेरी बाला,
डी-1/26, खीरा नगर,
सांताक्रुज (वेस्ट),
बम्बई-400054

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 17 हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा
नं० 4, मेतगुटाड, तालुका महाबलेश्वर जिला सतारा।
क्षेत्र 2 हेक्टेयर 42 आर० और 2 हेक्टेयर 48 आर०
में जमीन का 1/8 भाग।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम 2011 तारीख 7-9-
82 के दुय्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पुणे

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बम्बई/82/83 अतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3 व सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेतगुडाड गांव, तालुका महाबलेश्वर है तथा जो
जिला सतारा में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दुय्यम निबंधक, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरांतरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) इंडियन एग्री फार्मर्स,
6/1, सतनाम अपार्टमेंट्स,
कफे पराडे,
बम्बई-400005

(अन्तरक)

(2) श्री योगेश विजय कुमार
गनेरी वाला (अज्ञान),
श्री बिल्डिंग एस० वी० रोड,
और जुहू रोड,
सांताक्रुज (वेस्ट),
बम्बई-400054 ।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के सिद्ध
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और तर्कों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, और सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेतगुडाड गांव, तालुका महाबलेश्वर, जिला
सतारा ।

(क्षेत्र 2 हे० 42 आर० और 2 हे० 48 आर० में
जमीन का 1/8 हिस्सा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख क्रम 2015 तारीख 7-9-
1982 को दुय्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है) ।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना

तारीख : 30-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/858/एस० आर० बम्बई/83-
84—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेतगुडाड गांव, तालुका महाबलेश्वर है तथा जो
जिला सतारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
द्वयम निबन्धक, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के निम्न तथ्य पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इंडियन एग्री फार्मर्स,

6/1, सतनाम अपार्टमेंट्स,

कफे पराडे,

बम्बई-400005 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना काशी प्रसाद मोरारका,

42, गौतम अपार्टमेंट्स,

जुहू रोड,

सांताक्रुज (वेस्ट),

बम्बई-400054 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धाक्षे-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 17 हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेतगुडाड तालुका महाबलेश्वर जिला
सतारा ।

(क्षेत्र 2 हेक्टेयर 42 आर० और 2 हेक्टेयर 48 आर०
में जमीन का 1/8 भाग) ।

(जसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख कं० 2014 तारीख 7-9-82
को द्वयम निबन्धक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख 30-4-1983

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/856/एस० आर० बम्बई/83-
84— प्रतः सुश्री, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेतगुताड, तालुका महाबलेश्वर, 1/8 हिस्सा है,
तथा जो जिला सितारा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इंडियन एग्री फार्मर्स,
6/1, सतनाम अपार्टमेंट्स,
कफे पराडे,
बम्बई-400005 ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार श्री गोपाल गणेशवाला, (एच०
यू० एफ०) "श्री बिल्डिंग", एस० वी० रोड,
जुहू रोड,
सांताक्रुज (वेस्ट),
बम्बई-400054 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3 और सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेतगुताड, तालुका महाबलेश्वर, जिला सितारा ।
2 हे० 42 आर० और 2 हे० 48 आर० में जमीन का
1/8 हिस्सा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2008 तारीख
7-9-1982 को दुय्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा
है ।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-4-1983

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एम. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सी० ए०-5/ 863/एस० आर० बम्बई/83-

84-- अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेलगुलड गांव, तालुका महाबलेश्वर है तथा जो
जिला सितारा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
द्वयम निबंधक, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्मललिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
नं०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मललिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) इंडियन एग्रो फार्मर्स,
6/1, गतनाग अपार्टमेंट्स,
कफे पराड,
बम्बई-400005।

(अन्तरक)

(2) श्री विमल कुमार चिरंजीलाल सिघानिया,
डी-1/26, खीरा नगर,
सांताक्रुज (वेस्ट),
बम्बई-400054।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3 और सर्वे नं० 18,
हिस्सा नं० 4, मेलगुलड गांव, तालुका महाबलेश्वर, जिला
सतारा।

क्षेत्र 2 हेक्टेयर 24 आर० और 2 हेक्टेयर 48 आर०
में जमीन का 1/8 भाग।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2013, तारीख
7-9-1982 को द्वयम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा
है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 30-4-1983

मोहर :

प्ररूप आर्डर टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4328-- अतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायस्थ में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति जगतार कौर पुत्री करतार सिंह,
वासी 579, माडल टाऊन,
जालन्धर स्वयं तथा
जी० ए० तरेन्द्र कौर विधवा
कुलतार कौर अविद्याम करतार कौर
पुत्री करतार सिंह,
वासी 187, माडल टाऊन,
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री बंसी लाल पुत्र बूटा मल,
वासी डब्ल्यू० एफ०-167,
जी० टी० रोड,
पुली अली मोहल्ला,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4364 दिनांक
सितम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० चण्डी०/160/82-83—अतः मुखे, मुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 3192 है तथा जो सेक्टर 27-
डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19-116GI/83

(1) श्रीमती देववन्ती पत्नी

श्री भगत राम

निवासी एस० सी० एफ० नं० 30,

अनाज मण्डी, चण्डीगढ़ मार्फत

श्री राजेन्द्र कुमार शगन लाल वासी

गली नं० 12,

अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरजकांत पुत्र

श्री वेद प्रकाश

निवासी छत्ता बाजार,

होशियार पुर।

(अन्तरिती)

(3) श्री जेला सिंह वासी मकान नं० 3192,

सेक्टर 27-डी,

चण्डीगढ़।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शोध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3192 जो कि 27 सेक्टर, चण्डीगढ़ में है।

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 957 माह सितम्बर, 1982 में
दर्ज है।)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-5-1983

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एच० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

बाजार मूल्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० चण्डी०/149/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 555 है तथा जो सेक्टर 8-बी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या एवमे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या धन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इन्द्रा डींगरा पत्नी
श्री एच० सी० डींगरा
निवासी मकान नं० 291,
सेक्टर 33-ए,
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ सुपुत्र श्री वेवी क्याल व
श्रीमती मीनागोहरी पत्नी
श्री गुलशन लाल,
मकान नं० 1219, सेक्टर 8-सी,
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स सनातन धर्म एजुकेशन सोसाइटी
(श्री सनातन धर्म जूनियर माडर्न स्कूल),
मकान नं० 555,
सेक्टर 8 बी,
चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 555, सेक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ में है ।

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 853 महीना सितम्बर, 1982 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्रकरण धार्मिक डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० चण्डी०/147/82-83—प्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान नं० 2329 है तथा जो
सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाचय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी
स्वर्गीय श्री बलवन्त सिंह,
निवासी 2329,
सेक्टर 35-सी,
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रपाल सिंह सुपुत्र
श्री करतार सिंह,
निवासी गोमिया (बिहार राज्य) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान नं० 2329, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़
में है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 843 महीना सितम्बर में दर्ज
है ।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मई 1983

निवेश सं० चण्डी०/151/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लॉट नं० 1543 है तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्रायः की बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसी करने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्रायः या किसी वन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या हिमा जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लैफ्टिनेंट कर्नल देवेन्द्र सिंह सुपुल
श्री मंगल सिंह,
453, देहाली कन्ट्रक्टर
यूनिट मार्फत 99 ए० पी० ओ०।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश (एच० यू० एफ०),
पुत्र स्वर्गीय तेज राम,
वासी 18, इण्डस्ट्रीयल एरिया,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1543 सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में है।

(जायजद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय, के विलेख संख्या 859 महीना सितम्बर, 1982 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 12 मई, 1983

निदेश सं० चण्डी०/142/82-83—अन.: मुक्त, सुखदेवचन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3462 है तथा जो सेक्टर
23 डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती उमा बती पत्नी
श्री मोहन लाल शर्मा
वासी 25 बसन बिहार
आलमपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी पत्नी
श्री प्रीपमदास व श्री सुनील कुमार
सुपुत्र श्री जगदीश चन्द
निवासी 3438 सेक्टर 23 डी
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3462 सेक्टर 23 डी चण्डीगढ़ में है ।

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 825 महीन सितम्बर, 1982
में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज लुधियाना

तारीख : 12-5-1983
मोहर :

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 मई 1983

निवेश सं० पानीपत/228/82-83—अतः, मुझे, रा० के०
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 908 वर्ग गज है तथा जो
शिव नगर पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामेश्वर दास पुत्र
श्री रघुनाथ सहाय
गऊ शाला मण्डी
पानीपत ।

(अन्तरक)

(2) म० टक्सटाइल मिलज पानीपत द्वारा

1. श्रीमती कुन्ती देवी पत्नी सुश्री लाल ।
2. नीलम गोयल पत्नी सुशील गुप्ता ।
3. प्रदीप जन पुत्र श्री विमल कुमार ।
4. शीला देवी पत्नी विमल कुमार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 908 वर्ग गज जो कि पानीपत में स्थित
है और जिसका अन्य विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
रजिस्ट्री सं० 3789 दिनांक 20-9-82 में दिया हुआ है ।

रा० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 11-5-1983

मोहच :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० नरवाना/21/82-83—अतः, सुमे, रा० के० भयाना
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० जमीन 503 3/4 वर्ग गज है तथा जो
नरवाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नरवाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बनधारी लाल
राम स्वरूप दलीप सिंह
सुपुत्र श्री बिहारी लाल पुत्र
बिसम्बर दास
नरवाना

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री जय भगवान देवी प्रसन
राजेन्द्र कुमार, विनोद कुमार पुत्रगण
श्री हरिकेश मार्फत हरिकेश देवी प्रसन
क्लाथ मर्चेण्ट
नरवाना मण्डी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति जमीन 503 3/4 वर्ग गज जो नरवाना में स्थित
है व जिसका अन्य विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नरवाना
के कार्यालय रजिस्ट्री दिनांक 7-9-82 में दिया हुआ है ।

रा० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 12-5-1983
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० करनाल/149/82-83—अतः, मुझे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० XVII-670 है तथा जो पुराना सराफा बाजार करनाल में स्थित है और इससे उपा-अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोक्त—

(1) श्री श्याम लाल पुत्र जोगी दास
पुत्र मांगे राम
श्रीमती शांति देवी पत्नी श्याम लाल
जोगी दास
निवासी होली मोहल्ला
करनाल।

(अन्तरह)

(2) सर्वश्री भगवान दास गिरधर
पुत्र राम सिंह
निवासी समाल 1 मण्डी
तहसील पानीपत,
कृष्ण लाल पुत्र मेहर चन्द,
पुत्र रुचि राम तनेजा,
निवासी रमाना, रमानी
तहसील करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० XVII-670 पुराना सराफा बाजार, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 2692 दिनांक 1-9-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-5-1983

मोहूर

प्ररूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० जगाधरी/123/82-83—अतः मुझे, आर० के०
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है, तथा जो रादौर रोड, कैम्प,
यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्येक से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन धारा 269-घ के अन्तरक
वाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—116 GI/83

(1) श्री कांशी राम सुपुत्र
श्री जम्मू राम,
रादौर रोड कैम्प,
यमुना नगर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या देवी
पत्नी देशराज,
श्रीमती सावित्री देवी
पत्नी श्री ईश्वर चन्द्र,
निवासी गांव ममोदी,
त० जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति दुकान रादौर रोड कैम्प, यमुना नगर में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 4182 दिनांक 20-9-82 पर
दिया है।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० बल्लभगढ़/99/82-83—अतः मुझे, आर० के०

भयाना;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि 40 कनाल 4 मरले है, तथा जो पहलाद पुर माजरा डीग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धात्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दयावती पत्नी
श्री एस० के० शर्मा,
नि० 11, वेस्ट एवन्यू,
पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र
श्री स्वरूप सिंह,
श्रीमती गोमती देवी पत्नी
स्वरूप सिंह,
नि० तिगांव रोड फार्म,
सरूप नगर, बल्लभगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 40 कनाल 4 मरले पहलाद पुर माजरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 6648 दिनांक 13-9-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-5-1983

मोहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० बल्लभगढ़/100/82-83--अतः मुंसे, आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 53 कनाल 5 मरले है, तथा जो
पहलादपुर माजरा डींग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती दयावती पत्नी
श्री एस० के० शर्मा,
11, वेस्ट एवेन्यू,
पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजेन्द्र सिंह
पुत्र स्वरूप सिंह,
श्रीमती गोमती देवी पत्नी
श्री स्वरूप सिंह,
नि० तिगांव रोड फार्म,
स्वरूप नगर, बल्लभगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनसूची

संपत्ति भूमि 53 कनाल 3 मरले पहलाद पुर माजरा
डींग में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 6649 दिनांक 15/82
पर दिया है।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-5-1983

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० जगाधरी/137/82-83—अतः मुझे, आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 9 कनाल 9 मरले है, तथा जो गुलाब
नगर, त० जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अजमेर सिंह व
अकाल सिंह पुत्रान
चरण सिंह पुत्र कर्म सिंह,
नि० तेली माजरा,
तहसील जगाधरी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम लता पत्नी
श्री कृशन दास पुत्र
कांशी राम,
नि० 40, अनाज मंडी,
जगाधरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जगाधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 9 कनाल 9 मरले गुलाब नगर में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी
में रजिस्ट्री संख्या 4394 दिनांक 30-9-82 पर दिया है ।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज रोहतक

तारीख : 16-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 मई 1983

निर्देश सं० गुड़गाँवा/117/82-83—

यतः, मुझे, भार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 297 कनाल 15 मरले है तथा जो हरसरू जि० गुड़गाँवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गाँवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मै० युनिवर्सल पाल्ट्री फार्म (व्रीडिंग, हरसरू जि० गुड़गाँवा बजरिगे श्री हरिन्द्र कल्याण पुत्र भगवान दाम नि० 21, बंगलो रोड, देहली-6।

(अन्तरक)

(2) सरदार इन्द्रजीत सिंह सोरी पुत्र सरदार कुलवन्त सिंह सोढ़ी, नि० ए-5, रिग रोड, नारायणा विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 297 कनाल 15 मरले गांव हरसरू में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गाँव में रजिस्ट्री संख्या 1962, दिनांक 24-9-82 पर दिया है

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 16-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं० एफ०बी०आर०/83-84/29—यतः, मुझे,

हरदयाल सिंह, आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक भूमि का प्लॉट है तथा जो राधा स्वामी रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रभा देवी पत्नी श्री हीरा लाल नारंग
मेहूरा एपार्टमेंट बम्बई द्वारा आर० ए० बोगा जी० टी०
रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह चड्ढा एच० यू० एफ० द्वारा
फर्म मै० देवा सिंह शाम सिंह चाटी बिड गेट,
अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो राधा स्वामी
रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 10277/
24-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर।

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 10-5-83
मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एम. एम. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं० ए०एस०आर०/83-84/24—यतः मूझे, हरदयाल
सिंह, आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक भूमि का प्लॉट है तथा जो राधा स्वामी रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रभा देवी पत्नी श्री हीरा लाल नारंग वासी
मेहर एपार्टमेंट रोड बम्बई द्वारा जनरल अटारनी
आर०ए० बोगा पुत्र ए० डी० बोगा डी० टी० रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह चठा द्वारा फर्म मै० देवा सिंह शाम सिंह
बाहर चाटी बिड गेट अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि प्लॉट जो राधा स्वामी रोड अमृतसर में है जैसा
सेल डीड नं० 9682/13-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर
में दर्ज है।

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 10-5-83

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

निदेश सं० ए०एस०आर०/83-84/25—यतः, मुझे, हरदयाल सिंह, आई०आर०एस०,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो जी० टी० रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अमृतसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाबा पूरन नाथ चेला बाबा गयान नाथ वासी राम तीर्थ मेहान रिशी बालमीकी मंदिर अमृतसर द्वारा बहादुर सिंह पुत्र बरियाम सिंह चौक मोनी अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री ठाकुर सिंह, जय सिंह, पिरथी पाल सिंह पुत्रान ठाकुर दलीप सिंह जी० टी० रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो, (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो जी० टी० रोड सामने हरीगेशन आफिसर अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9205/2-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह
आई०आर०एस०

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख 9-5-1983

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10-5-83

निर्देश सं० ए०एस०आर०/83-8/26—यतः मुखे हरदयाल सिंह आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक जायदाद बटाला रोड अमृतसर में है, तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उजाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र दीवान चन्द बासी पवन नगर अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री तिलक राज पुत्र इणर दास पवन नगर अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. डऔर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद 450 वर्ग गज जो बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9441/7-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालंधर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-5-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मई, 1983

निर्देश सं० ए०एस०आर०/83-84/27—अतः मुझे हरदयाल
सिंह आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद जो बटाला रोड अमृतसर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19
सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपिकों में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र दीवान चन्द वासी
पवन नगर, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री अविंदरपाल सिंह पुत्र मेहर सिंह
अलोवाल जिला होशियारपुर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

एक जायदाद 297 वर्ग गज जो टी० पी० स्कीम नं० 53,
बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9440/7-9-82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

हरदयाल सिंह, आई०आर०एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 10-5-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई, 1983

निर्देश सं० ए०एस०आर०/83-84/28—यतः मुझे हरदयाल
सिंह आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो गांव जौड़ा छितरां, जिला
गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदास-
पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्मे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) एम्मे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमंतो पुरो पुत्री जीवां व पत्नी धनन सिंह
गांव जौड़ा छितरां तहसील जिला गुरदासपुर।
(अन्तरक)
2. श्री हरभजन सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह वासी गांव जौड़ा
छितरां तहसील व जिला गुरदासपुर।
(अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 50 कनाल 19 सरले जो गांव जौड़ा छितरां गुरदासपुर
जैसा मेल डीज नं० 3998/23/9/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
गुरदासपुर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह, आई०आर०एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-5-83

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं० ए०एस०आर०/83/84/30—यतः मुझे हरदयाल सिंह आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक भूमि का प्लॉट है तथा जो राधा स्वामी रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रभा देवी विधवा हीरा लाल वासी मेहर एपार्टमेंट रोड बबड द्वारा जनरल अटोरनी आर० ए० बोगा पुत्र ए०द० बोगा जी० टी० रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री प्रताप सिंह पुत्र कल्याण सिंह वासी तरन तारन जिला अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो राधा स्वामी रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीज नं० 10750/30-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी में दर्ज है।

हरदयाल सिंह आई०आर०एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 10-5-83
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर० 83-84/31—यतः मुझे

हरदयाल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटड़ा मोती राम अमृतसर स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय कुमार पुत्र पिशोरी लाल कटड़ा मोती राम अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री बनारसी दास चांपड़ा पुत्र चूनी लाल चांपड़ा 128 कटड़ा मोती राम, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो कटड़ा मोती राम अंदर हाथी गेट अमृतसर में है जैसा मेन डीड नं० 9924/20-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह, आई० आर० एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 9-5-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

निदेश सं० ए० एन० आर० 83-84/32—यतः मुझे,
हरदयाल सिंह आई आर एम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक जयदाद है तथा जो कटड़ा मोती राम
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नंद किशोर पुत्र पिशोरी लाल कटड़ा
मोती राम अमृतसर
(अन्तरक)
- (2) श्री बनारसी दास चोपड़ा पुत्र चूनी लाल चोपड़ा
वासी 128 कटड़ा मोती राम अमृतसर
(अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

एक जयदाद जो कटड़ा मोती राम अंदर हाथी गेट
सेल डीड नं० 9922/20-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर अधिकारी में दर्ज है ।

हरदयाल सिंह, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 9-5-82
माहूर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

सं० ए० एस० आर०/83-84/33-यतः मुझे

हरदयाल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जयदाद है तथा जो कटड़ा मोती राम अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राम पियारी विधवा पिशौरी लाल कटड़ा मोती राम अमृतसर

(अन्तरक)

(2) बनारसी दास चोपड़ा पुत्र चूनी लाल चोपड़ा वासी 128 कटड़ा मोती राम अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई और

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किंवा अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जयदाद जो कटड़ा मोती राम अमृतसर हाथी गेट अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9923/20-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिलारी अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह, आई० आर० एस

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-5-83

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

निर्देश सं० ए० एम० आर०/83-84/34—यन: मुसे
हरदयाल सिंह आई० आर० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट जो सरकुलर रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राधे शाम खाना पुत्र अमोलक राम खाना
35 रेस 'कोर्स' रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुनील धवन पुत्र बालकिशन धवन 12
दसोधा सिंह रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक जायदाद जो सरकुलर रोड अमृतसर में है जैसा सेन
डीड नं० 10276/ 24-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9 मई 1983
मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/35—यतः मुझे,
हरदयाल सिंह, आई आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो सरकुलर
रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुरूप
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

22—116GI/83

(1) राधे शाम खाना पुत्र अमोलक राम खाना
35 रेस कोर्स रोड अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कपिल धवन पुत्र बालकिशन धवन 12
दसोंधा सिंह रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो सरकुलर रोड अमृतसर में है जैसा
सेल डीड नं० 10416 / 27-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निवेश सं० III-727/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी० एस० नं० 343 जमाखन्दी 122/
358, वार्ड नं० 30, हौ० नं० 405, 836 वर्तमान 472 है,
तथा जो मोहल्ला गन्नी पुर शहर, मुजफ्फरपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्वविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
स्वविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शिव शंकर सिंह पिता श्री ए० एम० सिंह,
मोहल्ला गन्नीपुर, पोस्ट गन्नीपुर
नीम चौक के समीप,
शहर और जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री संजीवा नन्द ठाकुर,
पिता श्री श्यामा नन्द ठाकुर,
ग्राम बलुआडीह पोस्ट और थाना पलासी,
जिला पूर्णिया वर्तमान पता
मोहल्ला गन्नीपुर, पोस्ट गन्नीपुर, नीम चौक के समीप,
शहर और जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 13 धुर जो मोहल्ला गन्नीपुर,
थाना और पोस्ट गन्नीपुर शहर मुजफ्फरपुर में स्थित है तथा
जो पूर्ण रूप से बसिका संख्या 15868 दिनांक 3-9-1982 में वर्णित
है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी
मुजफ्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पटना, बिहार

तारीख : 16-5-1983

मोहर :

प्रमुख भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III/741/अर्जन/83-84—अतः मुझे,

प्रबोध कुमार दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भोजा धनबाद सं० 51, होलिङ्ग संख्या
215/203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरा
रोड पर जिला धनबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, धनबादमें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री पूरन लाल बी० चावड़ा वल्द
स्व० बी० जी० चावड़ा,
मैनेजिंग टस्टी, वास्ते
बाला भाई विद्योतोन्नतः मण्डल
निवासी कतरास रोड,
जिला धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार सिंह वल्द
श्री राम बहादुर सिंह,
द्वारा ऊषा टाकिज,
'पोस्ट झरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 6 कट्ठा 11 छटाक
है तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक कतरास रोड पर जिला
धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या 10722
दिनांक 14-9-1982 में वर्णित है और जिला अवर निबंधक
पञ्चाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-5-1983

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-747/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध

कुमार दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० प्लॉट संख्या 855, खाता संख्या 21 है, तथा जो बरियातु, थाना जिला रांची में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तु है—

- (1) 1. श्री अलिश चन्द्र सिन्हा
2. श्री अधीश चन्द्र सिन्हा,
3. श्री विकास चन्द्र सिन्हा,
सभी निवासी 59-ए,
बी० टी० रोड, कलकत्ता-2 ।

(अन्तरक)

- (2) श्री लाल धरेन्द्र नाथ सहदेव,
निवासी खूँटी,
पोस्ट/जिला रांची ।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिर्फ जमीन जिसका रकबा 23 कट्ठा 12 छटांक है तथा जो बरियातु, थाना/जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या I-8244 दिनांक 18-9-1982 में वर्णित है और जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार आफ एसोरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

प्रबोध कुमार दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार पटना

तारीख : 16-5-1983

मोहर :

प्रारूप आर्डर टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-744/अर्जन/83-84--अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं० 51, होल्डिंग सं० 215/
203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड, पर
जिला धनबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमा करने या उससे बचने के सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री पूरन लाल बी० चावड़ा वल्ल
स्व० बी० जी० चावड़ा,
मैनेजिंग टस्ट्री, वास्ते
घाला भाई विद्योत्तोजक मंडल,
निवासी कतरास रोड,
जिला धनबाद ।
(अन्तरक)
- (2) श्री संजय सिंह वल्ल
श्री राम बहादुर सिंह,
द्वारा ऊषा टाकिज,
पोस्ट क्षरिया, जिला धनबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

जमीन मय मकान रकबा 6 कट्ठा 11 छटांक तथा
जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड पर, जिला धनबाद
में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या 10719 दिनांक
14-9-82 में वर्णित है और जिला और निबंधक पदाधिकारी,
धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 16-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-743/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध

कुमार दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं०-51, होल्डिंग सं० 215/203 है, तथा जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर, जिला-धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथि नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पूरन लाल भी० चावड़ा वत्स
स्व० भी० जी० चावड़ा,
मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते
बाला भाई विद्योत्तेजग मंडल,
निवासी कतरास रोड,
जिला धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह वत्स
श्री राम बहादुर सिंह,
द्वारा ऊषा टांकीज,
पोस्ट सरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 6 कट्ठा 11 छटांग है तथा जो बैंक मोर के नजदीक कतरास रोड पर, जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका सं० 10720 दिनांक 14-9-1982 में वर्णित है और जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 16-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-739/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मीजा धनबाद सं० 51, होलिंग सं०
215/203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड
पर, जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक 19.5 है किन्तु आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उसमें कटने में मृत्ति के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया गया चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उ धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पूरन लाल भी० चावड़ा बल्द
स्व० भी० जी० चावड़ा,
मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते
घाला भाई विद्योत्तोजक मंडल,
निवासी कतरास रोड,
जिला धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री माधो सिंह बल्द
श्री राम बहादुर सिंह,
द्वारा ऊषा टाकीज,
पोस्ट झरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 6 कट्ठा 11 छटांक
है तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक कतरास रोड पर जिला
धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 10724
दिनांक 14-9-82 में वर्णित है और जिला अवर निबंधक
पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना बिहार

तारीख : 16-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-742/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध

कुमार दूवे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं० 51, होल्डिंग सं० 215/
203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड पर,
जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 14-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पूरन लाल भी० चावड़ा वल्द
स्व० भी० जी० चावड़ा,
मैनेजिंग ट्रस्टी वास्ते
घाला भाई विद्योत्तेजक मंडल,
निवासी कतरास रोड
जिला धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्ती देवी जौजे
श्री राम बहादुर सिंह,
द्वारा ऊषा टाकीज,
पोस्ट भरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन मय प्रकान जिसका रकबा 6 कट्ठा 11 छटाक
है तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड पर जिला
धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 10721
दिनांक 14-9-82 में वर्णित है और जिना अब निबंधक
पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूवे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 16-5-1983

मोहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-746/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० प्लॉट संख्या 845, खाता संख्या
21 है, तथा जो बरियातु, थाना/जिला रांची में स्थित है (और
इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18
सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23 —116GI/83

- (1) श्री अतिश चन्द्र सिन्हा,
2. श्री अधीश चन्द्र सिन्हा,
3. श्री विकास चन्द्र सिन्हा,
सभी निवासी 59 ए,
बी० टी० रोड, कलकत्ता-2।

(अन्तरक)

- (2) श्री लाल पुष्पेन्द्र नाथ सहदेव,
निवासी खूटी,
पोस्ट/जिला रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिर्फ जमीन जिसका रकबा 23 कट्ठा 7 कछांक है
तथा जो बरियातु, थाना/जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण
रूप से बसिका संख्या I-8243 दिनांक 18-9-1982
में वर्णित है और जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार आफ एसोरेस
के द्वारा सम्पन्न हुआ।

प्रबोध कुमार दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 16-5-1983

मोहर :

प्रकरण नम्बर. टी. एन. एस. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-748/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० प्लॉट संख्या 855 खाता संख्या
21 है, तथा जो बरियातु, थाना/जिला रांची में स्थित है
(और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री अलिश चन्द्र सिन्हा,
2. श्री अधीश चन्द्र सिन्हा,
3. श्री विकास चन्द्र सिन्हा,
सभी निवासी 59 ए,
बी० टी० रोड, कलकत्ता-2।

(अन्तरक)

(2) श्री उदय नारायण सिंह,
निवासी अरुआ, हरिहरगंज,
जिला पलामू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिर्फ जमीन जिसका रकबा 25 कट्ठा 11 छटांक है
तथा जो बरियातु, थाना/जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप
से बसिका संख्या I-8245 दिनांक 19-9-1982 में वर्णित
है और जिसका निबंधन सब-रजिस्ट्रार आफ एंज्योरेंस, कलकत्ता के
द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 16-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-740/अर्जन/83-84--अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं० 51, होलिडिंग संख्या 215/
203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड पर,
जिला धनबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य संपत्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री पूरन लाल भी० चावड़ा वल्द
स्व० भी० जी० चावड़ा,
सैनेजिंग ट्रस्टी वास्ते
घाला भाई विद्योजत्तोक मंडल,
निवासी कतरास रोड,
जिला धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री माधवेन्द्र सिंह वल्द
श्री जंग बहादुर सिंह,
द्वारा ऊषा टाकीज,
पोस्ट-अरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 6 कट्ठा 11 छटांक
है तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक कतरास रोड पर, जिला
धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या 10723 दिनांक
14-9-1982 में वर्णित है और जिला अवर निबंधक पदा-
धिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 16-5-1983

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन. रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-745/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा धनबाद, सं० 51, होल्डिंग संख्या
215/203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड
पर, जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मातहत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय-या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुरन पलाल भी० चावड़ा वल्द
स्व० भी० जी० चावड़ा,
मैनेजिंग ट्रस्टी वास्ते,
घाला भाई विद्योत्तोजक मंडल,
निवासी कतरास रोड जिला
जिला धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री साधो सिंह वल्द
श्री राम बहादुर सिंह,
द्वारा ऊषा टाकीज,
पोस्ट भरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाई करना करती है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अवसूची

जमीन मय जिसका रकबा 6 कट्ठा 11 छटाक है तथा
जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड पर, जिला धनबाद
में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका सं० 10718 दिनांक
14-9-1982 में वर्णित है और जिला अवरो निबंधक पदा-
धिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 16-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० एम० 803/82/एक्यू०/मंसूरी— अतः
मुझे, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कुआनवाला, वेहरादून में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-9-82
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुल्कराज बत्ता एवं पुत्रगण
चन्द्र भूषण बत्ता व
भारत भूषण बत्ता;
निवासी निरंजन पुर
जिला देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) मै० शकुन्त सोलवेन्ट्स एण्ड
केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
डी० 1/11
अशोक विहार-II
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम कुआन वाला जिला देहरादून ।

विवेक बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-5-1983

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th May, 1983

No. A. 11016/1/83-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period for which promoted
	S/Shri	
1.	Raj Kumar	1-5-83 to 25-5-83
2.	Gurdass	7-5-83 to 31-5-83
3.	D.P. Arora	6-4-83 to 31-5-83
4.	Bhagwati Charan	26-3-83 to 27-5-83
5.	Shri S. K. Bansal	1-5-83 to 28-5-83

No. A. 11016/1/83-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	Krishan Kumar	1-5-83 to 25-5-83
2.	N. M. L. Bhatnagar	26-5-83 to 4-4-83 and 6-4-83 to 31-5-83
3.	K. P. Iyer	18-4-83 to 31-5-83

The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of D. O. P. & A.R.O. M. No. 12-1/74-CS I dated 11th December, 1975.

Y.R. Gandhi, Under Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th May 1983

No. N/2/70/Ad. V.—The services of Shri N. L. Ramathan, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Tamil Nadu Police on repatriation, were placed at the disposal of Govt. of Tamil Nadu with effect from 30th April, 1983 forenoon.

No. A/19036/6/83/Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment hereby appoints Shri S. Somasekharan Nair, Inspector of Police, Kerala State Police as officiating Dy. Superintendent of Police in C.B.I./SPE on deputation with effect from 30th April, 1983 forenoon, and until further orders.

No. A-20024/2/83-Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Mahendra Pratap Singh as Assistant Public Prosecutor, C.B.I. with effect from forenoon of 30th April, 1983

CENTRAL FORENSIC SERVICE LABORATORY

The 28th May 1983

No. 1-27/81-CFSL4517—In continuation of notification No. 1-27/81-CFSL dated 22nd Sept. 1982, the President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahori, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Lab., C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. II), (Lie-Detector) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi w.e.f. 19-2-83 (Forenoon) on ad-hoc basis for a further period upto 30-6-83 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL
Admn. Officer (c)
Central Bureau of Investigation

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 6th May 1983

No.2/7/81-I-ST.—In partial modification of Department of Personnel & Administrative Reforms (Ministry of Home Affairs), New Delhi's Notification No. 13019/9/81-Trg. II dated the 17th March, 1982 Smt. Manjulika Singh, Hindi Instructor in the I.B.S National Academy of Administration, Mussoorie assumed the charge of the post of Assistant Professor of Hindi the I.B.S National Academy of Administration, Mussoorie in the forenoon of 1st January, 1982.

A. K. DAS
Dy. Director.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the 21st May 1983

No. D-I-17/81-Estt-I.—Consequent on his appointment on deputation to ITDC as General Manager (Vigilance), Shri S. P. Singh Commandant Asst. Director (Training) II, Dte. Genl. CRPF, relinquished the charge of the post of AD (Trg) II on the afternoon of 26-4-1983.

A. K. SURI
Asstt. Dir. (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 25th May, 1983

No. 10/29/80-Ad. I—The President is pleased to appoint, on deputation, the undermentioned officials as Assistant Director (Data Processing) in the offices as mentioned against their names on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 31st August, 1983 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name of the officials	Office in which working	Prescribed headquarters
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	O.P. Ahuja	RGI, New Delhi	New Delhi
2.	S.R. Garg	RGI, New Delhi	New Delhi
3.	K.B. Rohtagi	RGI, New Delhi	New Delhi
4.	P.N. Baweja	RGI, New Delhi	New Delhi
5.	R.N. Pongurlekar	DCO, Maharashtra	Bombay
6.	A.V. Vallinathan	DCO, Tamil Nadu	Madras
7.	G.D. Aggarwal	DCO, Rajasthan	Jaipur
8.	G.C. Mishra	DCO, Bihar	Patna
9.	M.M.A. Beg	DCO, Uttar Pradesh	Lucknow
10.	B.K. Patel	DCO, Gujarat	Ahmedabad
11.	A.G. Oak	DCO, Madhya Pradesh	Bhopal
12.	R.Y. Revashetti	DCO, Karnataka	Bangalore
13.	L.C. Sharma	RGI, New Delhi	New Delhi
14.	N. K. Bhatnagar	RGI, New Delhi	New Delhi
15.	K.B. Lakhan Pal	DCO, U.T. Chandigarh	Chandigarh
16.	N. K. Purohit	DCO, Rajasthan	Jaipur
17.	Ch. P.C. Rao	DCO, Andhra Pradesh	Hyderabad
18.	K. K. Sharma	DCO, Andhra Pradesh	Hyderabad
19.	D. P. Chatterjee	DCO, West Bengal	Calcutta
20.	S. Jayashanker	DCO, Kerala	Trivandrum

1	2	3	4
21. A.S. Dhillon	DCO, Gujarat	Ahmedabad	
22. P. K. Rout	DCO, Orissa	Bhubaneswar	
23. J. Thomas Machado	DCO, Maharashtra	Bombay	

The 25th May 1983

No. 11/11/82-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri M. Vidya Sagar, Investigator (Social Studies) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal on *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 30th April, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Vidyasagar will be at Bhopal.

P. PADMANABHA
Registrar General.

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 25rd May 1983

No. 8 F. C. 2 (32)-A/82.—Consequent on his transfer from the Bureau of Public Enterprises, New Delhi, Shri Chaman Lal, Stenographer Grade 'B' of the CSSSS has been appointed as Stenographer Grade 'B' in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 610-1040 with effect from the forenoon of 11th May, 1983 and until further orders.

S. L. MATHUR
Under Secy

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA New Delhi, the 21st May 1983

No. CA. I/64-70.—On his attaining the age of superannuation Shri M. S. Rama Rao, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General-I, Karnataka, Bangalore has retired for service with effect from 31-3-1983 A.N.

M. A. SOMESWARA RAO
Joint Dir. (commission)

OFFICE OF THE D.A.C.R. ORDER

New Delhi-2, the 15th March 1983

O. O. No. Admn. II/PF-BU-265/1467.—In pursuance of Sub Rule (1) of Rules 5 of the C.C.S. (Temporary Service) Rules, 1965 a notice was issued terminating the services of Shri B. S. Minhas, Auditor, from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice was served on or as the case may be tendered to him. The notice was returned undelivered by the postal authorities on 30-12-1982 with the remarks "refused to receive and return to Delhi."

Now, therefore, taking the date of tendering the notice to the said Shri Minhas as 30-12-1982, the undersigned hereby terminates the services of Shri B. S. Minhas with effect from 29-1-1983 (A.N.) on the expiry of period of one month from 30-12-1982.

MRS. PARVEEN TRIPATHI
Joint Dir. of Audit (Admn. II)

Station : New Delhi
Date : 15-3-1983

Shri B. S. Minhas,
Ex-Auditor, Village Post Office Muradpur,
Naryal, Via Bulhouel, Distt. Hoshiarpur,
PUNJAB.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

The 30th May, 1983

No. AN/II/2606/83-I.—The undermentioned Accounts officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the dates shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to Pension Estt.	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	S/Shri			
1.	Om Prakash Kapoor P/254	Pt. Accounts Officer	31-10-82	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu
2.	M. R. Balasundaram (P/7)	Do.	31-1-83	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
3.	Vidya Sagar (P/336)	Do.	31-1-83	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
4.	Jaswant Singh (P/195)	Do.	31-1-83	Do.
5.	S. D. Sharma (P/147)	Do.	31-1-83	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dhradun
6.	P. K. Nrayanaswamy(P/157)	Do.	31-1-83	Controller of Defence Accounts (Officers) Pune
7.	T. S. Venkataraman (0/184)	Offg. Accounts Officer	31-1-83	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South Madras
8.	K. C. Dole(P/199)	Pt. Accounts Officer	31-1-83	Do.
9.	K. L. Sharma (0/83)	Offg. Accounts Officer	31-1-83	Controller of Defence Accounts (Headquarters) New Delhi
10.	K. V. Natarajan (0/82)	Offg. Accounts Officer	31-1-83	Controller of Accounts (Fys) Calcutta
11.	M. C. Sarbagga (P/328)	Pt. Accounts Officer	31-1-83	Do.
12.	K. V. Kathikeyan (P/13)	Do.	31-1-83	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay
13.	P. Annaji Rao (P/160)	Do.	28-2-83	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	S/Shri			
14. D. K. Mukherjee (0/394)		Offg. Accounts Officer	28-2-83	Controller of Accounts (Fys) Calcutta
15. R. Subramanian (P/163)		Pt. Accounts Officer	28-2-83	Do.
16. V. P. Bhagat (P/112)		Pt. Accounts Officer	28-2-83	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun
17. K. B. Lahiri (P/130)		Do.	28-2-83	Do.
18. R. L. Vohara (P/37)		Do.	31-3-83	Do.
19. R. P. Mehta (0/532)		Offg. Accounts Officer	31-3-83	Do.
20. Santokh Singh (P/47)		Pt. Accounts Officer	31-3-83	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad
21. G. Viswanathan (P/164)		Do.	31-3-83	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona
22. Nityananda Chakravarty (0/330)		Offg. Accounts Officer	31-3-83	Controller of Accounts (Fys) Calcutta
23. R. K. Sharma (0/79)		Do.	31-3-83	Controller of Defence Accounts (ORS) North, Meerut.
24. N. N. Gosain (0/702)		Offg. Accounts Officer	31-3-83	Controller of Defence Accounts (ORS) North, Meerut.
25. C. L. Chopra (0/400)		Do.	31-1-83	Controller of Defence Accounts, Western Command, Chandigarh.
26. Satya Dev Sharma (P/141)		Pt. Accounts Officer	28-2-83	Do.
27. V. S. Trikha (P/90)		Do.	28-2-83	Do.
28. S. P. Gautam (0/408)		Offg. Accounts Officer	31-3-83	Do.
29. K. R. Venkataramanan (0/64)		Do.	28-2-83	Controller of Defence Accounts (ORS) Central Nagpur.

"The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officer".

Sl. No:	Name with Roster No:	Grade	Date of death	Struck off strength	Organisation
1.	Shri Cherian Zachariah (0/78)	Offg. Accounts Officer	9-3-83	10-3-83(FN)	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay

A. K. GHOSH,
Dy. C.G.D.A. (Admin)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

CORRIGENDUM

Calcutta-16, the 25th May 1983

No. 1297/A/G.—The following amendment is made to O. F. Board Gazette Notification No. 47/G/81 dated 2-12-81 relating to the appointment of S/Shri O. P. Mehrotra and A. K. Dam, GM (SG)/DDGCF Level-II :—

FOR : 1st Nov. 1981

READ : 2nd Nov. 1981

No. 23/G/83.—The President is pleased to accept the resignation of Shri N. D. Joshi, Offg. DADGOF (Pmt, TSO/AM) from I.O.F.S. with effect from 17th January, 1982 (F.N.), i.e. the date his permanent absorption at Uttar Pradesh Development Systems Corporation Limited, Lucknow.

V. K. MEHTA
Directors/Esst.

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE
SERVICE AND LABOUR INSTITUTION

Bombay-400 022, the 14th May 1983

No. 5/3/83-Esst.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint the undermentioned officers in the grade of Additional Inspector Dock Safety now redesignated as Additional Assistant

Director (Dock Safety) in the Directorate General Factory Advice Service and Labour Institutes in a substantive capacity with effect from the date mentioned against their names :

Shri A. C. Kar w.e.f. 17-12-1981

Shri K. Narasimhan w.e.f. 31-12-1981

DR. S. S. RAMASWAMY
Director General

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF

IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 21st May 1983

IMPORTS & EXPORTS CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1062/74-ADMN(G).—On attaining the age of superannuation, Shri K. L. Dube, Junior Analyst in this office has been permitted to retire from Government Service with effect from the afternoon of the 30th April, 1983.

The 23rd May 1983

No. 6/1385/82-admn.(G)/3927.—Shri V. K. Bhatia, permanent Grade IV officer of the CSS and an officiating Controller of Imports and Exports in this office expired on 21-4-1983.

V. K. MEHTA
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Chief-Controller of Imports & Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSION
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 30th May 1983

No. 12(447)/64-Admn.(G).—The President is pleased to allow Shri N. S. Nayar, Deputy Director (JMT) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi to retire voluntarily from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1983 in terms of FR 56 (K).

C. C. ROY.
Dy. Dir. (Admn.)DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 21st May 1983

No. A-6/247(514).—Shri R. Sampath, permanent Assistant Inspecting Officer (Met) in the Office of Director of Inspection, Bombay retired voluntarily from Government service on the afternoon of 7th May, 1983 in terms of Rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

The 24th May 1983

No. A-6/247 (428).—The President is pleased to appoint Shri B. L. Rai, Asstt. Inspecting Officer (Met-Chem) in the office of Director of Inspection, Burnpur as Assistant Director of Inspector (Mt-Chem) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Met-Chem Branch) on ad-hoc basis in the office of Deputy Director of Inspection (Met), Durgapur under Burnpur Inspectorate with effect from the forenoon of 28th April, 1983.

Shri Rai relinquished the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) at Burnpur on 27-4-83 (A.N.) and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met-Chem) at Durgapur on the forenoon of 28-4-1983.

S. L. KAPPOR
Dy. Dir. (Admn.)ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 23rd May 1983

No. 4679-B/A-19012 (4-JSB)/82-19D.—Shri Jasbir Singh Bawa, S.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 23rd March, 1983, until further orders.

The 27th May 1983

No. 4792-B/A-19012 (KPG)/82/19A.—Shri K. P. Gautam is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5-5-83 until further orders.

S. K. MUKERJEE
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd May 1983

No. A-19011 (110)/75-Estt.A.—It is informed with profound sorrow that Shri A. P. Deuskar, Deputy Mineral Economist (Int.) expired on the forenoon of 15th March, 1983 due to road accident. His name has been struck off the strength of the Indian Bureau of Mines.

24—116GI/83

No. A-19012 (161)/82-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. Nagaraja, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in this department in Group 'B' post w.e.f. the afternoon of 29-4-83 until further orders.

No. A-19012 (171)/83-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shrinat M. N. Gaikwad, Officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing), Indian Bureau of Mines, has been promoted to officiate in the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing), in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 29th April, 1983.

No. A-19012 (167)/83-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. Krishnamurthy, Permanent Senior Technical Assistant (M. Engg.) (S.G.), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Engineer in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 27-4-1983, until further orders.

No. A-19012 (170)/83-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Y. K. Shami, Officiating Senior Technical Assistant (O.D.), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing), in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 29th April, 1983.

The 28th May 1983

No. A-19012 (162)/82-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. S. Kar-kare, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in this department in Group 'B' post w.e.f. the afternoon, of 29-4-83 until further orders.

B. C. MISHRA
Head of Office
Indian Bureau of Mines.

SURVEY OF INDIA

Dehradun-248001, the 23rd May 1983

No. C-5954/718-A.—The ad-hoc appointment of Shri A.B. Sarkar as Establishment and Accounts Officer in No. 102 (PLO) Printing Group (EC), Calcutta, notified vide this office Notification No. C-5928/718-A dated the 19th March, 1983, is extended for further period from 15-2-83 to 1-4-83 vice Shri G. C. Audy, Establishment and Accounts Officer extended his leave.

No. C-5955/718. A.—Shri R. N. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) on *ad hoc* basis in North Western Circle Office, Survey of India Chandigarh in the Scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-3-83 (AN).

No. C-5956/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad hoc* provisional basis :—

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
1.	Shri Yogeshwar Dayal, Surveyor Sel. Gd.	No. 47 Party (STI) Hyderabad	27-1-83 (FN)
2.	Shri Hira Mani, Surveyor Sel. Gd.	No. 44 Party (CC) Indore	21-2-83 (FN)

G. C. AGARWAL,
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

ALL INDIA RADIO
Mangalore-575004, the 25th May 1983
NOTICE OF TERMINATION OF SERVICE ISSUED
UNDER RULE 5(1) OF CENTRAL CIVIL SERVICES
(TEMPORARY SERVICE) RULES, 1965

Mangalore-575004, the 25th May 1983
No. MAN-21 (155)/83-S/7110.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5, of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1965, I. S. R. PAVANA MURTHY, Station Engineer, All India Radio, Mangalore, hereby give notice to Sri K. Aboobakar, Technician, All India Radio, Mangalore (Brahmavar) that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published in the Gazette of India.

S. R. PAVANA MURTHY
Station Engineer,
All India Radio.

Sri K. Aboobakar,
Rahmaniya House,
Door No. 184,
Bengare Casba,
Mangalore-575001.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603 102, the 25th May 1983

No. MAPP/9(1)/82-Rectt.—Consequent on his selection for appointment as Assistant Personnel Officer, Shri R. Thandavakrishnan, a permanent Selection Grade Clerk in the Madras Atomic Power Project, Kalpakkam is appointed as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity with effect from the afternoon of April 30, 1983.

T. RAMANUJAM,
Administrative Officer
for Project Director.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 24th May 1983

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri O. Bharathan, a permanent Senior Stenographer, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of May 2, 1983 until further orders, *vice* Shri P. O. Karunakaran, Assistant Personnel Officer deputed for training.

T. D. GHADGE,
Sr. Administrative & Accounts Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 30th May 1983

No. NAPP/Adm./1(167)/83-S/5716.—Consequent upon the expiry of his deputation terms, Shri M. M. Sharma, Section Officer (Accounts), in the office of the Controller General of Defence Accounts on deputation as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project, relinquished charge of his post on reversion to his parent department in the forenoon of May 16, 1983.

R. K. BALI,
Administrative Officer-III

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane, the 20th May 1983

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri D. Surendran, a permanent Junior Stenographer and officiating Senior Stenographer in Atomic Minerals Division to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35-

880-EB-40-960) in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of May 10, 1983, until further orders.

D. V. MARKALE,
Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 13th May 1983

No. RRC/A 32023/1/77-R/7126.—In continuation of this Research Centre's Notification of even no. dated 25-1-83, the Director, Reactor Research Centre has extended the period of officiating promotion of Shri Vadivel Vembian, a permanent Upper Division Clerk of Madras Atomic Power Project and officiating Selection Grade Clerk of Reactor Research Centre, on ad-hoc basis as Assistant Administrative Officer in the same Centre with effect from 13-2-83 to 28-4-83.

S. VENKATARAMAN
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 31st May, 1983

No. A. 38019/II/83-E.I. The undermentioned officers of India, Meteorological Department have retired from the Government service on the dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation :—

S. Name No.	Designation	Date on which officers retired
S/Shri		
1. T.V. Vardarajan	Assistant Meteorologist	31-3-83
2. H. L. Chakraborty	Do.	Do.
3. A. K. Das	Do.	Do.
4. P.S. Nayar	Do.	Do.
5. K. Sundaram (On expiry of extension of service)	Do.	Do.
6. Ishar Das	Do.	Do.
7. N. Krishnamurthy	Do.	30-4-83
8. R.K. Das	Do.	Do.
9. K. Thanikachalam	Do.	Do.

K. MUKHERJEE,
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 30th May 1983

No. 1/101/83-Estt.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. P. Rai, Sub-Inspector, Central Reserve Police Force, as Security Officer, in an officiating capacity, in Headquarters office, Bombay, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 30th March, 1983 and until further orders.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
For Director General

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION**

New Delhi, the 23rd May 1983

No. A.32014/7/82-EC(.).—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned Assistant Technical Officers for a further period upto 30-6-1983 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

Sl. No. Name

S/Shri

1. H. R. Kundra.
2. M. C. Dey Bhownick.
3. B. K. Bhasin.

Sl. No.	Name
	S/Shri
4.	S. Ramaswamy.
5.	S. N. Sen Gupta.
6.	A. C. Dutta.
7.	M. N. Dhasmana.
8.	H. N. Adhikari.
9.	S. N. Iyengar.
10.	R. S. Randhava.
11.	V. C. Kulshrestha.
12.	Biswanath Dutta.
13.	Haripada Ghosh.
14.	Jog Dhan Rastogi.
15.	P. T. Gujrati.
16.	K. K. Sandilya.
17.	S. S. Kang.
18.	H. S. Dua.
19.	Karan Sagar Debnath.
20.	M. V. Nambiar.
21.	Yogesh Kumar Kaushik.
22.	Gopal Misra.
23.	Ram Saran Singh Lota.
24.	K. K. Gandotra.
25.	K. L. Bhatia.
26.	M. K. Gupta.
27.	K. M. Suryanarayanan.
28.	K. Vankataraman.
29.	A. M. Gupta.
30.	Nag Narain Singh.
31.	A. N. Paranjpe.
32.	M. M. Chakravorty.
33.	M. S. Chauhan.
34.	Ramnath.
35.	D. S. Jagirdar.
36.	Jagjit Singh.
37.	B. S. Khuman.
38.	K. C. Goswamy.
39.	P. K. Kakaria.
40.	Amalendu Dutta.
41.	D. K. Taneja.
42.	H. C. Sachdeva.
43.	Harkishan Singh Bhatia.
44.	M. K. Narasimha Iyengar.
45.	M. A. S. Prakash Rao.
46.	A. N. Bhatia.
47.	Mohd. Manzoor Ali.
48.	S. P. Dhall.
49.	G. D. Dubey.
50.	S. N. Gupta.
51.	K. K. Namboodri.
52.	Harbhajan Singh.
53.	T. S. Dhunna.
54.	Roop Narain Mehta.
55.	P. K. Sarkar.
56.	G. N. Saha.
57.	K. K. Saxena.
58.	B. D. Bengali.
59.	N. Jayaraman.
60.	P. S. Sangara.
61.	Bishambar Lal.
62.	A. K. Abhaynkar.
63.	Arbinder Singh.
64.	M. K. Pardeshi.
65.	Joginder Pal Singh.
66.	M. L. Saini.
67.	N. D. Kapoor.
68.	L. R. Sachdeva.
69.	J. R. Sethi.
70.	K. V. G. Rao.
71.	Lakshman Ram.
72.	P. M. Gupta.
73.	C. S. Prasad.
74.	Prithpal Singh Jolly.
75.	Beant Singh.
76.	J. S. Dhillon.
77.	K. K. Bhanot.
78.	K. C. Varma.
79.	V. V. Krishnamoorthy.
80.	M. D. Bhor.
81.	K. K. Srimall.
82.	S. C. Gopinath.
83.	S. V. Pillai.
84.	P. S. Sekhan.
85.	V. R. K. Sharma.

Sl. No.	Name
86.	M. C. Sharma.
87.	V. S. Nanda.
88.	C. J. Udeshi.
89.	S. C. Dutta.
90.	S. R. Kalia.
91.	K. S. Tanwar.
92.	E. K. V. Babu.
93.	N. Venkataraman.
94.	T. K. Ghoshal.
95.	Bhoj Raj.
96.	K. L. Bajaj.
97.	Jagan Singh.
98.	P. Kishan.
99.	M. S. Warriar.
100.	S. V. Suba Rao.
101.	K. Anjaneyalu.
102.	M. Puran Chandra Rao.
103.	S. Krishnan.
104.	Ramesh Chandra.
105.	U. K. Yadav.
106.	Mrinmoy Mallick.
107.	P. Vishwanathan.
108.	B. S. Jujha.
109.	A. Srinivasan.
110.	P. K. K. Nair.
111.	C. K. De.
112.	T. S. Nair.
113.	V. Srinivasan.
114.	S. D. Kulkarni.
115.	Onkar Singh.
116.	D. L. N. Murthy.
117.	P. V. Rao.
118.	O. P. Khurana.
119.	M. S. Motwani
120.	A. S. Dolke.
121.	A. B. Sengupta.
122.	D. K. Gupta.
123.	Avinash Chander.
124.	K. P. George.
125.	J. S. Saib.
126.	R. K. Verma.
127.	A. V. Kulkarni.
128.	N. Tulsi Raman.
129.	A. S. Kaler.
130.	Swaran Singh.
131.	H. S. Dhaliwal.
132.	J. K. Nath.
133.	C. M. Gairola.
134.	R. K. Deshpande.
135.	R. O. Regual.
136.	S. K. N. Pillai.
137.	M. T. Rajani.
138.	A. K. Narang.
139.	K. B. Barve.

O. P. AGGARWAL,
Assistant Director of Admn.
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 12th May 1983

No. A.38013/1/83-EA.—Shri M. N. K. Menon, Senior Aerodrome Officer office of the R. D. Madras retired from Government Services on the 30-4-1983 on attaining the age of superannuation.

The 25th May 1983

No. A.32014/2/82-EC(Vol.III).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri P. S. Bagde, Communication Assistant, in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1200 for a period of six months w.e.f. 10th December, 1982 (FN) and to post him at ACS, Bangalore.

O. P. AGGARWAL
Assistant Director of Admn.

New Delhi, the 23rd May 1983

No. A.32014/3/83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad-hoc appointment of Shri D. S. Dhurve, Store Assistant, to the post of Store Officer (Group 'B' Post) for a further period upto 9-7-1983 or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions.

J. C. GARG
Assistant Director of Administration

**DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 21st May 1983

No. 12/83.—Shri Y. L. Malik, lately posted as Assistant Collector, Central Excise in the Delhi Collectorate, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue Order No. 73/83 (F. No. A-22012/23/83-Ad.II) dated 26-4-83 assumed charge of the post of Assistant Director (Customs and Central Excise) Group 'A' w.e.f. 2-5-1983 (Forenoon).

No. 13/83.—Shri K. S. Chawla, lately posted as Inspecting Officer in the Directorate of Preventive Operations, Delhi assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, New Delhi w.e.f. 30-4-83 (Afternoon) vide Directorate's letter C. No. 1041/50/82 dated 27-4-1983.

No. 14/83.—Shri S. C. Sibal, lately posted as Superintendent, Central Excise Group 'B' in the Directorate of Training, New Delhi, assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Headquarters office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise, New Delhi w.e.f. 2-5-1983 (FN) vide Directorate's letter C. No. 1041/50/82 dated 27-4-83.

The 24th May 1983

No. 15/83.—Shri M. L. Beri, lately posted as Assistant Narcotics Commissioner on transfer to the Delhi Bench of the Appellate Tribunal, Customs, Excise and Gold (Control) vide Department of Revenue Order No. 207/82 (F. No. A-32012/8/80-Ad.II) dated 6-12-1982 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative, Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi w.e.f. 9-5-83 (FN).

B. O. RASTOGI,
Director of Inspection

**CENTRAL WATER COMMISSION
New Delhi, the 31st May 1983**

No. 3(DA)/28/82-Adm. VI/Estt.VI.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service), Rules, 1965, I, R. B. Shah, Secretary, Central Water Commission hereby give notice to Shri Mohd. Asif, Design Assistant that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of publication of this notice in the Gazette of India.

R. B. SHAH
Secretary,
Central Water Commission.

New Delhi, the 25th May 1983

No. A-19012/1029/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Satish Kumar Arora, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 30th April, 1983.

The 27th May 1983

No. A-19012/910/81-Estt.V.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri S. C. Mishra officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer on ad-hoc basis in Central Water Commission on a regular basis in the same post and in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 1-3-1983 until further orders.

2. Shri S. C. Mishra will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

No. A-19012/1030/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Vinod Chandra Gupta, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 20-5-1983.

R. R. ARVIND,
Under Secy.,
Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Ernakulam, the 30th April 1983

No. 963/Lig/560(4)/R-2773.—Whereas, PIONEER CHIT FUND PRIVATE LTD., having its registered office at TRIVANDRUM is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that statement of account (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-Section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry to three months from the date of this notice the name of PIONEER CHIT FUND PRIVATE LIMITED will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

The 2nd May 1983

No. 427/Req./560(4)/R-2776/83.—Whereas, HAJEE V. M. SYED MOHAMMED RAWTHER AND SONS PRIVATE LTD. (in liquidation) having its registered office at Kanjirappally is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that statement of account (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry to three months from the date of this notice the name of HAJEE V. M. SYED MOHAMMED RAWTHER AND SONS PVT. LTD. (in Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

Sd./- ILIEGIBLE
Registrar of Companies,
Kerala.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. AKBAR NADIR TRAVELS PVT. LTD.

Bombay-400002, the 23rd May 1983

Notification No. 647/19969/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date herof the name of the M/s. AKBAR NADIR TRAVELS PVT. LTD., unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN,
Additional Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay-2.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s. SRI RAMALASHMANA MILLS PVT. LTD.

Madras, the 25th May 1983

No. DN/2496/560/81|2496|560|81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date herof the name of SRI RAMALAKSHMANA MILLS PVT. LTD., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. NEW INDIA TRADING COMPANY LTD.

Madras, the 25th May 1983

No. DN/1850/560/82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. NEW INDIA TRADING COMPANY LTD. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 4th May 1983

Ref. No. M-802/82/ACQ\MUSSOORIE.—Whereas, I, **BIBEK BANERJI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 14-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mulk Raj Batra & sons Chander Bhushan Batra
Bharat Bhushan Batra & Jagat Bhushan Batra
Resident of village Niranjanpur District
Dehradun.

(Transferor)

(2) M/s. Shakunt Papers Pvt. Ltd.,
D-1/11, Ashok Vihar-II,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kuanwala District
Dehradun.

BIBEK BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 4-5-1983

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 29th April 1983

C.R. No. 62/36317/82[83]Acq.B.—Whereas, I, **MANJU MADHAVAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New No. 2103 situated at Old Mand pet, Tumkur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur under document No. 3733/82-83 on 15-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati H. Vishalakshi,
W/o Sri T. S. Mallikarjunaiah,
Someswara Extension,
Tumkur.

(Transferor)

(2) Shri C. M. Shivananda
S/o Sri C. R. Marulappa,
Gandhinagar,
Tumkur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2733/-82-83, Dated 15-11-82).
All that property bearing old No. 2-1799, New No. 2103 situated at old Mandipet, Tumkur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Bangalore.

Date: 29-4-83.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C. R. No. 62/35957/82-83[ACQ]B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1561, situated at Bauashankani I stage, II Block, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basawanagudi under document No. 1843/82-83 on 1-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. Abhimanyu Rao
No. 1561, Banashankari I stage
II Block, Bangalore-50.

(Transferor)

- (2) Shri G. Harish Chandra &
Smt. G. Lakshmi.
No. 791, V Block,
Rajaji Nagar,
Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1843/82-83, Dated 16-9-1982)
All that property bearing No. 1561 situated at Banashankari I-stage, II Block, Bangalore-50.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 12-5-83.
Seal :

FORM IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 3rd May 1983

C. R. No. 62/36670/82-83[ACQ]B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 398 situated at West of Kanakapura road, Jayanagar VII Block, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 1644/82-83 on 2-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—116GI/83

(1) Shri K. S. Krishnappa
No. 124, Infantry road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimathi M. A. Vanitha
No. 296, East Circle road
V. V. Puram, Bangalore-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1644/82-83 Dated 2-9-82)
All that property bearing No. 398, situated at VII Block, West of Kanakapura road, Jayanagar Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 3-5-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 11th May 1983.

C. R. No. 62/35972/82-83[ACQ]B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 589, situated at 80 ft. road, II Block Rajajinagar
Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Rajajinagar under document No. 3345/82-83 on 13-9-82
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shrimathi M. L. Lalitha
59/1, 80 ft. road,
II Block, Rajajinagar,
Bangalore. (Transferor)
- (2) Shrimathi Afroze Fathima
46/1, Sri Ram mandir road,
Basavangudi
Bangalore-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2345/82-83 Dated 12-9-1982)
All that property bearing No. 589 situated at 80 ft. road,
II Block, Rajajinagar Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 11-5-83
Seal

FORM ITNS

(1) Shri M. A. Lathief & others No. 7, Malika
Manzil Kalasipalyan Extn., BG-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Syed Noor Mohd.
No. 5/2, Chinnaswamy
Mudaliar Road,
Taskar Town, Bangalore-51.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

C. R. No. 62/36097/82-83|ACQ|B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 3/15 situated at Dr. B. R. Ambedkar Road, Dn. No.
48, Civil Station, Bangalore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Shivajinagar and document No. 1879/82-83 on Sept., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1879/82-83, dated Sept. 82)
All that property bearing No. 3/15 situated at Dr. B. R.
Ambedkar road, Dn. No. 48, Civil Station, Bangalore.MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-83.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C. R. No. 6235932/82-83|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 108, 106/1, 106/4, 107/4 & 106/5, situated at Garagandoor Village, Somwarpet Taluk, Kodagu.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Somwarpet under document No. 663/82-83 on 22-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kadira Appaiah
S/o. Devalah,
Somwarpet Town,
Kodagu Distt.

(Transferor)

(2) Shri M. V. Moidu,
S/o Mohd Haji
Virajpet, Kodagu
Mrs. Neftsa W/o. Sri Ibrahim,
Sunticoppa, Kodagu,

(Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 663/82-83 dated 22-9-83).
All that property bearing Sy. No. 108, 106/7, 101/4, 106/6, 107/4 & 106/5 situated at Garagandoor Village Somwarpet Tq., Kodagu.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. S. Rajendra 2. Sri K. S. Jayanantha kumar
& 3. K. S. Nagendranath
R/o Kolar Town

(Transferors)

(2) Shri G. R. Lakshminarayanan
No. 394 C M H road, II stage,
Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/36072/82-83/ACQ/B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 253/A, situated at II stage, Indiranagar Bangalore 38
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Shivajinagar under document No. 1926/82-83 on 6-9-82
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1926/82-83 dated 6-9-82.
All that property bearing No. 253/A situated at II stage,
Indiranagar, Bangalore-38.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269B of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 2nd May 1983

C.R. No. 62/36063/82-83/Acq. B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/2 situated at Richmond Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1822/82-83 on 20-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sushila Mary Albuquerque,
G.P.A. Holder Mr. Louis Braganza
21/12, M. G. Road,
Bangalore 560 001.

(Transferors)

(2) Smt. Shaaj Hanecf,
3205, Arengate,
Lasker Mohalla,
Mysore-1.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1822/82-83 dated 20-9-82.
All that property bearing No. 23/2, situated at Richmond Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. Ganesh Rao & 2 Other
No. 63, G. No. 10th Street,
Ulsoor, Bangalore.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Ahmed Hussain
No. 14-15, Borebank road,
Benson Town, Bangalore-46.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 3rd May 1983

C.R. No. 62/36074/82-83/ACQ/B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Portion of No. 4 (Old No. 7) situated at Davis road,
Richards town, Bangalore-5,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Shivajinagar under document No. 1924/82-83 on Sept., 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1924/82-83 dated Sept. 82.
All that property bearing portion of No. 4 (old 7) situ-
ated at Davis road, Richards town, Bangalore-5.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 3-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 4th May 1983

C.R. No. 62/35930/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 394 situated at 9th Cross 1 Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 2045/82-83 on 16-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K.-Hucha Rao
C/o Sri B. Venkatachalaiah
Sooraj Trading Company
Geetha road, Robertsonpet,
K. G. F.—563 122.

(Transferors)

- (2) Shri K. H. Ramesh
394/73, 9th cross, I Block
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2045/82-83 dated 16-9-82).
All that property bearing No. 394 situated at 9th cross, I Block, Jayanagar, Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-5-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/36206/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Sy. Nost. 237, 238/2 & 238/1, situated at Badaga Banangala Village, Amathinand, South Kodagu. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet, under document No. 379/82-83 on 30-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—116GI/83

- (1) Shri Munuvanda Machaya Accawa,
W/o Late. M. D. Machaya,
Holawala Estate,
Polibelta, Kodagu.

(Transferees)

- (2) Shri Muruvenda M. Gauapathi,
S/o Late. M. D. Machaya,
Holawala Estate,
Polibetta, Kodagu.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 379/82-83 dated 30-9-82.

All that property bearing Sy. No. 237 of 5.87 acres, Sy. No. 238/2 of 4.68 acres & Sy. No. 238/1 of 8.11 acres situated at Badaga Banangala Village, Ammathi nad, South Kodagu.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-5-1983,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 12th May 1983 .

C.R. No. 62/35931/82-83/ACQ/B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 1679-A 1 (T.S. No. 13-2) situated at Kasaba Banjaara Village, Mangalore city.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore under document No. 428/82-83 on 23-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. Srinivas Rao
2. Sri Manmohan Rao
3. Sri B. Nagaraj Rao
4. Sri B. Srihari Rao
5. Sri B. Kishore Kumar, Ashoknagar
M'lore-575006.

(Transferees)

- (2) M/s. Central Arecanut Marketing & processing co-operative Ltd. Sahakari Mahal Bandar
M'lore-575001.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 428/82-83 dated 23-9-82.

All that property bearing R. S. No. 1679 A 1 (T.S. No. 13-2) situated at Kasaba Banjaara Village, M'lore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-5-1983.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/35954/82-83/ACQ/B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. old No. 3, New No. 58 situated at Kanakapura road, Basavanagudi, B'lore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagari, under document No. 1996/82-83 on 10-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Ananda Rao,
No. 58, Kanakapura road,
Basavanagadi,
B'lore-4.

(Transferees)

(2) Shri R. Ranganath,
S/o K. Ramalingam,
No. 70, H. B. Sanaja road,
Basavanagadi,
B'lore-4.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1966/82-83 dated 10-9-82.
All that portion of property bearing No. 58 & 58/1 situated at Kanakapura Road, Basalanagadi, B'lore-4.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, BangaloreDate : 12-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/36108/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 631, Block No. 39 situated at Harchalli Village, Vasana Hobli, Mysore Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at Mysore under Document No. 446/82-83 on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Venkatappa
S/o Mallappa
D. No. 1712, I Cross,
Chikkavokkaligari, Mandi Mohalla,
Mysore.

(Transferor)

(2) Rev. Father M. Gregon's
Ashoka Road,
Laskar Mohalla,
Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 446/82-83 Dated 30-9-82).
All that property bearing Sy. No. 631 situated at Harchalli Village, Vasana Hobli, Mysore Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/37552/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Sedpur S No. 440, 441/2, 414/12, 438/2 and 437 situated at Badaga Village, South Kodagu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara under document No. 21/82-83 on 13-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. M. Machiah
S/o Late Muddappa
Badaga Village, Kutta
S. Kodagu.

(Transferee)

(2) Shri B. M. Uthappa,
S/o Late Muddappa
Palpare Estate
Badya Village, Kutta,
S. Kodagu.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 21/82-83 Dated 13-9-1982]
All that property bearing Sy. No. 440, 441/2, 414/4, 438/2 and 437 situated at Badaga Village.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/36404/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. 71 (old 62) situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beenukuppe, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk - Bangalore South Taluk under document No. 3710/82-83 on 22-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thimmaiah,
Beemakuppe, Kengeri Hobli,
Bangalore South Taluk.

(Transferor)

- (2) Shri Ramnadas M. Kanat,
No. 25, Okalipuram,
Bangalore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3710/82-83 Dated 22-9-82]
All that property bearing Sy. No. 71 (old No. 62) situated at Beenukappa Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 4-5-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

C.R No. 62/56042/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 78/10 situated at III Cross, II Block, Jayanagar Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Under Documentt No. 1854/82-83 on 1-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) V. Gangamma,
W/o Late V. Appaiah alias Maddurappa
No. 78, III Cross, Kanakanapalya,
Bangalore.
(Transferor)
- (2) Shri M. Venkataswamy
S/o Late Muni Venkatappa
State Bank of Mysore,
Bangalore Branch,
Bangalore-9.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1854//82-83 Dated 1-9-1982]
All that property bearing No. 78/10 situated at III Cross, II Block Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd May 1983

CR. No. 62/36073/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 (old No. 7) situated at Davis Road, Richards Town, Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shiv inagar under document No. 1925/82-83 on Sept., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 265C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Ganesh Rao and 2 others,
No. 63, G. No. 10th Street,
Ulsoor, Bangalore-8.

(Transferors)

- (2) Smt. Saleema Mohammed Janu,
No. 22/1, Viviyani Road,
Richards Town,
Bangalore-5.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1925/82-83 Dated Sept. 1982]
All that property bearing No. 7, Old No. 7 situated at
Davis Road, Richards Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM ITNS- -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 183/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-1-104 situated at Padmarao Nagar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Narayan Rao Chugi, 6-1-104 Padmarao Nagar, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Shri M. Manik Rao & others, BHEL Ramachandrapuram, Hyderabad, (6-1-104 Padmarao Nagar, Secunderabad).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-1-104 Padmarao Nagar Secunderabad area 1400 sq. yards registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 6431/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-5-1983,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 184/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-7-436 situated at Azampura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Azampura in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Khursheed Begum & others, GPA Mohd. Hameeduddin Khan 16-7-436 Azampura, Hyderabad. (Transferor)
(2) Smt. Shobha Devi W/o Mahaveer Prasad and 2 others 21-1-311 Rikabgunj, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 16-7-436 area 1671 sq. yds. at Azampura, Hyderabad registered with Sub-Registrar Azampura vide Doc. No. 3022/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-5-1983,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. N. Monorama Devi & others, 3-6-493 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Patel Engineering Co. Ltd., Rep. By B. S. Reddy, 5-9-30/1/17 Bashirbagah, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 185/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-493, 493/A situated at Himayat Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House Property M. No. 3-6-493 and 493/A on a plot 900 sq. yards at Himayathnagar, Hyderabad registered with Sub registrar Chikadpally vide Doc. No. 921/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 186/83-84. —Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. Y. 174, 176 situated at Bollaram village, Narsapur Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsapur on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Smt. T. Chandramma, Sri T. Prabhakar Reddy, R/o Bollaram village, Narsapur, Taluk Medak Dt. (Transferor)
(2) M/s. Southern Formates Pvt. Ltd., H. No. 1-120, Tarnaka, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Agricultural land 10 Acres in survey No. 174, 176 at Bollaram village Narsapur taluk, Medak Dt. registered with S. R. O. Narsapur vide Doc. No. 1425/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 187/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Land situated at Allapur village, R. R. Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
R. R. Dt. on September 82,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Smt. Godavari Bai & other GPA Sri Prakash Darak,
Begumbazar, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) M/s. Hari Co-operative Housing Society Ltd., S.
Bhasakara Rao, Ashok Nagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 29 area 3 Acres 32 guntas at
Allapur village, Rajendranagar Taluk R. R. Dt registered with
Sub-Registrar R. R. Dt. vide Doc. No. 7009/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-5-1983.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri P. Laxmaiah S/o P. Venkaiah, C-30 A-11-541 (1-1-541) Bakaram, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Batla Krishnamurthy S/o Yadagiri, 1-1-385/31, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, HYDERABAD
Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 188/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Gandhinagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chakadpally in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Gandhinagar Hyderabad registered with Sub-Registrar Chikadpally total area 936 sq. yards vide Doc. No. 870/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 18-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) A. P. Industrial Infrastructure Corporation Ltd.
5-9-58/B, 6th floor Parisrama Bhavanam, Fathe-
maidan Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Paper Products, D-164, III Phase, I.D.A.
Jeedimetla, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 189/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Shed No. 164 situated at Jeedimetla, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Medchal in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in the
Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shed No. 164 area 0.33 Acres in Phase III Industrial
Development area Jeedimetla registered with Sub-registrar
Medchal vide Doc. No. 4418/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
persons, namely :—

Date : 13-5-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 190/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5-3-497/1 situated at Risala Abdulla, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Muturi Radhika D/o M. Haridarshan, M/G Smt. Muturi Suvarna, 16-11-18/19 Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bhagwan Lal S/o Magraj, 5-2-687, Risala Abdullah, Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

II. No. 5-3-497/1 Risala Abdullah area 150 sq. yards registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 6517/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-5-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 191/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6A situated at Yellareddyguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

28—116GI/83

(1) M/s N. Vensimal India, Pr. Prakash Dharamdas Harjani, 681/B/2/8/74 Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad-34.

(Transferor)

(2) Sri Ravindra Narayan Asthana, 41-55/3RT Sanjeeva-reddynagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6A and 6B total area 740 sq. yards in S. No. 127 at Yellareddyguda Amcerpet Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6454/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 13-5-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Leela Devi w/o T. Narayana Reddy, 3-4-457
Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. A. Ramalakshmi W/o ANVSKM Rajaswar
Rao, Powerpetta, Eluru, West Godavari District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 192/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Flat situated at Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on September 1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1006 in MCH No. 5-9-59 Basheerbagh, Hyderabad
area 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad
vide Doc. No. 6381/82.M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—Date : 13-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Shajahan Apartments,
6-2-974 Khairatabad
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 193/83-84.—Whereas I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat situated at Shajahan Apts, Hyd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Khairatabad in September 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor for more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Smt. Aqueela Khuddur,
r/o Dr. Shaik A. Khuddus,
8-3-1007 Srinagar colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606 in 6th floor and garrage No. 15 in Sajahan
Apartments 6-2-974 Khairatabad Hyderabad registered with
Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. Nos. 6665/82 and
6666/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 194/83-84.—Whereas, I
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Land situated at Athwelly R.R. Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Medchal in September, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Attavalli Farms Pvt. Ltd.,
23 Lalbahadur Stadium,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shrimati M. Bhanumathi W/o Raghunadha Rao
Plot No. 57, Srinagar Colony,
Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6 Acs 31 guntas at Attavalli village Medchal Taluk
R.R. Dt. registered with Sub-Registrar Medchal Vide Doc.
No. 4765/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-5-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 195/83-84.—Whereas, I
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Hafeezpet Village, R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri N. Narahari S/o Vecra Mallaiiah,
1-55 Hafeezpet village
Rajendranagar taluk,
R.R. Dt.

(Transferor)

- (2) Sri Mohd. Mazharul Haq & others,
10-3-12/4, Humayunnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land bearing Sy. No. 82 area 2 Acs 29 guntas at Hafeezpet village, Rajendranagar Taluk R.R. Dt. registered with Sub-Registrar R.R. Dt vide Doc. No. 7520/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-5-1983

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kantha Devi,
23-8-42 Begumbazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Tuljaram
14-9-833 Lower Dhoolpet,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 196/83-84.—Whereas, I
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Land situated at Madanpally Shamshabad Tq.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
R.R. Dt. in September 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land with grape-garden in S. No. 77 at
Madanapally village Shamshabad taluk registered with Sub-
Registrar R.R. Dt. vide Doc. No. 7568/82 (total area 6 Acs
21 guntas).

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-5-1983

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Bhagyanagar Studios Pvt Ltd.
1-1-79 RTC 'X' Roads
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. K. Rangaprasad Rao
3-6-312/1 Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 150/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at RAC 'X' roads, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at R.T.C. 'X' Road, Hyderabad area 6750-93 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6818/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Bhagyanagar Studios Pvt. Ltd.
1-1-79 RTC 'X' Road
Hyderabad.

(Transferor)

(2) K. Kamaladevi D/o K. Raghava Rao,
3-6-312/1 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 151/83-84 —Whereas, I
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat situated at RTC 'X' road, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in September 1982,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Musheerabad Hyderabad area 535 sq. ft. registered
with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6817-82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 152/83-84.—Whereas, I M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at RTC 'X' roads, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—116GI/83

- (1) M/s Bhagyanagar Builders,
1-1-79 RTC 'X' Roads,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri P. Prabhakar S/o P. Subbarayudu,
5-1-237/1 Sunder Bhavan,
Jambugh, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1-1-79 RTC 'X' Roads, Hyderabad area 1170 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6538/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 153/83-84.—Whereas, I M. JEGANMOHAN, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at RTC 'X' Roads, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Bhagyanagar Builders,
1-1-79 RTC 'X' Roads,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Komala Ramaswamy W/o S. V. Ramaswamy
1-1-79 RTC 'X' Roads,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1-1-79 RTC 'X' Roads, Hyderabad area 1170 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6842-82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Hyderabad

Date : 11-5-1983
Sea

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 154/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at RTC 'X' Roads, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Bhagyanagar Builders
1-1-79 RTC 'X' Roads
Hyderabad.

{Transferor}

- (2) Smt. D. A. Lakshmi W/o Narayana Rao
Flat No. 93, Taranka Hyderabad

{Transferee}

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14th floor in 1-1-79 RTC 'X' Roads, Hyderabad area 1170 Sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6752/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.155/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 153 in 5-1-908 situated at Putlibowli Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on September 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under pub-
lication (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Bhagyanagar Construction P. Ltd.,
3-4-207 Tobacco Bazar
Secunderabad

(Transferor)

(2) Smt. Sarada Rathi W/o Shashi Kumar Rathi
5-1-908 Putlibowli
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 153 in 5-1-908 Putlibowli Hyderabad area 253
sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No.
6770/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.156/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 1 situated at Unity House Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. Ramakrishna
Office No. 1, Unity House
Abids, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1, Unity House 4th floor Abids, Hyderabad area 242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6445/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref No. RAC.157/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 2 situated at Unity House Abids, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. Ramkrishna
Office No. 2, 4th floor
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period arrives later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 2, 4th floor Unity House Abids, Hyderabad area 212 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc No. 6446/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983.

Seal :

FORM ITN

(1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri A. Purnashandra Rao
Office No. 4, 4th floor
Unity House, Hyderabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.158/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 4 situated at Unity House Abids, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 4 4th floor Unity House Abids, Hyderabad area 242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6415/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983.
Sent :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.159/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 7 situated at Unity House Abids, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. P. Narasimha Rao
Kunavaram Badrachalam tq.
Khammam dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 7, 4th floor, Unity House, Abids, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6404/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. P. Narasimha Rao
Kunavaram, Badrachalam Tq,
Khammam Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.160/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Office No. 6 situated at Unity House Abids, Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
at Hyderabad on September 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 6, 4th floor Unity House, Abids, Hyderabad
registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6405/
82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following
persons, namely :—
30—116GI/83

Date : 11-5-1983.
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.161/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Office No. 3 situated at Unity House Abids, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Hyderabad on September 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) A. Poornachandra Rao
Penamaluru P. O.
Vijayawada Tq, Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 3, 4th floor Unity House, Abids, Hyderabad area
242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide
Doc. No. 6414/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.162/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 5 situated at Unity House Abids, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. Srinivas
Warangal
16/5 Meri Hostel
Kakateeya Medical College

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 5, 4th floor unity house Abids, Hyderabad area
242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc.
No. 6398/82.

M. JEGANMOHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5 1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.163/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 24 situated at Unity House Abids, Hyderabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Lal chand Mulchand Mirchandani
5-9-22/78 Adarshnagar
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 24, 4th floor unity house Abids, Hyderabad
area 242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide
Doc. No. 6672/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Lal Chand Mulchand Mirchandani
5-922/78 Adarshnagar
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.164/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Office 23 situated at Unity House Abids.

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 23, 4th floor Unity house, Abids, Hyderabad
area 242 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide
Doc. No. 6671/82.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.165/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 9 situated at Unity House Abids, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Vishandas M. Mirchandani
5-9-78 Adarshnagar
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 9, 4th floor Unity House Abids, Hyderabad area 242 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6499/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.166/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 10 situated at Unity House Abids, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Hindustan Builders
Unity House, Abids
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Vishnudas M. Mirchandani
5-9-78 Adarshnagar
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 10, 4th floor Unity House Abids, Hyderabad area 242 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6498/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) M/s Nandanam Apartments
5-8-42 Fathesultan lane
Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Ramachander
5-8-658 Station Road
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 167/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Flat A-201/5, situated at Fathesultan Lane, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-201, 2nd floor in 5-8-42 Fathesultan lane
Hyderabad area 1104 sq. ft, registered with Sub-Registrar
vide Doc. No. 6438/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income tax)
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.168/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

31—116GT/83

- (1) M/s Nandanam Apartments
5-8-42 Fathesultan lane
Hyderabad

(Transferor)

- (2) Mrs. M. A. Khan
Asifnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 401/29 in 4th floor at Fathesultan lane Hyderabad Vide Doc. No. 6439/82.

M. JEGANMOHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Nandanam Apartments
5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. K. Aruna W/o Shri K. Bapincedu,
5-4-405/A Nampally, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 169/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: C-102/34 1st Floor at Fathesultan lane Hyderabad area 1200 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6440/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 170/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nandanam Apartments
5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri K. Vibheeshan Reddy,
5-5-73 Khaleelwadi, Nizamabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-804/78 at 5-8-42 Fathesultan lane Hyderabad area 1000 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6441/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Nandanam Apartments
5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri C. Vallabha Das,
4-4-2 Sultanbazar, Hyderabad
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 171/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. B-403/31 in 4th floor at 5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad area 1104 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6457/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Seal :
Date : 11-5-1983

FORM NO. IT.N.S.

- (1) M/s. Nandanam Apartments
5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. N. B. DOMADIA,
5-2-976 N. S. Road, Hyderabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 172/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-304/28 in 3rd floor at Fathesultan lane
Hyderabad area 1104 sq. ft. registered with Sub-Registrar
Hyderabad vide Doc. No. 6458/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 173/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Nandanam Apartments
5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri Ajoy C. Sanghani,
Gaganmahal colony, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat B-301/25 in 3rd floor at Fathesultan lane Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6459/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 11-5-1983

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 174/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1961 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nandanam Apartments
5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri G. C. Shah,
Essamin Bazar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-302/26 at 3rd floor in 5-8-42 Fathesultan lane Hyderabad area 1104 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6460/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 175/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269B of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nandanam Apartments
5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad. (Transferor)
(2) Smt. D. Bindusree,
Arundal pet Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-203/23 in 2nd floor at Fathesultan Lane, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6670/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. Nadanam Apartments,
5-8-42, Fathesultan lane,

(Transferor)

(2) Kusumkumari,
5-7-579 Nampally Bazar,
Lingampally Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 176-83-84.—Whereas, I, M. JEGAN
MOHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Flat situated at Fathesultan Lane, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in September, 1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-102/2 in 1st floor at Fathesultan lane area
1104 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide No.
6669/82.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

32—116GI/83

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)Date : 11-5-1983
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 177/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Fathesultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Nandanam Apartments,
5-8-42, Fathesultan lane,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Sampathlal Jain,
5-7-579 Nampally Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat B-404/32 in 4th floor in Fathesultan Lane, Hyderabad area 1104 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6668/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 178/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property heaving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Tilakroad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Kamini Builders,
4-1-1064, Tilak Road,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) G. Anuradha, D/o Narayanrao,
1-4-879/78, Gandhinagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1st floor in 1-8-556 Chikadpally Hyderabad area 950 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6535/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 179/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office situated at Unity House, Hyderabad (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Md. Abdul Khader,
King Kothi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajani Gupta & others,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 36 4th floor Unity House, Hyderabad area 346 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6642/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 180/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-512 to 518/4/47 Abids, situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderabad in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parvathi Agarwal W/o Bharathkumar
21-1-773 to 775 Patel Market,
Pathergatti, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Dr. Shri Azmat Ali Khan. S/o Ishrat Ali,
H. No. 386/SplB.,
Agapura, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-8-512 to 518/4/47 Abids shopping centre
Abid Road, Hyderabad area 220 sq. ft. registered with Sub-
Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6478/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 181/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 4 situated at Chiragali Lane, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Dr. Hyder Ali Khajani,
5-8-503, Chiragali lane,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Dr. Syed Zaheer Iqbal,
329, Spl. B., New Malleshpally,
Hyderabad-500 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4 in 5-8-505 Chiragali lane Hyderabad area
276 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc.
No. 6849/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 11-5-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Bhagyanagar Studios Pvt. Ltd.,
1-1-79, RTC-X, Roads, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. K. Saraswathi, W/o K. Raghavarao,
3-6-312/1, Hyderguda, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 182/83-84.—Whereas, I,

M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Musheerabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1-1-79 Musheerabad Hyderabad area 535 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6819/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3637.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Village Malanpur Tehsil Gohad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohad on 21-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Singh, Mahendra Singh S/o Shri Pyarelal, Ramkali wd/o Totaram, Mukesh Minor guardian S/o Shri Totaram, Minor guardian Ram Singh S/o Shri Pyarelal, R/o Malanpur, Gohad, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Harish Kumar Sahu S/o Shri Vishwanath Singh, R/o 31 A Anita Napency Road, Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.025 Hec situated at village Malanpur Tehsil Gohad M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 19-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3638.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Village Malanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohad on 2110-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hukumsingh S/o Shri Barela, Malanpur, Pargana-Gohad. (M.P.) (Transferor)
- (2) Gwalior Poli Pipes Limited, 1-New Kherapati Colony, Gwalior, Director Shri Harishkumar S/o Vishv-nathsingh, R/o 21-A Anita Nepesi Road, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.316 Hec. situated at village Malanpur Tehsil Gohad M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 19-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3639.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Village Malanpur Tehsil Gohad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on 21-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ramwati Wd/o Shri Kaliyan, Shri Dharmvir, Shri Laxminarayan S/o Shri Kaliyan, Malanpur Tehsil Gohad (M.P.).
(Transferor)

(2) Kajal Export Pvt. Limited, C/o Director Shri Haribabu S/o Shri Vishvnath Singh, R/o 31-A Anita Nepensi Road, Bombay-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.100 Hec situated at village Malanpur Tehsil Gohad M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date : 19-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3640.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 80 situated at Rambagh Colony, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Kamladevi W/i Shri Krishandutt Ji Sharma,
R/o Taraganj Lashkar, Gwalior. (Transferor)
- (2) Shri Jiwandas Khatod S/o Shri Bithaldas Khatod,
R/o Parakh Ji ka Bada Lashkar Distt. Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhawan No. 80 ward No. 6 situated Rambagh Colony
Sindhe ki Chawani, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 19-5-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prabhudas S/o Shri Nihalchandji,
R/o Lala Ka Bazar, Lashkar, Gwalior.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jankidevi W/o Shri Nihalchand,
Lala Ka Bazar, Lashkar, Gwalior.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3641.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sampatti Nigam No. 42/385 situated at Mandsod gali Lala ka Bazar, Lashkar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lashkar, Gwalior on 18-9-82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Sampati Nigam No. 42/385, situated at Lala Ka Bazar, Lashkar, Gwalior. (M.P.).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ratanlal S/o Shri Mangilaji Kulmi,
R/o Village Rao, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Vaibhav Land Development Co.,
Partnership Firm 24/5, Laxmi Bai Nagar,
Khila Maiden, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3586.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 382 situated at Village Pigdambar Teh. Mhow, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Mhow on 21-9-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 382, at Village Pigdambar, Teh. Mhow, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3587.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 363 situated at Indore Development Corporation Scheme No. 44, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harmender Singh S/o Shri Santosh Singh Hora, R/o Poonam Co-operative Housing Society, 4/2, Ganji Compound, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Iqbal Singh S/o Shri Dershansinghji, R/o 6-A Premnagar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 363, Indore Development Corporation Scheme No. 44, at Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3588.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

Plot No. 365 & Garage, situated at Khatiwala Tank scheme No. 44, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 16 September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prakash S/o Shri Gulabrai Ramchandani,
R/o House No. 70, Ladkanu Nagar, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Ravindrasingh S/o Shri Darshansingh,
R/o House No. 6-A Prem Nagar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 365 and Garage Khatiwala Tank, Scheme No. 44, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Ref. N. IAC/Acq/Bpl/3589.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. R. 356 & Garriage situated at Indore Development Corporation Scheme No. 44, Khatiwala Tank, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narendrakumar Khanna S/o Shri Tejmanji Khanna,
R/o 27 Siyaganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh S/o Shri Darshan Singh,
R/o 6-A Prem Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 356 Indore Development Corporation Scheme No. 44, Indore with garage.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date : 4-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th April 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3590.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Survey No. 84/2 situated at Gulchare, Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharampuri on 2-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Balu S/o Shri Narayan,
(2) Shri Champalal S/o Shri Sitaram,
(3) Shri Onkar S/o Shri Sitaram,
(4) Smt. Dagdi Bai Wd/o Shri Tulsiram,
(5) Shri Bhagwan S/o Shri Jagannath,
(6) Shri Nathu S/o Shri Jagannath,
(7) Shri Radheshayam S/o Shri Jagannath,
(8) Shri Devnarayan S/o Shri Jagannath,
(9) Smt. Genda Bai Wd/o Shri Jagannath Patidar,
Gulchare, Dhamnod.

(Transferor)

- (2) M/s. Shelendra Cotton Jinning & Pressing Factory,
Dhamnod, Distt. Dhar, through P/F Shlendra Kumar
Agrawal, South Tukoganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 84/2 Gulchare, situated Dhamnod.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 26-4-1983
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th April 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3591.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 83, situated at Gulchare, Dhamnod, Dhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharampuri on 2-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Rameshwar S/o Shri Kanhaiyalal
(2) Shri Murlidhar S/o Shri Rameshwar,
(3) Shri Vishnu Prasad S/o Shri Rameshwar etc.,
R/o Dhamnod, Dhar. (Transferor)
(2) Shailendra Cotton Jinning Dhamnod,
4, South Tukoganj, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 83 Gulchare Dhamnod.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 26-4-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Jagannath S/o Shri Chensingh,
R/o Village Bilaveli, Dewas. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish S/o Shri Laxmanji Chouhan,
R/o 58, Khari Bavari, Mohalla Dewas. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3592.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 87/2 situated at Village Bilaveli, Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 87/2 at Village Bilaveli, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 4-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/3593.—Whereas, I. D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 87/2 situated at Village Bilaveli, Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dewas on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Hirasingh,
(2) Shri Bapusingh S/o Shri Chensingh,
R/o Village Bilaveli, Dewas. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish S/o Shri Laxmanji,
R/o 58, Khari Bavari, Mohalla Dewas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 87/2 at Village Bilaveli, Dewas.

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 4-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Shri Jagannath,
 (2) Shri Hirasingsh,
 (3) Shri Bapusingh S/o Shri Chensingh,
 R/o Village Bilabeli, Dewas. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish S/o Shri Laxmanji Chohan,
 R/o 58, Khari Bavadi, Mohalal-Dewas. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3594.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 87/2 situated at Village Bilabeli, Teh. Dewas (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 87/2 at Village Bilabeli, Dewas.

D. P. PANTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 4th Floor, Gangotri Building
 T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3595.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 120, situated at Biharilal Marg, Shrimalivas, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Laxmikanth Trivedi S/o Shri Ganeshilal Trivedi,
R/o 19, Maharani Road, Indore. (Transferor)
- (2) (1) Shri Ram Pyari Bai,
(2) Smt. Basanti Bai W/o Shri Mangilalji,
R/o 120, Biharilal Marg, Shrimalivas, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 120, Biharilal Marg, Shrimalivas, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 4-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Haji Mohammad Salauddin &
Mohammad Allaiddin-alias-Oliya Saheb
R/o Khankah, Burhanpur. (Transferor)
- (2) Babu Bhai & Ambalal Patel,
R/o Ranoli, Baroda. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3596.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House constructed on Plot No. 22 situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 22-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Pacca House constructed on Block No. 31, Plot No. 22, Ward No. 23 at Khankah, Burhanpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 4th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3597.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot, Sheet No. 10, Survey No. 472 Sheet No. 20/1 situated at Sadar Bazar, Dhamtari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhamtari on 30-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Pratap Kotari
S/o Gangaram,
Power of attorney,
Jamnadas
S/o Kheemji,
Owner,
Kheemji Nagji & Co.,
Bombay,
at present Motor Stand Ward,
Dhamtari.

(Transferor)

(2) Shri Kishore Kumar
S/o Suganmal
Shantilal
S/o Suganmal,
Minor—Guardian Father Sugriamal
S/o Vasumal Jasuja,
Motor Stand Ward,
Dhamtari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Sheet No. 10, Survey No. 472, Sheet No. 20/1st Sadar Bazar, Dhamtari.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 4-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3598.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot, Sheet No. 10, Survey No. 572, Sheet No. 20/1 situated at Sadar Bazar, Dhamtari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhamtari, Raipur on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

35—116GI/83

- (1) Pratap Kotari
S/o Gangaram Kotari,
R/o Makeswar Para Ward Dhamtari,
through—Power of attorney
Shri Jamnadas
S/o Kheemji,
Partner,
M/s Kheemji Nagji & Co.,
Bombay,
at present R/o Sadar Bazar,
Dhamtari.

(Transferor)

- (2) Bhimandas
S/o Gohimal Sindhi,
R/o Risaipara,
Dhamtari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Sheet No. 10, Survey No. 572, Sheet No. 20/1 at Sadar Bazar, Dhamtari.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983

Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3599.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot, Kh. No. 80/8 (Portion) situated at Vill : Pitivachar, Mahasamund (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahasamund on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ling persons, namely :—

- (1) Goverdhan
S/o Narayan,
Rajkumbar
D/o Narayan Chandrakar,
R/o Patiyachar, Mahasamund.

(Transferor)

- (2) Firm Khemraj Nemichand Shrimal & Co.,
R/o Gandhi Chowk, Mahasamund,
Teh. : Mahasamund,
Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot, Khasra No. 80/8 (Portion) at Vill : Pitivachar, Mahasamund, Raipur.

Acquisition Range,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3600.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Kh. No. 80/8 (Portion of Open land) situated at Vill: Pitiyachar, Teh. : Mahasamund and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahasamund on 3 September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Goverdhan
S/o Narayan,
2. Rajkunvar
Wd/o Narayan Chandrakar,
R/o Pitiyachar,
Teh. : Mahasamund,
Raipur. (Transferor)
- (2) Firm Khemraj Nemichand Shripal & Company,
R/o Gandhi Chowk, Mahasamund,
Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Land Kh. No. 80/8, Open land; at Vill. Pitiyachar, Mahasamund, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983

Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3601.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of land Kh. No. 190/1, Plot No. 4 situated at Pandrai Tarai, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishanlal Bhaseen
S/o Sevakram Bhaseen,
Bangalore,
through—Power of attorney
Chandra Prakash Tandon,
R/o Kankalipara,
Raipur.

(Transferor)

(2) Mangalshah
S/o Amarnath Soni,
R/o Kankalipara,
Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land Kh. No. 190/1, Plot No. 4, at Vill :
Pandrai Tarai, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) E. Ramendrarao
S/o Late Shri Nagendra Rao,
R/o Godpara, Bilaspur. (Transferor)
- (2) Yogesh Pratap Singh
S/o Late Shri Chandra Bhushan Singh,
R/o Masanganj, Bilaspur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3602.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 41, 40/2, 42 situated at Masanganj, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 27 September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40/2, 41, 42, Masanganj, Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3603.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Kh. No. 1374/1 situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 29-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Nyas Shri Laxmi Narayan Maharaj Khila Mandir, Durg, through Shri Vinod Kumar Agrawal. (Transferor)
- (2) Jagatpal S/o Harnarayan Singh, Durg. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1374/1 at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/3604.—Whereas, I, D. P.
PANTA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingLand Kh. No. 1373/1, 1374/1 situated at Durg
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Durg on 29-9-1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269 D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Nyas Shri Laxmi Narayan Maharaj
R/o Kila Mandir, Durg.
through Shri Vinod Kumar Agrawal. (Transferor)
- (2) Kamla Baiji
W/o Shri Mannolal,
R/o Durg. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1373/1, 1374/1 at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM 111E**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3605.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mucl. Kh. No. 1374/1 situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 25-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Nyas Shri Laxmi Narayan Maharaj,
Khila Mandir, Durg,
through—'Pradhan',
Nyas Shri Vinod Agrawal.

(Transferor)

- (2) Usman Gani
S/o Mohammad Umar,
Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1374/1 at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/3606.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Kh. No. 438/29 & House situated at Pandri Tarai, Raipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 3-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—116GI/83

(1) Rammanohar Lal
S/o Shri Ram Swarooplal,
Power of attorney Shri Bhajanlal
S/o Rammanoharlal,
R/o Shantinagar, Raipur.

(Transferor)

(2) Arjinkumar
S/o Nemamal etc.
R/o Jawahar Nagar,
Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Kh. No. 438/29 & House, at Pandri Tarai, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3607.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 2181 situated at Subhash Nagar, Wright Town Ward, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Triveni Bai
Wd/o Premnarayan Saxena,
R/o House No. 2181,
Wright Town,
Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shiel Kumari
W/o Ravishchandra Agrawal,
R/o 237, Napeer Town,
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2181, Sheet No. 153-C, Plot No. 500, Plot No. 71, Subhash Nagar, Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/3608.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 844, Block No. 3, Plot No. 9 situated at North Civil Lines, Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) E. P. O. Sullivan
S/o Late Shri J. C. Pinto,
R/o 844, North Civil Lines,
Jabalpur. (Transferor)
- (2) Catholic Church incorporated under the name of
Diocesan Corporation of Jabalpur through
Bishop Shri Teophana O. Praem
S/o Shri Chacko,
Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 844, Block No. 3, Plot No. 9, North Civil Lines
Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3609.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mucl. No. 42 situated at Netaji Subhash Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Krishna
S/o Shanker,
R/o 200/C, Rajendra Nagar,
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Premchand
S/o Motilal,
2. Smt. Yeshodabai
W/o Premchand,
R/o 20, Bhoi Mohalla,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Mucy. No. 42, at Netaji Subhash Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3610.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 260 situated at Shrinagar Extension Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rajesh Sardarilal Khanna,
R/o 33, Plauden Road, Mhow. (Transferor)
- (2) 1. Ramchandia Sohanlal,
2. Geeta Devi Sohanlal,
3. Kalavati Devi Shivratan,
R/o 27/1, Shankerbagh Colony,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 260, at Shrinagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-5-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3611.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 261 situated at Shrinagar Extension, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 24-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Neera Khanna
W/o Rajesh,
R/o 33, Plauden Road, Mhow. (Transferor)
- (2) 1. Chanda Devi,
2. Rameshkumar Sohanlal,
3. Bhagvan Sohanlal,
R/o 27/1, Shankerbagh Colony,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 261 at Shrinagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3612.—Whereas, J. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 29, situated at Savid Nagar, Saketh Road, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) V. Ganeshan,
R/o 29/4, Savid Nagar,
Saketh Road, Indore.

(Transferor)

- (2) Chandrawal Mundra
W/o Late Shri Badinarayan Mundra.

2. Smt. Kusumlata
W/o Shri Ishwar Mundra,
R/o 87, Kailash Park,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 29, at Savid Nagar, Saketh Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3613.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 23 situated at Prince Yeshwant Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Madhuri
W/o Kamal Chug,
R/o 87, Triveni Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Navneet Bai
W/o Bansilalji,
R/o 23, Prince Yeshwant Road,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein 'as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23 at Prince Yeshwant Road, Indore (One portion).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-5-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3614.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

being No. Plot No. 307 situated at Vishnupuri Annex Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sardar Amarjitsingh S/o Aatmasingh
R/o House No. 65, Radio Colony, Indore.
(Transferor)
- (2) Smt. Manak Bai W/o Rajendrakumar Dagdi,
R/o 77, Radhanagar Colony, Indore.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 307, Vishnupuri Annex Colony, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 6-5-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3615.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 803 situated at Junior Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas in Sep. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Ramchandra S/o Laxman 2. Jagdish S/o Laxman 3. Mani Bai W/o Fakirchand 4. Kamla Bai W/o Shival 5. Premkumar S/o Fakirchand, No. 1 to 5 through power of attorney Sb. Fakirchand S/o Sidhanathji Mali, R/o Anandpura, Dewas.

(Transferor)

(2) Kundankal S/o Totarmji, R/o 28, Godha Colony, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 803, at Junior Dewas.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 6-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3616.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 803 situated at Dewas-Junior,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas in Sept. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ramchandra S/o Laxman
2. Jagdish S/o Laxman 3. Manibai W/o
Fakirchand 4. Kamla Bai W/o Shival
5. Premkumar S/o Fakirchand, R/o
Dewas-through Power of attorney
Fakirchand S/o Sidhanathji Mali,
R/o Anandpura, Dewas.

(Transferor)

- (2) Kundanlal S/o Totaramji,
28, Godha Colony, Indore.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 803, at Junior Dewas.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 6-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Padma Binani Family Trust through
Chandra Mohan-Trustee-Raja Gokuldas Palace,
Hanumantal, Jabalpur. (Transferee)
- (2) Beohar Ram Pratap Sinha
Smt. Savitri Sinha,
Sathiya Kua, Jabalpur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3617.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and
bearing No. House No. 402/2 & 402/3 & Part of Plot No.
4/1, Block No. 33
situated at South Civil Lines, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
1908) in the office of the Registering
Officer at Jabalpur in 10-9-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Nos. 402/2 & 402/3, Part of Plot No. 4/1, Block
No. 33, at South Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Padma Binani Family Trust Estate,
Hanumantal, Jabalpur.

(Transferee)

(2) Smt. Sushila Singh,
South Civil Lines, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/3618.—Whereas, I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Part of Plot No. 4/1, Block No. 33 situated at South Civil Lines, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in 1-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 4/1, Block No. 33, at South Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sardar Avtarsingh 2. Sardar Trilochan Singh
S/o Sardar Ram Singh, R/o Napier Town,
Jabalpur.

(Transferor)

(2) Rvindrakumar Chouksey S/o
Sh. Sahdev Chouksey
R/o Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 11th May 1983

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/3619.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. Portion of Plot No. 26 situated at
Vill. Amanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur in 4-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Open plot No. 26, Kh. No. 69/4 Sheet No.
9, at Vill. Amanpur, Narsingh Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM LT.N.S.———

- (1) Sardar Avtar Singh 2. Sardar Trilochan Singh
S/o Ram Singh. R/o Napier Town, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Govindkumar Chouksey S/o Sh. Sahdev Chouksey
R/o Napier Town, Jabalpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 11th May 1983

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3620.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot No. 69/4 (Portion) situated at Amanpur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Jabalpur in 4-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Portion of open Plot No. 69/4, Sheet No. 9, Plot No. 26 (Portion) at Vill. Amanpur, Narsingh Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax)
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—→

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Bhopal, the 11th May 1983

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Open Plot Kh. No. 69/4 situated at Vill. Amanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Jabalpur on 4-2-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sardar Avtar Singh (2) Sardar Trilochan Singh S/o
Sardar Ram Singh, R/o Napier Town, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Arvindkumar Chouksey S/o. Shri Sahdev Chouksey,
R/o. Wright Town, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Potriion of Open Plot Kh. 69/4, Sheet No. 9, Plot No.
26 (Portion), at Vill : Amanpur, Narsingh Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date: 11-5-83
Seal :

FORM JNS—

(1) Sardar Avtar Singh (2) Sardar Trilochan Singh S/o
Sardar Ramsingh, R/o Napier Town, Jabalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sahdev Choksey S/o. Late Nanhelal Chouksey R/o
Wright Town, Jabalpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3622.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Portion of Open Plot Kh. No. 69/4 situated at Vill. Amanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 4-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of the said Act, to the following effect, I hereby initiate proceedings for the issue of this notice under sub-section (1) of the said Act, to the following persons, namely :—

38—116GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Open Plot Kh. No. 69/4, Sheet No. 9, Plot No. 26, at Vill. Amanpur, Narsingh Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date: 11-5-83

Seal :

FORM ITNS—

(1) Raghunath S/o. Bherolal,
R/o Vill. Bavadiya Kala, Bhopal.

(Transferor)

(2) Alpa Aya Government Employees Griha-Nirman-
Sahakari Samiti Ltd., Bhopal through Chairman
Bhagvan Chola, Near Hanuman Mandir, Bhopal.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acq[Bpl]3623.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 463, 464, 465/3, situated at Vill. Bavadiya Kala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 1-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 463, 464, 465/3 at Vill. Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Bhopal.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date: 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Keshar Singh S/o. Kamal Singh, R/o Adampur
Chavani, Teh. Huzur, Bhopal.

(Transferor)

(2) Dr. Rajkumar Bjsaya S/o Shri Radhebiharilal, R/o
N-5/24, Kasthurba Hospital, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3624.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land Kh. No. 104, 105 Vill. Adampur, Chavani, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhopal on 29-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 104, 105 at Vill. Adampur, Chavani, Teh. Huzur, Bhopal.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC[Acqn[Bpl]3625.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land Kh. No. 69 situated at Amoni, Teh. Huzur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 25-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to, between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Fazrooq Miya S/o Shri Shah Mohd. Yakoob (2) Mohd. Masood S/o. Mohd. Ayooob, R/o Vill. Aamoni, Teh. Huzur, Bhopal.

(Transferor)

- (2) Jawahar Singh S/o Shri Daulat Singh (2) Gyansingh S/o. Daulatsingh through Guardian Jawahar Singh S/o. Shri Daulatsingh R/o Kar Hodkala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 69, at Vill. Amoni, Tehsil Huzur, Bhopal.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3626.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6, situated at Nadir Colony, Shyamla Hills Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 30-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sahebzada Yavar Rashid S/o Shri Nawabzada Rashiduzafar Sahib Power of attorney (2) Begum Suraiyya Rashid W/o Shri Nawabzada Rashiduzafar Khan, (3) Sahibzadi Mehbano D/o Shri Nawabzada Rashiduzafar Khan (4) Sahibzadi Nilofar D/o Shri Nawabzada Rashiduzafar Khan, R/o Simla Kothi, Bhopal. (5) Sahibzada Nadir Rashid S/o. Nawabzada Rashiduzafar Khan, R/o Simla Kothi, Bhopal. (Transferor)

(2) Kazim Ali Khan S/o Shri Sabibzada Sajid Ali, R/o Simla Koti, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Plot 6 at Nadir Colony, Shyamla Hills, Bhopal. This is the immovable property described in the form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. LAC/Acqn/Bpl/3627.—Whereas, I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 222, E-3, situated at Arera Colony, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 23-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Yogendrapal Singh S/o Surendra Pal Singh,
R/o E-53/144, Arera Colony, Bhopal. (Transferor)
(2) Devendrakumar Jain S/o Sh. Nannoolal Jain,
R/o South T. T. Nagar, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 222, E-3, Arera Colony, Bhopal.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Rajendrakumar Sharma S/o Sh. Gopal Sharma
R/o 155, F-1, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Bhagwati Bharadwaj W/o Late Sh. M. K.
Bharadwaj R/o 22 N. 5, Habibganj,
Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3628.—Whereas, I,
D. P. PANTA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Land Kh. No. 21 situated at
Vill. Agariya Chopra(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Raisen on 29-9-1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or others assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 21 at Vill. Agariya Chopra Teh. Raisen.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.Date: 12-5-1983
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Dayaram S/o Sh. Gopal Ram-Sharma,
R/o E-I/155, Arera Colony, Bhopal. (Transferor)
- (2) Bhagwati Devi Bharadwaj W/o Sh. Late S. K.
Bharadwaj, R/o 22-N-5, Habibganj, Bhopal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 11th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3629.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
land Kh. No. 25 situated at
Vill. Agariya Chopra, Teh : Raisen
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Raisen on 29-9-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 25, at Vill. Agariya Chopra, Raisen.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, the following
persons, namely :—

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM NO. IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3630.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot situated at
Tagore Colony, Khandwa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Khandwa on 4-9-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Vasant Bhai S/o Nana Bhai Thokkur,
R/o Tagore Colony, Khandwa.
(Transferee)
- (2) Khandwa Colonisers Khandwa-Partner-
Amarchand & Phoolchand Katariya,
Radhakrishna Mansharam Maithel, Anil Kumar,
Surendra Kumar Jain & Smt. Susheela W/o
Radheshyamlal Khandelwal, Khandwa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Kh. No. 425/2, 425/1 Cat Sheet No. 8, Block No.
1-B, Plot No. 44, Tagore Colony, Khandwa.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—
39--116G1/83

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/3631.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Plot No. 104 situated at Shrinagar Extension Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Prabha Devi Jai W/o Sh. Devidasji Jai, R/o Sagar Bihar, 23, Abdul Gaffar Khan Road, Bombay-28-through Power of attorney Sitaram Joshi S/o Sh. Basant Joshi, R/o 78, Beema Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Rekhachand Sakhlecha S/o Sh. Prithviraji Sakhlecha, R/o Vill. Meghnagar, Khandwa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 104, at Shrinagar Extension—Colony, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3632.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Vill. Mangaliya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
26—96GI/83

- (1) Central Everstone Pvt. Ltd.,
3/1, Manoramaganj Indore through—
Director, Mohan Prakash Khandelwal (Transferor)
- (2) Kohinoor Electronic Ltd. Indore
through Director Sh. Navinchandra Jain,
S/o Sh. Jodhraj Jain, R/o Sita Building,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House at Vill. Mangaliya, Teh. Saver.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ramsingh S/o Lalji Kalotha,
R/o Vill. Kalukheri, Teh. Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Dewas Metal Section Pvt. Ltd.,
Dewas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3633.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
bearing No. Land Kh. No. 120 situated at
Vill. Kalukheri, Teh. Dewas
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Dewas on 30-9-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 120, at Vill. Kalukheri, Teh. Dewas.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3634.—Whereas, I,
D. P. PANTA,being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Vill. Kalukheri Teh. Dewas

(and more fully described in the Shedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering

Officer at Dewas on 14-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) 1. Chainsingh 2. Gangaram 3. Daulatsingh
4. Harisingh Sons of Ramratan Kalotha
5. Gattu Bai Wd/o Ramratan Kalotha,
R/o Vill. Kalukheri, Teh. Dewas. (Transferor)
- (2) M/s Steel Tube of India Ltd.,
Registered Office Steel Tube Road,
Dewas M.P. through Manager Sh. M. C. Jaiswal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 54/3 at Vill. Kalukheri, Teh. Dewas.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/Acq n/Bpl/3635.—Whereas, I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 14 situated at Vill. Bhambhara, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 29-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Vinekchand S/o Motilal Jain,
R/o Sanvara, Teh. Burhanpur. (Transferor)
- (2) 1. Ratiram 2. Shaligram S/o Kashirm,
Mahajan, R/o Bailsavari (PO) Piprinandu,
Jalgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 14 at Vill. Bhambhara, Teh. Burhanpur, which is described in the form No. 37-G and verified by the transferee.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1983
Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/3636.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agrl. land New No. 131 situated at

Vill. Mahmendpura, Teh. Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Burhanpur on 25-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sohanlal Pitambardas Shah
2. Chandrakant S/o Sohanlal Shah
Gujrati Mode, R/o Silimpura, Ward,
Shikarpura, Burhanpur. (Transferor)
- (2) 1. Chaya Devi W/o Thakur Mahendrasingh
2. Sandhya Devi W/o Thakur Chandraprakash
Singh R/o Mominpura, Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; .
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land New No. 131 at Vill. Mahmendpura, Teh : Burhanpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANF, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/861-SR-Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18—Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Indian Agro Farms,
6/1, Satnam Apartments,
Cuffe Parade, Bombay-400 005. (Transferor)
- (2) Shri Kashi Prasad Chiranjilal Morarka,
42, Gautam Apartment,
Juhu Road, Santacruz (W)
Tagore Road, Corner, Bombay-400 054. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara. (Area—2H and 42R—and 2H and 48R) 1/8 Hissa. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2009 dt. 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 30-4-83
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/859-SR-Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahabaleshwar Dist. Satara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Bombay on 7-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—116GI/83

- (1) M/s. Indian Agro Farms,
6/1, Satnam Apartments,
Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(Transferor)

- (2) Shri Kamlesh Vijakumar Ganciwala (HUF)
Shree Bldg., Corner of S. V. Road.,
and Juhu Road.,
Santacruz (W) Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahabaleshwar, Distt. Satara. (2H-42R and 2H 48R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2012 dt. 7-9-82)

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 30-4-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/862/SR.Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Indian Agro Farms,
6/1, Satnam Apartments,
Cuffe Parade, Bombay-400 005. (Transferor)
- (2) Shri Chiranjilal Yudhisthir Prasad,
Singhanian, D/1/26, Khinanagar
Sanetacruz (W) Bombay-400 054. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara.

(Area—2H 42R and 2H-48R) 1/8 Hissa.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 1010 dt. 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona,

Date: 30-4-83
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/860-SR-Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Indian Agro Farms,
6/1, Satnam Apartments,
Cuffe Parade, Bombay-400 005. (Transferor)
- (2) Smt. Satyabhama Vijaykumar Ganeriwala,
D-1/26, Khiranagar, Santacruz (W)
Bombay-400 054. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara.
(Area—2H 42R and 2H 48R) 1/8 share.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2011 dated 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 30-4-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/857/SR-Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahabaleshwar Dist. Satara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Indian Agro Farms,
6/1, Satnam Apartments,
Cuffe Parade, Bombay-400 005. (Transferor)
- (2) Shri Yogesh Vijaykumar Ganeriwala,
(Minor)
Shree Bldg., Corner of S. V. Road,
and Juhu Road, Santacruz (W)
Bombay-400 054. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahabaleshwar, Distt. Satara.
(Area—2H 48R and 2-H-42R)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2015 dt. 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 30-4-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/858-SR.Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Indian Agro Farms,
6/1, Satnam Apartments,
Cuffe Parade, Bombay-400 005. (Transferor)
- (2) Smt. Meena Kashi Prasad Morarka,
42, Gautam Apartments,
Juhu Rd., Santacruz (W).
Tagore Road, Corner Bombay-400 054. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4,
Village Metgutad, Tal. Mahableshwar, Distt. Satara.
(Area-2H-42A and 2H 48R)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2014 dated 7-3-82 with the Sub-Registrar, Bombay).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 30-4-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/856-S.R.Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahabaleshwar Dist. Satara: (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Indian Agro Farms,
6/1, Satnam Apartments,
Cuffe Parade, Bombay-400 005. (Transferor)
- (2) Shri Vijaykumar Shreegopal Ganeriwala (HUF)
Shree Building,
Corner of S. V. Road and Juhu Road,
Santacruz (W) Bombay-400 034. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahabaleshwar, Distt. Satara.
(Area—2H 42R and 2H 48R—1/8 Hissa)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2009 dt. 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 30-4-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/863-SR.Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahabaleshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S. R. Bombay on 7-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Indian Agro Farms,
6/1, Satnam Apartments,
Cuffe Parade, Bombay-400 005. (Transferor)
- (2) Shri Vimalkumar Chiranjilal Singhania,
D/1/26, Kbirangar,
Santacruz (W) Bombay-400 054. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahabaleshwar, Distt. Satara. (Area—2H-42R & 2-H 48R) 1/8 share. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2013 date d7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 30-4-83
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1983

Ref. No. A. P. No./4328.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Jagtar Kaur D/o Kartar Singh
r/o 579, Model Town, Jalandhar self and G. A. Narinder Kaur wd/o and Kultar Kaur alias Kartar Kaur D/o Kartar Singh
r/o 187, Model Town, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Bansi Lal S/o Buta Mall
r/o WF-167, G. T. Road Puli Ali Mohalla, Jalandhar. (Transferee)
- (3) as S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4364 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar,

Date : 13-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May' 1983

Ref. No. CHD/160/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 3192, Sector 27-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41—116GI/83

- (1) Smt. Dev Wanti w/o Sh. Bhagat Ram, r/o SCF No. 30, Grain Market Chandigarh through Sh. Rajinder Kumar Shagan Lal, Street 12, Abohar. (Transferor)
- (2) Shri Suraj Kant S/o Shri Ved Parkash, r/o Chhatta Bazar, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) Sh. Zela Singh r/o H. No. 3192, Sector 27-D, garh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3192, situated in Sector 27-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 957 of 9/82 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,

Date : 12-5-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May 1983

Ref. No. CHD/149/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 555, Sector 8-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Indra Dhingra w/o Sh. H. C. Dhingra r/o H. No. 291, Sector 33-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Jagan Nath s/o Sh. Devi Daya] & Smt. Meena Gohri w/o. Shri Gulshan Lal r/o 1219, Sector 8-C, Chandigarh. (Transferee)
- (3) M/s. Santan Dharam Education Society (Sh. Sanatan Dharam Junior Modern School) H. No. 555, Sector 8-B, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 555, Sector 8-B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 853 of 9/82 of the Registering Authority, Chandigarh).
Date: 11-5-1983.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 12-5-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May' 1983

Ref. No. CHD/147/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. 2329, situated at Sector 35-C Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kulwant Kaur w/o Shri Late Balwant Singh r/o 2329, Sector 35-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Inder Pal Singh s/o Late Shri Kartar Singh r/o Gomia (Bihar State). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. 2329, situated in Sector 35-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 843 of September, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 12-5-83
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th May 1983

Ref. No. CHD/151/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P. No. 1543, Sector 33-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Devinder Singh s/o Shri Mangat Singh 453, Pehali Contact Unit c/o. 99 APO.
(Transferor)
- (2) Shri Ved Parkash (HUF) s/o Late Shri Tej Ram r/o 18, Industrial Area, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1543, situated in Sector 33-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 859 of 9/82 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 10-5-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May' 1983

Ref. No. CHD/142/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 3462, Sector 23-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Uma Watj w/o. Shri Mohan Lal Sharma r/o 25, Vasan Vihar, Jullundur. (Transferor)
(2) Smt. Bimla Devi w/o Shri Pritam Dass & Shri Sunil Kumar s/o Shri Jagdish Chand r/o 3438, Sector 23-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3462, situated in Sector 23-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 825 of 9/82 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-5-83
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D.L.F. COLONY

Rohtak, the 11th May 1983

Ref. No. PNP/228/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot area 908 sq. yards situated at Shiv Nagar, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rameshwar Dass S/o Shri Raghunath Sahai r/o Gaushala Mandi, Panipat.

(Transferor)

- (2) M/s. Kumar Textile Mills, Panipat through Smt. Kunti Devi w/o. Shri Chuni Lal 33/100 share Smt. Neejam Goyal w/o Shushila Gupta 33/100 share Shri Pardeep Jain S/o Vimal Kumar 17/100 share Smt. Sheela Devi W/o. Shri Vimal Kumar 17/100 share.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 908 sq. yards situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3789 dated 20-9-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 12th May 1983

Ref. No. NWN/21/82-83.—Whereas I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 503½ sq. yards, situated at Narwana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narwana in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Banwari Lal, Ram Sarup & Dalip Chand ss/o Shri Behari Lal S/o Sh. Bishamber Dass, Narwana, Mandi.

(Transferor)

(2) S/S. Jai Bhagwan, Devi Parshan & Rajinder Kumar, Vinod Kumar ss/o Shri Harikesh S/o Sh. Radha Krishan, C/O M/S Harikesh Devi Parshan, Cloth Merchants, Narwana Mandi, Narwana Distt. Jind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 503½ sq. yards situated at Narwana and as more mentioned in the sale deed registered on 7-9-1982 with the Sub Registrar, Narwana.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely :—

Date : 12-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. KNL/149/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. XVII-670 situated at Purana Sarafa Bazar, Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Shyam Lal s/o Jogi Dass s/o
Sh. Mange Ram,
Smt. Shanti Devi w/o
Sh. Shyam Lal s/o Sh. Jogi Dass
r/o Holi Mohalla, Karnal. (Transferor)
- (2) S/Sh. Bhagwan Dass Girdhar s/o
Sh. Ram Singh r/o Samalkha Mandi,
Teh. Panipat.
Krishan Lal s/o Sh. Mehar Chand s/o
Ruchi Ram Taneja R/o Ramana Ramani,
Teh. Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. XVII-670 Purana Sarafa Bazar, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2692 dated 1-9-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Kanshi Ram S/o Sh. Jammu Ram,
Radaur Road Camp, Yamunanagar. (Transferor)
- (2) Smt. Satya Devi W/o Sh. Des Raj,
Smt. Savitri Devi W/o Sh. Ishwar Chand,
R/o Vill. Mamodo Teh. Jagadhari. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK, D.L.F. COLONY
Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. JDR/123/82-83.—Whereas I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop at Radaur Road Camp, Yamunanagar, situated at Yamunanagar,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—116GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop situated at Radaur Road Camp, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4182 dated 20-9-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. BGR/99/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 40 Kanals 4 marla situated at Pehlادpur Majra Ding (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dayawanti W/o Sh. S. K. Sharma,
11 West Avenue Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Birender Singh S/o Sh. Sarup Singh,
Smt. Gomati Devi W/o Sh. Sarup Singh,
R/o Tigaon Road Farm,
Sarup Nagar, Ballabgarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Land measuring 40 kanals 4 marla situated at Pehlادpur Majra Ding and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6648 dated 13-9-1982 with the S.R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. BGR/100/82-83.—Whereas I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 53 kanals 5 marla situated at Pehlادpur Majra Ding,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ballabgarh in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Daya Wanti W/o Sh. S. K. Sharma,
11 West Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Bilender Singh S/o Sh. Sarup Singh,
Smt. Gomti Devi W/o Sh. Sarup Singh,
R.o Tigaon Road Farm,
Sarup Nagar, Ballabgarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 53 kanals 5 marla situated at Village Pehlادpur Majra Ding and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6649 dated 15-9-1982 with the S.R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. JDR/137/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land 9 kanals 9 Marlas, Vill. Gulab Nagar Teh. Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ajmer Singh and Sh. Akal Singh ss/o Sh. Charan Singh s/o Sh. Karam Singh r/o Teli Majra Teh. Jagadhari. (Transferor)
- (2) Smt. Kusham Lata w/o Sh. Siri Kishan, Dass s/o Kanshi Ram r/o 40-Anaj-Mandi, Jagadhari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 9 kanals 9 marlas situated at Vill. Gulab Nagar, Teh. Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4394 dated 30-9-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-9-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. GRG/117/82-83.—Whereas I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land 297 Kanal 15 marlas situated at Vill. Harsaru Distt. Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Universal Poultry Farm, (breeding)
Harsaru Distt. Gurgaon through
Sh. Harinder Katial s/o Sh. Bhagwan,
Dass r/o 21 Bungalow Road, Delhi-6. (Transferor)
- (2) S. Inderjeet Singh Sodhi s/o
S. Kalwant Singh Sodhi, A-5,
Ring Road, Naraina Vihar,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being agricultural land 297 kanals 15 marlas situated at village Harsaru Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1962 dated 24-9-82 with the Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/29.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Prabha Devi
W/o Sh. Hira Lal Narang, Mehra Apartment,
Bombay, through B.A. Boga, G.T. Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Harbhajan Singh Chatha,
RUF through Firm M/s Deva Singh Sham Singh,
r/o Chatiwind gate, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10277 dated 24-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR 83-84/24.—Whereas, I
HARDAYAL SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. One plot of land situated at Radha Swami Road,
Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar in September 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Prabha Devi Wd/o
Sh. Hira Lal Narang, 1/o Mehar Apartment Road,
Bombay through General Attorney Sh. R.A. Boga
s/o Sh. A. R. Boga, G.T. Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Harbhajan Singh,
Chatha through firm M/o Deva Singh Sham Singh,
r/o Outside Chatti Wind Gate, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Radha Swami Road, Amrit-
sar, as mentioned in sale deed No. 9682 dated 13-9-1982 of
registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-5-1983
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/25.—Whereas, I
HARDAYAL SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. One property situated at G.T. Road, Amritsar,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar in September 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Baba Puran Nath Chela,
Baba Gian Nath r/o Ram Tirath Mahan Rishi
Balmik Mandir, Amritsar, through S. Bahadur,
Singh s/o Warian Singh, r/o Chowk Moni,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Thakur Mangal Singh,
Jai Singh, Prithipal Singh ss/o Thakur
Dalip Singh, r/o G.T. Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at G.T. Road, Opp. Irrigation Office,
Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9205 dated 2-9-82
of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/26.—Whereas, I
HARDAYAL SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Batala Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—116GI/83

- (1) Sh. Om Parkash s/o
Shri Diwan Chand, r/o Pawan Nagar,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Tilak Raj s/o
Sh. Ishar Dass, r/o Pawan Nagar,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 450 sq. vds., situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9441 dated 7-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-5-1983
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/27.—Whereas, I HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Batala Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Om Parkash s/o Shri Diwan Chand, r/o Pawan Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Jatinderpal Singh s/o Shri Mehar Singh r/o Alhowal Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 297 sq. yds., situated at T.P. Scheme No. 53, Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9440 dated 7-9-82 of the registering Authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-5-1983
Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/28.—Whereas, I
HARDAYAL SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act' have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Agricultural land situated at Vill. Jaura Chhittran, Distt.
Gurdaspur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Gurdaspur in September 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Smt. Puro d/o Smt. Jiwan,
w/o Shri Chanan Singh, r/o Vill. Jaura Chhittran,
Teh. & Distt. Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Sh. Harbhajan Singh s/o
Sh. Joginder Singh, r/o Vill. Chamiani, now
at Vill. Jaura Chhittran, Teh. & Distt.
Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 50 kanals 19 marlas, situated
in Vill. Jaura Chhittran, Teh. Gurdaspur, as mentioned in
sale deed No. 3968 dated 23-9-1982 of the registering autho-
rity Gurdaspur.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-5-1983
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/30.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRSbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.One plot of land situated at Radha Swami Road, Amritsar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Amritsar on Sept., 1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

- (1) Smt. Prabha Devi Wd./o Shri Hira Lal
R/o Mehar Apartment Road,
Bombay through General Attorney
Sh. R. A. Boga s/o Sh. A. E. Boga,
G. T. Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Prithpal Singh s/o Shri Kalyan Singh
r/o Tarn Taran,
Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be inte-
rested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Radha Swami Road, Amritsar,
as mentioned in sale deed No. 10750 dt. 30-9-82 of the
registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 10-5-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/31.—Whereas, I, **HARDAYAL SINGH, IRS** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Katra Moti Ram, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijay Kumar s/o Shri Pishori Lal
r/o Katra Moti Ram,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Banarsi Dass Chopra s/o
Shri Chuni Lal Chopra
r/o 128 Katra Moti Ram,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in hte property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Katra Moti Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9924 dt. 20-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-5-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/31.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Katra Moti Ram, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nand Kishore
s/o Shri Pishori Lal
r/o Katra Moti Ram,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Banarsi Dass Chopra s/o
Shri Chuni Lal Chopra
r/o 128 Katra Moti Ram,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Katra Moti Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9922 dt. 20-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-5-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/33.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Katra Moti Ram, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Ram Piari
Wd./o Shri Pishori Lal
r/o Katra Moti Ram,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Banarsi Dass Chopra s/o
Shri Chuni Lal Chopra
r/o Katra Moti Ram,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in hte property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Katra Moti Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9923 dt. 20-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-83
Seal :

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/34.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Circular Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1982

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Radha Shyam Khanna
s/o Sh. Amolak Ram Khanna
r/o 35 Race Course Road,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Sunil Dhawan
s/o Shri Balkishan Dhawan,
r/o 12, Dasandha Singh Road,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10276 dt. 24-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-5-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/35.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRSbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingOne plot of land situated at Circular Road, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Amritsar on Sept., 1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

44-116G1/83

- (1) Sh. Radha Shyam Khanna
s/o Sh. Amolak Ram Khanna
r/o 35 Race Course Road,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Kapil Dhawan
s/o Shr. Balkishan Dhawan,
r/o 12, Dasondha Singh Road,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be inter-
ested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Circular Road, Amritsar, as men-
tioned in sale deed No. 10416 dt. 27-9-82 of the registering
authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-5-83

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-727/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. S. No. 343, Jamabandi 122/358, Ward No. 30, Holding No. 405, 836, Present H. No. 472 situated at Mohalla-Gannipur, Town Muzaffarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 3-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Siv Shankar Singh
s/o Shri. A. M. Singh
At & P.O. Gunnipur, Near Neem Chowk,
South of Ganga Babu house (Bhatha merchant)
Town and Dist. Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) Shri Sanjiva Nand Thankur
s/o Shri Shyam Nand Thankur
Village Baluayodhi, P. O. & P. S. Palasi,
Dist. Purnia. At Present :
At & P.O. Gunnipur, Near Neem Chowk,
South of Ganga Babu house (Bhatha merchant)
Town and Dist. Muzaffarpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Dhurs with house situated in Mohalla Gannipur, P.S. & P.O. Muzaffarpur, Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed no. 15868 dated 3-9-82 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-83
Seal :

FORM LT.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-741/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor, on Katras Road, Distt-Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 14-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puranlal V. Chawda
s/o Late V. G. Chawda,
Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak
r/o Katras Road, Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Singh
S/o Sri Ram Bahadur Singh
C/o Usha Talkies, P.C.-Jharia,
Dist-Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Katha 11 Chatak with house situated near Bank Mor, on Katras Road, Dist-Dhanbad and more fully described in deed No. 10722 dt. 14-9-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-83
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA
Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-747/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. Plot No. 855, Khata No. 21 situated at Bariatu, P.S./Dist-Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :—

- (1) Shri Alish Chandra Sinha
2. Sri Adhish Chandra Sinha
3. Sri Bikash Chandra Sinha,
All r/o 59A, B. T. Road,
Calcutta-2.

(Transferer)

- (2) Shri Lal Dharendra Nath Sahdeo,
r/o Khunti, P.O./Dist-Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 28 Kathas 12 Chatak situated at Bariatu, P. S./Dist-Ranchi and morefully described in deed No. I-8244 dt. 18-9-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-83
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-744/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 14-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
45—116G1/83

- (1) Shri Puranlal V. Chawda
s/o Late V. G. Chawda,
Managing Trustee,
For Ghailabhai Vidyotoiak Mandal,
R/o Katras Road, Dist-Dhanbad.

(Transferer)

- (2) Shri Sanjay Singh
s/o Sri Ram Bahadur Singh,
C/o Usha Talkies, P.O.—Jharla,
Dist-Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Katha 11 Chatak with house situated near Bank Mor on Katra Road, Dist-Dhanbad and morefully described in deed No. 10719 dt. 14-9-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-743/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at
Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dhanbad on 14-9-82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Puranlal V. Chawda
s/o Late V. G. Chawda,
Managing Trustee,
For Ghallabhai Vidyotoiak Mandal,
R/o Katras Road, Dist-Dhanbad. (Transferor)
- (2) Shri Surendra Prasad Singh
s/o Sri Ram Bahadur Singh,
C/o Usha Talkies, P.O.-Jharia,
Dist-Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Katha 11 Chatak with house situated
near Bankmor on Katra Road, Dist-Dhanbad and morefully
described in deed No. 101720 dt. 14-8-82 registered with
D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-83
Seal :

FORM ITNS, ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-739/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 14-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Purnanlal V. Chawda
s/o Late V. G. Chawda,
Managing Trustee,
For Ghallabhai Vidyotoiak Mandal,
R/o Katras Road, Dist-Dhanbad.

(Transferor)

- (2) Shri Madho Singh
s/o Sri Ram Bahadur Singh,
C/o Usha Talkies, P.O.-Jharia,
Dist-Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Katha 11 Chatak with house situated near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad and morefully described in deed No. 10724 dt. 14-9-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th May 1983

Ref. No. III-742/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor, on Katras Road, Dist-Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 14-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Puranlal V. Chawda S/o Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak Mandal, R/o Katras Road, Distt. Dhanbad. (Transferer)
- (2) Smt. Jayanti Devi W/o Sri Ram Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O. Jharia, Distt. Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 6 Katha 11 Chatak with house situated near Bank Mor, on Katras Road, Distt. Dhanbad and more fully described in deed No. 10721, dated 14-9-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th May 1983

Ref. No. III-746/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. Plot No. 855, Khata No. 21 situated at Bariatu, P.S./ District Ranchi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-9-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Alish Chandra Sinha (2) Sri Adhish Chandra Sinha (3) Sri Bikash Chandra Sinha, All R/o 59A, B. T. Road, Calcutta-2. (Transferer)
(2) Shri Lal Puspendra Nath Sahdeo, R/o Khunti, P.O. District. Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 23 Kathas 7 Chatak situated at Bariatu, P.S./Distt. Ranchi and morefully described in deed No: I-8243 dated 18-9-1982 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-1983.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th May 1983

Ref. No. III-748/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. Plot No. 855, Khata No. 21 situated at Bariatu, P.S./ District Ranchi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-9-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Alish Chandra Sinha (2) Sri Adhish Chandra Sinha (3) Sri Bikash Chandra Sinha, All R/o 59A, B. T. Road, Calcutta-2.

(Transferer)

- (2) Shri Uday Narain Singh,
R/o Ararua Hariharganj, Distt. Palamauc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 25 Kathas 11 Chatak situated at Bariatu, P.S./Distt. Ranchi and morefully described in deed No. I-8243 dated 18-9-1982 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date : 16-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Puranlal V. Chawda S/o Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak Mandal, R/o Katras Road, Distt. Dhanbad.
(Transferer)
- (2) Shri Madhabendra Singh, S/o Sri Jang Bhadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O. Jharia, Distt. Dhanbad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th May 1983

Ref. No. III-740/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mouza Dhanbda No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor, on Katras Road, Distt. Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 14-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Khatha 11 Chatak with house situated near Bank Mor, on Katras Road, Distt. Dhanbad and more fully described in deed No. 10723, dated 14-9-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th May 1983

Ref. No. III-745/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza Dhanbda No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor, on Katras Road, Distt. Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 14-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Puranjali V. Chawda S/o Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak Mandal, R/o Katras Road, Distt. Dhanbad. (transferor)
(2) Shri Sadho Singh S/o Sri Ram Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O. Jharia, Distt. Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Khatha 11 Chatak with house situated near Bank Mor, on Katras Road, Distt. Dhanbad and more fully described in deed No. 10718, dated 14-9-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 4th May 1983

Ref. No. M-803/82/Acq[MUSSOORIE.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 14-9-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mulk Raj Batra & sons Chander Bhushan Batra and Bharat Bhushan Batra,
Resident of village Niranjapur District
Dehradun.

(Transferor)

(2) M/s. Shakunt Solvents & Chemicals Pvt. Ltd.,
D-1/11, Ashok Vihar-II,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kuanwala District
Dehradun.

BIBEK BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 4-5-1983
Seal :

